website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 216 | पेज: 8 | जयपुर, मंगलवार 15 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

हमारी सरकार बनी तो कूड़ेदान में होगा वक्फ बिल- तेजस्वी यादव

-मुसलमानों के बाद निशाने पर होंगे हिंदू

पटना। राजद नेता तेजस्वी यादव ने वक्फ संसोधन विधेयक का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि यह विधेयक असंवैधानिक है और इससे मुसलमानों के अधिकारों का हनन होगा। तेजस्वी ने कहा कि बिहार में राजद की सरकार बनने पर इस विधेयक को लागू नहीं होने दिया जाएगा। तेजस्वी ने कहा कि इस विधेयक के विरुद्ध सदन से लेकर सड़क तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम कोर्ट की शरण में हैं। तेजस्वी ने कहा कि हमारी सरकार बनेगी तो इस विधेयक को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे। तेजस्वी यादव ने कहा कि मुसलमानों के बाद भाजपा वाले सिख और इसाई पर भी हमला बोलेंगे। शनिवार को पार्टी के प्रदेश कार्यालय में प्रेस-वार्ता कर तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में जब हमारी सरकार बनेगी तो इस विधेयक को किसी भी कीमत पर लागू नहीं होने देंगे। हम इसे कूड़ेदान में फेंक देंगे। इस विधेयक के विरुद्ध सदन से लेकर सड़क तक हमारी लड़ाई जारी रहेगी और हम कोर्ट की शरण में हैं। इससे पहले हमने एनआरसी का भी विरोध किया था। आरक्षण की लड़ाई में भी राजद कोर्ट गया है। तेजस्वी ने कहा कि वक्फ विधेयक असंवैधानिक है और इसमें संविधान के अनुच्छेद-26 का उल्लंघन किया गया है। आरएसएस और भाजपा का काम संविधान विरोधी है। अपने उद्योगपति मित्रों को लाभ पहुंचाने के लिए वे ऐसा कर रहे।

मुसलमानों के बाद निशाने पर होंगे इसाई और सिख, अंतत: हिंदू भी - तेजस्वी

वक्फ संशोधन विधेयक के विरोध में राजद ने 18 पहलुओं पर अपनी बात संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष रखी। ई-मेल भी किया, लेकिन नरेंद्र मोदी की सरकार यह संविधान विरोधी विधेयक लेकर आई। शनिवार को प्रेस-वार्ता में इस दावे के साथ तेजस्वी यादव ने कहा कि मुसलमानों के बाद भाजपा वाले सिख और इसाई पर भी हमला बोलेंगे। उसके बाद इनके निशाने पर 80 प्रतिशत हिंदू होंगे। यही इनके भविष्य का एजेंडा है। 65 प्रतिशत आरक्षण के साथ भी भाजपा ने यही किया। कमंडल वाले हिंदू और मुसलमान को दूर करना चाहते हैं। जदयू को तेजस्वी ने भाजपा का अल्पसंख्यक विरोधी प्रकोष्ठ बताया। वक्फ विधेयक पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की चुप्पी पर प्रश्न उठाया। तेजस्वी ने कहा कि पद से हटाने की धमकी देकर जदयू के अल्पसंख्यक नेताओं को जबरदस्ती प्रेस-वार्ता में बैठाया गया। गुलाम गौस सहित कई नेताओं को बोलने नहीं दिया गया। हमने देखा कि मुंगेर में उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को अधिकारी मटन परोस रहे थे। नीतीश कुमार की फोटो हटाकर मात्र नरेंद्र मोदी की तस्वीर लगाई जा रही है। चुनाव तक ये लोग नीतीश को जैसे-तैसे साथ रखेंगे और उसके बाद क्या परिणाम होना है, यह सब जानते हैं। प्रेस वार्ता में प्रो. मनोज कुमार झा, मो. शाहनवाज आलम, डॉ. मो. शमीम अहमद, अख्तरूल इस्लाम शाहीन, कारी मो. सोहैब, डॉ. अनवर आलम, शक्ति सिंह यादव, एजाज अहमद आदि उपस्थित रहे।

चिराग पर भी कसा तंज

चिराग पासवान के बयान पर तेजस्वी ने कहा कि वे मीठा बोलते हैं और पीछे से छुरी मारते हैं। उनके पिता रामविलास पासवान ने गोधरा कांड के बाद त्यागपत्र दिया था या तो उस समय रामविलास गलत थे, या अभी चिराग गलत हैं। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खां ने विधेयक का समर्थन किया है। इस पर तेजस्वी ने कहा कि उनकी अपनी राय हो सकती है। हमारी अपनी राय है।

रेलवे यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने के लिए डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाएगा

-बेहतर सुरक्षा के लिए सभी 74,000 डिब्बों और 15,000 इंजन में सीसीटीवी कैमरे

-रेलवे प्रत्येक डिब्बे में 4 सीसीटीवी कैमरे और लोकोमोटिव में 6 कैमरे लगाएगा

दिल्ली । यात्री डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के प्रायोगिक परिणाम के सकारात्मक परिणाम के आधार पर, रेलवे ने सभी डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने का निर्णय लिया है। इस कदम से यात्री सुरक्षा में उल्लेखनीय सुधार होगा। बदमाश और संगठित गिरोह भोले-भाले यात्रियों का फायदा उठाते हैं। कैमरे लगने से ऐसी घटनाओं में उल्लेखनीय कमी आएगी। यात्रियों की निजता बनाए रखने के लिए, दरवाजों के पास सामान्य आवागमन क्षेत्र में सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे।

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव और केंद्रीय रेल राज्य मंत्री रवनीत सिंह बिट् ने इंजनों और डिब्बों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की प्रगति की समीक्षा की। शनिवार 12 जुलाई, 2025 को आयोजित बैठक में रेलवे बोर्ड के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया।

360-डिग्री व्यापक कवरेज

रेलवे अधिकारियों ने बताया कि उत्तर रेलवे के लोको इंजन और डिब्बों में सफल परीक्षण किए जा चुके हैं। केंद्रीय रेल मंत्री ने सभी 74,000 डिब्बों और 15,000 इंजनों में सीसीटीवी कैमरे लगाने की अनुमति दे दी है। प्रत्येक रेलवे डिब्बेभ में 4 डोम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे - प्रत्येक प्रवेश मार्ग पर 2 और प्रत्येक लोकोमोटिव में 6 सीसीटीवी कैमरे होंगे। इनमें लोकोमोटिव के आगे, पीछे और दोनों तरफ 1-1 कैमरा शामिल होंगे। प्रत्येक कैब (आगे और पीछे) में 1 डोम सीसीटीवी कैमरा और डेस्क पर 2 माइक्रोफोन लगाए जाएंगे।

आधुनिक समस्याओं के लिए आधुनिक निगरानी

अधिकारियों ने साझा किया कि सीसीटीवी कैमरे नवीनतम मानकों वाले होंगे और एसटीक्यूसी प्रमाणित होंगे। केंद्रीय रेल मंत्री ने सर्वश्रेष्ठ उपकरणों को इस्तेमाल करने पर जोर दिया। उन्होंने रेलवे अधिकारियों से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि 100 किमी प्रति घंटे से अधिक गति और कम रोशनी की स्थिति में चलने वाली ट्रेनों के उच्च गुणवत्ता वाले फुटेज उपलब्ध हों। केंद्रीय रेल मंत्री ने अधिकारियों को इंडियाएआई मिशन के सहयोग से सीसीटीवी कैमरों द्वारा लिए गए डेटा पर एआई के उपयोग का पता लगाने के लिए प्रोत्साहित किया।

डेटा गोपनीयता मूल में

डिब्बों के सामान्य आवागमन क्षेत्रों में कैमरे लगाने का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा और संरक्षा में सुधार लाना है। निजता का ध्यान रखते हुए, ये कैमरे शरारती तत्वों की पहचान करने में भी मदद करेंगे। भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के प्रयास, सुरक्षित, संरक्षित और यात्री-अनुकूल यात्रा अनुभव के प्रति उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाते हैं।

राज्य सरकार आमजन की सेवा और समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है- मुख्यमंत्री

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । सीएम भजनलाल शर्मा ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास पर नियमित जनसुनवाई की। मुख्यमंत्री ने जनसुनवाई में लोगों की परिवेदनाएं आत्मीयता से सुनी और संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित और संतोषजनक निस्तारण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर अधिकारी और विभाग सुनिश्चित करें कि आमजन को बुनियादी सुविधाएं नियमित और निर्बाध रूप से मिलें, यही सुराज की दिशा है।

जनसुनवाई में सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता, ग्रामीण विकास व पंचायतीराज, कृषि, गृह, राजस्व, सिंचाई, परिवहन, पशुपालन, नगर विकास, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, ऊर्जा और मनरेगा जैसे विभागों से जुड़ी सैकड़ों शिकायतें रखी गईं। मुख्यमंत्री ने कई मामलों में मौके पर ही कार्रवाई के आदेश दिए।

संवेदनशीलता के साथ जनसेवा ही मूल मंत्र- सीएम

उन्होंने कहा, "राज्य सरकार आमजन की सेवा और समस्याओं के समाधान को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। संवेदनशीलता के साथ जनसेवा ही हमारी कार्यशैली का मूल मंत्र है। प्रदेशभर में जनसुनवाई का सुदृढ़ तंत्र इसी सोच का हिस्सा है।" शेष पृष्ठ 2 पर....

हज 2026 के लिए हज आवेदन फॉर्म भरना शुरू

जयपुर,(रॉयल पत्रिका) । हज कमेटी ऑफ़ इंडिया के सर्कुलर के अनुसार हज 2026 के आवेदन के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी गई है । हज आवेदन 2026 के लिए हज कमेटी ऑफ़ इंडिया में दिशा-निर्देश जारी किए हैं, जो इस प्रकार हैं-

1. हज आवेदन फॉर्म के लिए पासपोर्ट की वैलिडिटी 31 दिसंबर 2026 तक होनी चाहिए। तभी आप फॉर्म भरवा सकते हैं, अन्यथा आप अपना पासपोर्ट तुरंत बनवाएं।
2. नए पासपोर्ट बनाने वाले आवेदक अपने पासपोर्ट आवेदन फॉर्म में सरनेम और आखिरी नाम जरूर भरें।
3. हज 2026 के चयनित आवेदकों को पहली किस्त रुपए 1,50,000/- जमा करने होंगे।

इसके अलावा आवेदन के लिए निम्न डॉक्यूमेंट की जरूरत होगी-

1. एक फोटो (व्हाइट बैकग्राउंड), 2. पासपोर्ट 31 दिसंबर 2026 तक वैध, 3. आधार कार्ड, 4. कैंसिल चेक/बैंक पासबुक, 5. पैन कार्ड

शुभांशु की ऐतिहासिक वापसी: 41 साल बाद कोई भारतीय लौट रहा अंतरिक्ष से

-स्पेस स्टेशन से 23 घंटे का सफर तय कर पहुंचेंगे पृथ्वी पर

फ्लोरिडा। भारतीय अंतरिक्ष क्षेत्र के लिए यह ऐतिहासिक समय है। 41 साल बाद किसी भारतीय ने अंतरिक्ष में कदम रखा और अब उसकी 'घर वापसी' का सफर शुरू हो चुका है। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु सिंह ने इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) से धरती पर वापसी की यात्रा शुरू कर दी है। अनुमान है कि वह करीब 23 घंटे के सफर के बाद धरती पर सुरक्षित लैंड करेंगे। करीब 23 घंटे के सफर के बाद उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट 15 जुलाई दोपहर करीब 3 बजे समुद्र में उतरेगा। इसे स्प्लैशडाउन कहते हैं। स्पेसक्राफ्ट 263 किलो से ज्यादा कार्गो के साथ वापस आएगा। इसमें नासा का हार्डवेयर और 60 से ज्यादा प्रयोगों का डेटा शामिल होगा। यह अंतरिक्ष अनुसंधान के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। चारों एस्ट्रोनॉट 26 जून को भारतीय समय के अनुसार शाम 4:01 बजे ISS पहुंचे थे। एक्सियम मिशन 4 के तहत 25 जून को दोपहर करीब 12 बजे एस्ट्रोनॉट रवाना हुए थे। स्पेसएक्स के फाल्कन-9 रॉकेट से जुड़े ड्रैगन कैप्सूल में इन्होंने कैनेडी स्पेस सेंटर से उड़ान भरी थी। ये मिशन तकनीकी खराबी और मौसमी दिक्कतों के कारण 6 बार टाला गया था।

शाम 4:45 बजे ISS से पृथ्वी के लिए निकले शुभांशु

14 जुलाई को दोपहर करीब 02:15 बजे क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट में पहुंचा। शाम 4:45 बजे स्पेसक्राफ्ट ISS के हार्मनी मॉड्यूल से अनडॉक हुआ। 15 जुलाई को दोपहर करीब 3 बजे कैलिफोर्निया के तट पर स्प्लैशडाउन होगा।

17 दिन अंतरिक्ष में सुभांशु ने क्या-क्या किया

60 वैज्ञानिक प्रयोग: शुभांशु ने मिशन के दौरान 60 से ज्यादा वैज्ञानिक प्रयोगों में हिस्सा लिया। इनमें भारत के सात प्रयोग शामिल थे। उन्होंने मेथी और मूंग के बीजों को अंतरिक्ष में उगाया। स्पेस माइक्रोएल्गी' प्रयोग में भी हिस्सा लिया। अंतरिक्ष में हड्डियों की सेहत पर भी प्रयोग किए। प्रधानमंत्री से बात: 28 जून 2025 को शुभांशु ने ISS से पीएम नरेंद्र मोदी के साथ लाइव वीडियो कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष से भारत बहुत भव्य दिखता है। पीएम ने पूछा कि आप गाजर का हलवा लेकर गए हैं। क्या साथियों को खिलाया। इस पर शुभांशु ने कहा- हां साथियों के साथ बैठकर खाया। छात्रों से संवाद: 3, 4 और 8 जुलाई को उन्होंने तिरुवनंतपुरम, बेंगलुरु और लखनऊ के 500 से अधिक छात्रों के साथ हैम रेडियो के जरिए बातचीत की। इसका मकसद युवाओं में STEM (विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित) के प्रति रुचि बढ़ाना था। ISRO के साथ संवाद: 6 जुलाई को उन्होंने ISRO के चेयरमैन डॉ. वी. नारायणन और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत की, जिसमें उनके प्रयोगों और भारत के गगनयान मिशन के लिए उनके योगदान पर चर्चा हुई। पृथ्वी की तस्वीरें: शुभांशु ने ISS के कपोला मॉड्यूल से पृथ्वी की शानदार तस्वीरें खींचीं, जो सात खिड़कियों वाला एक खास हिस्सा है।

41 साल बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में गया

अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और भारतीय एजेंसी इसरो के बीच हुए एग्रीमेंट के तहत भारतीय वायु सेना के ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस मिशन के लिए चुना गया था। शुभांशु इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर जाने वाले पहले और स्पेस में जाने वाले दूसरे भारतीय हैं। इससे 41 साल पहले राकेश शर्मा ने 1984 में सोवियत यूनियन के स्पेसक्राफ्ट से अंतरिक्ष यात्रा की थी। शुभांशु का ये अनुभव भारत के गगनयान मिशन में काम आएगा। ये भारत का पहला मानव अंतरिक्ष मिशन है, जिसका उद्देश्य भारतीय गगनयात्रियों को पृथ्वी की निचली कक्षा में भेजना और सुरक्षित रूप से वापस लाना है। इसके 2027 में लॉन्च होने की संभावना है। भारत में एस्ट्रोनॉट को गगनयात्री कहा जाता है। इसी तरह रूस में कॉस्मोनॉट और चीन में ताइकोनॉट कहते हैं।

एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं शुभांशु शुक्ला

शुभांशु शुक्ला एक्सियम-4 मिशन का हिस्सा हैं, जिसकी एक सीट के लिए भारत ने 548 करोड़ रुपए चुकाए हैं। यह एक प्राइवेट स्पेस फ्लाइट मिशन है, जो अमेरिकी स्पेस कंपनी एक्सियम, NASA, इसरो और स्पेसएक्स की साझेदारी से हो रहा है।

प्रधानमंत्री ने भारत की राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत प्रतिष्ठित व्यक्तियों को बधाई दी

दिल्ली । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किए गए चार विशिष्ट व्यक्तियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी हैं।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म एक्सह पर कई पोस्टों में प्रत्येक मनोनीत व्यक्ति के योगदान का उल्लेनख किया।

प्रधानमंत्री ने उज्ज्वल निकम की कानूनी पेशे के प्रति उनके अनुकरणीय समर्पण और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता के लिए सराहना की। उन्होंने कहा कि निकम एक सफल वकील रहे हैं। उन्होंने महत्वपूर्ण कानूनी मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और आम नागरिकों की गरिमा को बनाए रखने के लिए निरंतर कार्य किया। मोदी ने राज्यसभा में उनके मनोयन का स्वागत किया और संसदीय भूमिका में उनकी सफलता की कामना की। प्रधानमंत्री ने कहा;

" उज्ज्वल निकम का कानूनी क्षेत्र और हमारे संविधान के प्रति समर्पण अनुकरणीय है। वह न केवल एक सफल वकील रहे हैं बल्कि महत्वपूर्ण मामलों में न्याय पाने के लिए भी अग्रणी रहे हैं। अपने पूरे कानूनी जीवन के दौरान, उन्होंने हमेशा संवैधानिक मूल्यों को मजबूत करने और आम नागरिकों के साथ हमेशा सम्मानजनक व्यवहार सुनिश्चित करने के लिए काम किया है। यह खुशी की बात है कि भारत की राष्ट्रपति ने उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किया है। उनकी संसदीय पारी के लिए मेरी शुभकामनाएं।"

प्रधानमंत्री ने सी. सदानंदन मास्टर के जीवन को साहस और अन्याय के प्रतिरोध का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि हिंसा और धमकी का सामना करने के बावजूद, सदानंदन मास्टर राष्ट्रीय विकास के लिए प्रतिबद्ध रहे। शेष पृष्ठ 2 पर....

श्रावण मास का प्रथम सोमवार - भजनलाल शर्मा ने किया सहस्त्राभिषेक

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने श्रावण मास के प्रथम सोमवार के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास स्थित राज राजेश्वरी मंदिर में भगवान शिव का सहस्त्राभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने सपत्नीक विधिवत मंत्रोच्चार के साथ पूजा-अर्चना की तथा प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस दौरान मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

मौलाना फज़्ले हक़ को राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने पर उलेमाओं द्वारा स्वागत किया

-1500 साला मिलादुन्नबी की तैयारियाँ शुरू

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। पैग़म्बरे इस्लाम की विलादत (जन्म) के 5 सितंबर 2025 को 1500 वर्ष पूरे होने पर विश्व भर में ख़ुशिया मनाई जाएँगी। ऑल इंडिया सीरत कमेटी द्वारा देशभर विशेष रूप से कोटा में भव्य पैमाने पर मिलादुन्नबी का जुलूस व जलसा आयोजित करने की तैयारियाँ शुरू कर दी हैं।

हज़रत सैयद तफ़ज़लुर्रेहमान की सरपरस्ती व मौलाना फज़्ले हक़ राष्ट्रीय अध्यक्ष सीरत कमेटी की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक दरगाह ईदूशाह बाबा हजीरा सब्जीमंडी पर हुई, जिसमे राष्ट्रीय अध्यक्ष द्वारा नियाज़ अहमद निक्कू को जलसा जुलूस मिलादुन्नबी कमेटी कोटा का अध्यक्ष बनाया गया। मौलाना फज़्ले हक़ ने कहा कि पैग़म्बरे इस्लाम का 1500 साला मिलादुन्नबी देशभर में मानवता का विकास सांप्रदायिक सौहार्द को मज़बूत बनाने के लिए मील का पत्थर साबित होगा।

सीरत कमेटी के माध्यम से इस संदेश को घर घर पहुँचाकर समाज व देश को मज़बूत बनाना चाहते है।

तंज़ीम उलमा आइम्मा मसाजिद विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना फज़्ले हक़ व जलसा जुलूस कमेटी का अध्यक्ष नियाज़ अहमद निक्कू का माला पहनाकर भव्य स्वागत किया गया।

इस मौके पर मौलाना सईद मुख़्तार इमाम ईदगाह नानता, मौलाना अलाउद्दीन अशरफ़ी क़ाज़ी क़स्बा केथुन, मौलाना ईदरीस रज़ा, क़ारी मक़सूद, हाफ़िज़ इब्ने अली, मौलाना कमरुद्दीन अशरफ़ी, हाफ़िज़ हनीफ़ व नसीम, हशरुद्दीन पठान, डॉ. अब्दुल मन्नान, अब्दुल जलील, ख़ालिद, सोनू अब्बासी ईदरीस बरकाती सहित अन्य लोग मोजूद रहे।

राजस्थान में बारिश और आकाशीय बिजली से 7 लोगों की मौत

जयपुर। राजस्थान में पिछले 24 घंटों में बारिश और आकाशीय बिजली गिरने की घटनाओं में 7 लोगों की जान चली गई। भीलवाड़ा में दो चचेरे भाई बरसाती नाले में डूब गए, जबकि राजसमंद में तालाब में भाई-बहन की डूबने से मौत हो गई। ब्यावर में कीचड़ में फिसलकर एक बच्चे की जान चली गई। भरतपुर में बिजली गिरने से और पाली में बारिश के दौरान करंट लगने से 1-1 व्यक्ति की मौत हुई। प्रदेश में बारिश के चलते कई इलाकों में जलभराव और सड़कें डूबने की स्थिति बनी हुई है, जिससे जनजीवन प्रभावित है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बारिश के दौरान सुरक्षित स्थानों पर रहें और सावधानी बरतें।

सैलानी बाबा का सालाना उर्स सम्पन्न

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। मोहर्रम के तीसरे दिन मंगलवार 8 जुलाई को दरगाह शेख सलीमुद्दीन चिश्ती उर्फ सैलानी बाबा का उर्स बड़े धूमधाम से मनाया गया।जिसमें दरगाह के सज्जादा नशीन काजी हाजी अहतशामुद्दीन ने बताया कि उर्स में सुबह गुस्ल शरीफ कुरान खानी और शाम 5 बजे चादर पेश कर फातहा खानी हुई। दरगाह में हजारों की संख्या में सभी समुदाय के जायरीन आए चादर और अकीदत के फूल पेश कर दुआएं मांगी। उर्स में वतन फाउंडेशन ने छबील लगाकर जायरीनों के सेवा का कार्य किया। टोंक से हाफिज कारी इज्जत टोंकी ने मिलाद और नातिया कलाम पेश किया और देश में अमन चैन भाई चारे की दुआ माँगी।

पार्षद लापता, अधिकारी लापरवाह, किसको सुनाएं अपनी व्यथा

सादिक हिन्दस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के मुख्यमंत्री सांगानेर विधानसभा के प्रतिनिधि (विधायक) भजनलाल शर्मा राजस्थान को अग्रणी राजस्थान बनाने के लिए जी जान से मेहनत कर रहे हैं। लेकिन कुछ लापरवाह अधिकारियों, कर्मचारियों की वजह से सांगानेर में उनकी मेहनत रंग नहीं ला पा रही है। कुछ पार्षद तो बिल्कुल निष्क्रिय जनता की निगाहों से लुप्त हो गए हैं। जैसे उनको जनता से कोई लगाव ही नहीं है। सिर्फ चुनाव में वोट लेने के लिए अपनी शक्ल दिखाने के लिए आए थे। यह जनता के साथ बहुत बड़ा विश्वास घात है। इसकी भरपाई आगामी चुनाव में वार्ड पार्षद एवं उनके प्रतिनिधि को निश्चित रूप से करनी पड़ेगी। इसीलिए सांगानेर के वार्ड 92 की हनुमान बगीची के आसपास की जनता में अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर काफी रोष उत्पन्न हो गया है। मकसूद अख्तर ने दी जानकारी के अनुसार नगर निगम में कई बार शिकायत की, आवेदन दिए,प्रदर्शन किया लेकिन लापरवाह अधिकारियों पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ा। उनको इतना भी भय नहीं है कोई डर नहीं है कि यह मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की विधानसभा है। यदि मुख्यमंत्री को शिकायत पहुंची तो वह क्या एक्सन लेंगे। इसकी कोई परवाह नहीं है। इस पर मुख्यमंत्री, सीएमओ कार्यालय को जांच कर सख्त कार्यवाही करनी चाहिए। इसीलिए इन समस्या को लेकर सीवरेज की परेशानी, गंदा पानी रोड पर, बच्चों को स्कूल जाने में, रास्ते से निकलने में काफी परेशानी होती है। जगह-जगह कचरा का ढेर, स्ट्रीट लाइट की परेशानी, इन तमाम समस्याओं को लेकर कॉलोनी वासियों ने मुहाना मोड़ तिराहा पर मजबूर होकर जाम लगाकर वार्ड पार्षद का पुतला जलाकर अपना रोष प्रकट किया। जगह-जगह यह शोर है वार्ड पार्षद चोर है एवं पार्षद मुर्दाबाद के नारे लगाए। उन्होंने बताया कि पार्षद ज्योति सैनी एवं पार्षद प्रतिनिधि विजेंद्र सैनी चुनाव के बाद से ही गायब हैं। फोन लगाते हैं तो ,फोन नहीं उठाते ,कोई जवाब नहीं देते। हमने बहुत बड़ी गलती की है। हमको नहीं मालूम था कि ऐसा लापरवाह, ऐसा गद्दार पार्षद निकलेगा। हमारी बहुत बड़ी गलती हुई कि भाजपा के प्रत्याशी सुनील शर्मा को वोट न देकर। अबकी बार हम कोई गलती नहीं करेंगे। प्रतिनिधि को देखकर,परखकर, समझकर जो हमारी कॉलोनी की समस्याओं को हल कर सके उसको वोट देंगे। अगर सुनील शर्मा खड़े होते हैं तो, इससे अच्छा कोई प्रतिनिधि नहीं होगा हमारे लिए। क्योंकि वह सक्रिय है, दूरदर्शी है, जुझारू है, समस्या को हल करवाने की क्षमता रखते हैं।

टूरिज्म सेक्टर प्रतिनिधिमंडल ने सीएम भजनलाल शर्मा से की मुलाकात

-बजट होटलों के नियमितीकरण की रखी मांग

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान में पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी से शिष्टाचार भेंट कर बजट होटलों के वन टाइम नियमितीकरण की मांग रखी। प्रतिनिधिमंडल ने इस दौरान पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी सेक्टर से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की। इस संयुक्त प्रतिनिधिमंडल में होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान (FHTR), होटल एसोसिएशन ऑफ जोधपुर (HAOJ), होटल एंड रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ राजस्थान (HRAR) और इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (IHHA) के पदाधिकारी शामिल हुए। प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री जी को एक ज्ञापन सौंपते हुए निम्न मुख्य मांगें रखीं:

1.बजट होटलों के लिए एक बार की नियमितीकरण नीति लागू की जाए।

2. होटल लाइसेंसिंग प्रक्रिया को Ease of Doing Business के तहत सरल और पारदर्शी बनाया जाए।

3. राजस्थान में नाइट टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए नीति स्तर पर सहयोग किया जाए।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा जी ने प्रतिनिधिमंडल द्वारा रखे गए सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना और विशेष रूप से भू-उपयोग परिवर्तन एवं बजट होटल नियमितीकरण के मुद्दे पर गहन अध्ययन कर सकारात्मक निर्णय लेने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पर्यटन सेक्टर को मजबूती देने और रोजगार सृजन बढ़ाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। इस मौके पर बैठक में हुसैन खान, अध्यक्ष, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, रणविजय सिंह राठौड़, वरिष्ठ उपाध्यक्ष, होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान, कुलदीप सिंह, अध्यक्ष, FHTR, विपुल मैनी, सचिव, HAOJ, वीरेंद्र सिंह, प्रतिनिधि, IHHA मौजूद रहे। होटल फेडरेशन ऑफ राजस्थान के अध्यक्ष हुसैन खान ने कहा कि राजस्थान में बजट होटल सेक्टर लाखों लोगों को रोजगार देने के साथ घरेलू और विदेशी पर्यटकों को किफायती सेवाएं उपलब्ध करा रहा है। यदि सरकार द्वारा एक बार की नियमितीकरण नीति लाई जाती है, तो इससे पर्यटन सेक्टर को नई ऊर्जा मिलेगी और निवेश का माहौल सुदृढ़ होगा।

उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" अवार्ड से सम्मानित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर पुलिस आयुक्त बीजू जॉर्ज जोसफ ने शनिवार को पुलिस आयुक्तालय पर आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट, सराहनीय, मेहनत, लगन एवं समर्पण से कार्य करने वाले छः पुलिसकर्मियों को "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ" अवार्ड से सम्मानित किया। जून माह 2025 का "कानिस्टेबल ऑफ दी मंथ पुरस्कार के लिए जिला पूर्व से चिन्हित रामवतार कानि० पुलिस थाना बजाजनगर के अन्तर्गत बरकत नगर में ज्वैलर्स की दुकान पर लूट करने की वारदात में शामिल अपराधियों की धर-पकड़ के लिये आस-पास के सीसीटीवी फूटेज चेक कर कड़ी मेहनत व लगन के साथ त्वरित कार्यवाही करते हुये मुल्जिमों को गिरफ्तार करवाने में अहम भूमिका निभायी। जिला पश्चिम के राजेन्द्र कुमार कानि० पुलिस थाना झोटवाडा ने प्लाट नम्बर 20 राजलक्ष्मी नगर निवारू रोड के बाहर से खेलते-खेलते गुम हुये 03 वर्षीय बच्चा सागर पुत्र धनजंय की त्वरित तलाश करते हुये नांगल पुलिया की दूसरी तरफ एक बन्द पड़ी थड़ी के पास बच्चे को सकुशल दस्तयाब कर उसके परिवारजनों को सुपुर्द किया जो सराहनीय कार्य किया है। जिला उत्तर के राकेश कुमार कानि० पुलिस थाना भट्टा बस्ती ने काफी समय से वांछित मुल्जिम अजीत खनीकर को डिब्रूगढ़ आसाम से गिरफ्तार किया। अपहर्ता मुस्कान व आफरीन को बिहार से दस्तयाब किया। इसके अलावा एक मंदबुद्धि लड़की जो अमानीशाह नाले में गिर गयी थी, उसे नाले से निकाल कर हॉस्पिटल में भर्ती करवाकर परिजनों को सुपुर्द करने का सहरानीय कार्य किया। जिला दक्षिण के अनुज कुमार कानि० पुलिस थाना विधायकपुरी ने ऑटो रिक्शा व ई-रिक्शा में अकेली सवारियों के साथ नकबजनी की वारदात को अंजाम देकर सवारियों के आभूषण, नकदी एवं कीमती सामान चुराने वाली अन्तर्राज्यीय गुजराती गैंग की मुख्य महिला आरोपिया सहित चार अन्य महिलाओं को एवं मुख्य सरगना अर्जुन कांगिया को गिरफ्तार करवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाया। उसके अलावा एवं लम्बे समय से फरार चल रहे वांछित मुल्जिम सलाम बेग जो होटल ढाबों पर गुंडागर्दी की वारदात करता था, को गिरफ्तार करवाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभायी। दामोदर कानि० यातायात शाखा, पश्चिम ने ड्यूटी पर सजगता से तैनात रहते हुये आमजन के साथ सद्व्यवहार करने व यातायात को सुगम संचालन में देर रात्रि तक ड्यूटी कड़ी मेहनत व लगन से किया है। ओमप्रकाश नेहरा कानि० कार्यालय अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त अपराध, आयुक्तालय जयपुर, नें पुलिस आयुक्त, कार्यालय के आपराधिक आंकडों का संकलन व वर्गीकरण करने का कार्य कड़ी मेहनत व लगन से किया है।

मरहूम हाजी अब्दुल लतीफ कागजी की पुण्यतिथि पर लगाया चिकित्सा शिविर

सादिक हिन्दस्तानी

जयपुर/सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर के मरहूम हाजी अब्दुल लतीफ कागजी की पुण्यतिथि पर इटर्नल हॉस्पिटल के सहयोग से एएल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। ट्रस्ट के डायरेक्टर डॉ अबुल हसन कागजी ने दी जानकारी के अनुसार राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल के सामने ए एल पैराडाइज सांगानेर में लगे इस मेडिकल एवं आई कैंप में शुगर, बीपी, ईसीजी, सीबीसी की जांचे फ्री की गई। एवं चश्मे और दवाइयां भी फ्री वितरण की गई। इस मौके पर हृदय रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, बालक एवं रोग विशेषज्ञ, जनरल फिजिशियन, दंत चिकित्सक, यूनानी पैथी के विशेषज्ञ डॉक्टरों के द्वारा जांचें की गई। इस निशुल्क चिकित्सा कैंप में पिछले कैंप की अपेक्षा ज्यादा भीड़ दिखाई दे रही थी। पिछली बार 1400 लोगों ने शिविर का लाभ उठाया था। डॉक्टरों के प्रति विश्वास भी था। जो सबसे बड़ी बात है।। इसी वजह से इस बार करीब 2000 के लगभग मरीजों ने लाभ उठाया। मरीजों के लिए माकूल व्यवस्थाएं की गई थी।साथ में सभी मरीजों को नाश्ता पानी भी कराया गया। यह कैंप सुबह 9:00 बजे से 3:00 बजे तक लगना था। लेकिन ज्यादा मरीज आने की वजह से इस कैंप को 5:00 बजे तक बड़ा दिया गया। सभी डॉक्टरों ने सेवांए दी। देसी इलाज के विशेषज्ञ पहलवान एवं वेद जी के चेम्बर्स पर सबसे ज्यादा भीड़ देखी गई। इस कैंप के लिए सांगानेर की जनता साल भर इंतजार करती है। क्योंकि यहां पर जनता के लिए मन पसन्द व्यवस्थाएं की जाती हैं। जनता का उत्साह देखते हुए ए एल मेमोरियल चैरिटेबल ट्रस्ट के डायरेक्टर अबुल हसन कागजी ने बताया कि साल में दो बार कैंप लगाने की व्यवस्थाएं की जा रही है। जिससे सांगानेर की जनता को ज्यादा से ज्यादा लाभ मिले और हमारे बाबूजी का जो सपना था जनता की सेवा करने का उसका भी हमें मौका मिलेगा। क्योंकि बाबूजी आज भी हमारे दिलों में सांगानेर की जनता के खयालों में बसे हुए हैं।

गलता गेट थाना पुलिस ने वाहन चोर सोहेल को किया गिरफ्तार

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। थाना गलता गेट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोर सोहेल को गिरफ्तार किया है। साथ ही मुल्जिम के कब्जे से एक मोटरसाइकिल भी बरामद की गई है। सोहेल पुत्र जमील खां उम्र 26 वर्ष कली का भट्टा दिल्ली बाईपास वार्ड नंबर 53 हाल लालवास निवासी है। इस बाबत 9 जुलाई 2025 को परिवादी रहमत निवासी बांस बदनपुरा ने गलता गेट थाना में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि उसकी मोटरसाइकिल 6 जुलाई 2025 को सुबह के समय पाड़ा मंडी गुलजार कॉलोनी ईदगाह जयपुर से चोरी हो गई है।

सांगानेर जोन में लगा अवैध निर्माणों का तांता

-बस एक पर हुई कार्यवाही

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर, (रॉयल पत्रिका)। सांगानेर जोन में नगर निगम की ओर से मीडिया के दबाव के चलते अवैध निर्माण के खिलाफ नोटिस जारी किए जा रहे हैं। लेकिन कार्यवाही होगी इसकी कोई गारंटी नहीं है। नोटिस, आदेश, कार्यवाहियां धरी की धरी रह जाती हैं और मंजिलें परवान चढ़ जाती हैं। अभी एक अवैध निर्माण के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की गई है। वार्ड 93 के रेगरों का छोटा मोहल्ला पहलवान वाली गली सांगानेर बाजार में स्थित एक संपत्ति को अवैध निर्माण के कारण सील कर दिया गया था। बाद में संपत्ति के मालिक पुरुषोत्तम मनवानी ने शपथ पत्र जमा कर अवैध निर्माण को हटाने का वादा किया था। इसके बाद नगर निगम ने संपत्ति को इस शर्त पर खोल दिया कि वे अवैध निर्माण को हटाएंगे। नगर निगम की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक संपत्ति के मालिक को 60 दिन के भीतर अवैध निर्माण को हटाने का निर्देश दिया गया था। लेकिन उन्होंने इसका पालन नहीं किया था। अवैध निर्माण हटाने के बजाय यहां पर निर्माण कार्य शुरू कर दिया था। इस पर नगर निगम सांगानेर जोन द्वारा एक्शन लेते हुए नोटिस जारी कर दिया गया। नगर निगम ने संपत्ति को सील करने के बाद संपत्ति के मालिक को 7 दिनों में एक लिखित अंडरटेकिंग जमा करने का निर्देश दिया है।

जिसमें वे अवैध निर्माण को हटाने का वादा करेंगे। इस मामले में आगे की कार्यवाही शपथ पत्र के पालन पर निर्भर करेगी। यदि संपत्ति के मालिक शपथ पत्र के अनुसार कार्य नहीं करते हैं तो राजस्थान नगर पालिका अधिनियम 2019 की धारा 194 (7) के तहत आगे की कार्यवाही की जा सकेगी। नगर निगम की इस कार्रवाई से सांगानेर जोन में अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान को बल मिला है। नगर निगम के अधिकारी इस तरह की कार्यवाही जारी रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ताकि सांगानेर को अवैध निर्माण से मुक्त किया जा सके। लेकिन ईमानदारी से कार्य करना बड़ा मुश्किल है। क्योंकि सांगानेर प्रताप नगर में अवैध निर्माणों का तांता लगा हुआ है। सांगानेर नगर निगम जोन से नोटिस तो जारी होते हैं, लेकिन कार्यवाही नहीं होती, नोटिस निष्क्रिय हो जाते हैं। बिना किसी अड़चन के, बिना किसी नोटिस बोर्ड के, बिना किसी आदेश के दो-दो चार-चार मंजिलें तामीर हो जाती है। इसकी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

ज़िन्दगी क्या है?

ज़िन्दगी एक जलता चिराग़ है, जो एक दिन बुझ जाएगा।
ज़िन्दगी एक जद्दोजहद है, जिस में कदम कदम पर काँटे हैं।
ज़िन्दगी खुदा तआला की एक अमानत है।
ज़िन्दगी एक फूल है और मोहब्बत उसकी खुशबू है।
ज़िन्दगी एक ऐसी शमा है जो हवा में रखी होती है।
ज़िन्दगी एक तोहफा है जो बहुत जल्द छीना जाने वाला है।
ज़िन्दगी एक जेवर है जो बहुत जल्द चोरी हो जाने वाली है।
ज़िन्दगी समन्दर की एक लहर है जो बहुत जल्द मिट जाने वाली है।
ज़िन्दगी एक हीरा है जिस को तराशना इन्सान का काम है।
ज़िन्दगी खुदा तआला की दी हुई एक नेमत है जिसका शुक्र अदा करो।
ज़िन्दगी बज़ाहिर तो बहार की तरह शादाब है, हकीकत में काँटों की तरह है।
ज़िन्दगी की मुसिबतों को हमेशा हस कर सहो।
ज़िन्दगी के हर कदम पर फूल बिखेरते जाओ एक दिन बाग बनालोगे ।
ज़िन्दगी की बुनयाद एतेमाद पर रखी जाती है।
ज़िन्दगी को बद मज़ा बनाना हो तो अपना एक मुखालिफ बना लो।
ज़िन्दगी जब रुलाये तब समझ लेना कि अच्छे काम करने का वक्त आ गया है।
ज़िन्दगी कभी-कभी ऐसी ठोकर मारती है कि इन्सान सीधा सजदे में जाकर गिर जाता है।
अल्लामा इकबाल के नज़दीक ज़िन्दगी क्या है?
बरतर अज़ सू दो जियाँ है ज़िन्दगी
है कभी जां और कभी तसलीमे जाँ है ज़िन्दगी ।
तू इसे पेमानाय इम्रोजो फरदा से नह नाप
जावदाँ पेहम दवाँ हर दम जवाँ है ज़िन्दगी
अपनी दुनिया आप पैदाकर अगर ज़िन्दगी में है
सिररे आदम है ज़मीरे कुन फिकाँ है ज़िन्दगी ।
बन्दगी में घुट के रह जाती है इक जूए कम आन
और आज़ादी में बहरे बेकराँ है ज़िन्दगी !
आशकारा है यह अपनी कुव्वते तसरवीर से
गर चेह इक मिट्टी के पेकर में निहाँ है ज़िन्दगी।
कुल जुमे हस्ती से तू उभरा है मानिन्दे हुबाब
इस जियाँ खाने में तेरा इम्तेहान है ज़िन्दगी ।
खाक है जब तक है मिट्टी का अम्बार तू
पुखता हो जाये तो है शमशीरे बे ज़िन्हार तू।

हबीबुल्ला एडवोकेट
जवाहर नगर, जयपुर

ग़ज़ल

हंसते हुए को रुलाने का हुनर आता नहीं
नेकियों के बदल नेकियां पाता नहीं
कीमती पत्थरों ने दिल मुलायम ना किया
ठोस लहजे में पुकारा मगर आता नहीं
दिल बेचारा हुआ मन ने गवारा कर लिया
नखरे से बोला क्यूं घर से मिरे जाता नहीं
दिले बेताब को तोहफा समझ के दे दिया
मैंने सुना कहता है वो दिल उसे भाता नहीं
अम्मी-अब्बा ने कहा वो इकठ्ठा कर लिया
दर्स यूं ऐसा मिला अब ज़ीस्त से जाता नहीं
मंज़िलें दिखती हैं लेकिन पास आती नहीं

तख़लीक़ :- फ़ज़लुर्रहमान
सहायक सचिव (सेवा निवृत्त)

सूचना

समाचार पत्र में प्रकाशित लेखों में लेखक के अपने विचार हैं, इनसे संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पृष्ठ एक का शेष....

प्रधानमंत्री ने भारत की राष्ट्रपति द्वारा.....

प्रधानमंत्री ने एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उनके योगदान की भी प्रशंसा की और युवा सशक्तिकरण के प्रति उनके जुनून का उल्लेख किया। उन्होंने राष्ट्रपति जी द्वारा उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर बधाई दी और उनकी नई जिम्मेदारियों के लिए शुभकामनाएं दीं।

प्रधानमंत्री ने कहा;

"सी. सदानंदन मास्टर का जीवन साहस और अन्याय के आगे झुकने से इंकार का प्रतीक है। हिंसा और धमकी राष्ट्रीय विकास के प्रति उनके जज्बे को कम नहीं कर सकी। एक शिक्षक और सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में भी उनके प्रयास सराहनीय हैं। युवा सशक्तिकरण के प्रति उनमें गहरी रुचि है। राष्ट्रपति जी द्वारा उन्हें राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर बधाई। एक सांसद के रूप में उनकी भूमिका के लिए शुभकामनाएं।"

प्रधानमंत्री ने हर्षवर्धन श्रृंगला के नामांकन पर कहा कि उन्होंने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने भारत की विदेश नीति में श्रृंगला के योगदान और भारत की जी20 अध्यक्षता में उनकी भूमिका की सराहना की। प्रधानमंत्री ने कहा कि हर्षवर्धन श्रृंगला को राज्यसभा के लिए मनोनीत किए जाने पर उन्हें खुशी है। उन्होंने विश्वा स व्यरक्त् किया कि उनकी अंतर्दृष्टि संसदीय बहसों को समृद्ध बनाएगी।

प्रधानमंत्री ने कहा;

" हर्षवर्धन श्रृंगला जी ने एक राजनयिक, बुद्धिजीवी और रणनीतिक विचारक के रूप में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। इन वर्षों में, उन्होंने भारत की विदेश नीति में महत्वपूर्ण योगदान दिया है और हमारी जी20 अध्यक्षता में भी योगदान दिया है। मुझे खुशी है कि उन्हें भारत की राष्ट्रपति द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। उनके अद्वितीय दृष्टिकोण संसदीय कार्यवाही को समृद्ध करेंगे।

प्रधानमंत्री ने डॉ. मीनाक्षी जैन के मनोयन पर टिप्पणी करते हुए कहा कि यह अत्यंत हर्ष का विषय है। उन्होंने एक विदुषी, शोधकर्ता और इतिहासकार के रूप में उनके विशिष्ट कार्य की सराहना की और शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीति विज्ञान में उनके योगदान का उल्लेख किया। उन्होंने राज्यसभा में उनके कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं दीं

प्रधानमंत्री ने कहा;

"यह अत्यंत हर्ष का विषय है कि डॉ. मीनाक्षी जैन जी को राष्ट्रपति जी द्वारा राज्यसभा के लिए मनोनीत किया गया है। उन्होंने एक विदुषी, शोधकर्ता और इतिहासकार के रूप में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। शिक्षा, साहित्य, इतिहास और राजनीति विज्ञान के क्षेत्र में उनके कार्यों ने अकादमिक विमर्श को महत्वपूर्ण रूप से समृद्ध किया है। उनके संसदीय कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं।

पृष्ठ एक का शेष....

राज्य सरकार आमजन की सेवा....

जनसुनवाई में कई सामाजिक संगठन भी हुए शामिल

मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार जरूरतमंद व्यक्ति को त्वरित सेवा और सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए जनसुनवाई जैसी व्यवस्थाएं बेहद प्रभावी साबित हो रही हैं और अधिकारी इसमें संवेदनशीलता और सक्रियता से काम करें। जनसुनवाई में प्रदेशभर से आए नागरिकों के अलावा, कई जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन भी शामिल हुए।

राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी ने लगाया हज आवेदन शिविर

-हज 2026 के लिए फार्म भरने उमड़े ख्वाहिशमंद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगंज क्षेत्र में एक बार फिर रूहानी सफर की तैयारी जोरों पर है। हज 2026 के लिए आवेदन प्रक्रिया को लेकर रविवार को राजस्थान हज वेलफेयर सोसायटी और MEEM टीम के सहयोग से एक विशेष कैंप का आयोजन किया गया। सुबह 10 बजे शुरू हुए इस कैंप में दोपहर 2 बजे तक ही 50 से अधिक फार्म भरे जा चुके थे और शाम तक ये संख्या लगातार बढ़ती रही। शिविर में आने वाले हर इच्छुक हाजी को हज फार्म भरने की प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज और आवेदन की तकनीकी जानकारी दी गई।

सोसायटी के सचिव हाजी निज़ामुद्दीन ने बताया कि - हर साल की तरह इस बार भी हज के मुकद्दस सफर पर जाने वाले लोगों की सुविधा के लिए यह कैंप लगाया गया है। हमारा प्रयास है कि किसी भी हाजी को आवेदन प्रक्रिया में कोई परेशानी न हो। इस बार का कैंप राज्य स्तरीय आयोजन के रूप में आयोजित हुआ, जिसमें MEEM संस्था के कार्यकर्ताओं ने भी कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग दिया। मोहम्मद आकिब, शहजाद, अफजल समेत कई कार्यकर्ता दिनभर शिविर में डटे रहे और आने वाले लोगों का मार्गदर्शन करते नजर आए। कुल मिलाकर रामगंज में लगे इस आवेदन कैंप ने न सिर्फ हाजियों को सहूलियत दी, बल्कि एक बार फिर यह साबित कर दिया कि सामूहिक सहयोग से बड़ा से बड़ा कार्य भी आसान हो सकता है।

रियासतकालीन परंपरा फिर जीवंत, गोविंद देवजी के भक्तों ने पाया प्रसाद

-ज्यौणार में उमड़ा जनसैलाब, भक्ति और परंपरा का अद्भुत संगम 110 साल बाद जीवंत हुई रियासतकालीन परंपरा: गोविंद की नगरी में 50 हजार भक्तों को परोसा गया भक्ति का प्रसाद

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर में रविवार का दिन भक्ति, परंपरा और भव्यता के अद्त संगम का साक्षी बना। 110 साल बाद 'ज्यौणार' की रियासतकालीन परंपरा को फिर से जीवंत किया गया। 'जयपुर की ज्योणार' के इस ऐतिहासिक आयोजन में 50 हजार से अधिक श्रद्धालुओं को दाल-बाटी-चूरमे का भक्ति प्रसाद परोसा गया। धार्मिक विरासत का यह अनुपम दृश्य सांगानेरी गेट स्थित अग्रवाल कॉलेज परिसर में देखने को मिला, जहां संत-महात्मा, समाज प्रमुख, व्यापार मंडल के प्रतिनिधि और आमजन – सभी ने साथ बैठकर प्रसाद ग्रहण किया। श्रद्धा और आस्था से भरे इस आयोजन ने पूरे शहर को भक्ति में रंग दिया। इस आयोजन की तैयारियां दो दिन पहले ही शुरू हो गई थीं। 500 हलवाइयों की टीम ने कंडों पर दिन-रात मेहनत कर तैयार किया प्रसाद 12,500 किलो आटा-बेसन, 1500 किलो दाल, 160 पीपा देसी गाय का घी, 1200 किलो मावा और शक्कर, साथ ही हजारों किलो हरी सब्जियां और

मसाले – सब कुछ शुद्धता और पारंपरिक विधि से बनाया गया। भारी बारिश की संभावना को ध्यान में रखते हुए तीन विशाल वाटरप्रूफ डोम लगाए गए — जिनमें दो डोम 330x200 फीट और एक डोम 250x50 फीट का रहा। इन डोम्स में 1000 टेबल्स की व्यवस्था की गई थी, जहां एक साथ 4000 लोग बैठकर भोजन कर सके। भोजन का समय दोपहर 12 बजे से रात 9 बजे तक निर्धारित किया गया और प्रवेश केवल कूपन धारकों के लिए रखा गया।

सुरक्षा और व्यवस्था में कोई कमी न रहे, इसके लिए
700 वेटर्स,
200 हलवाई सहायक,
100 पुलिसकर्मी,
100 प्राइवेट गार्ड,
और 500 वॉलंटियर्स लगातार सक्रिय रहे।

इस भव्य आयोजन की शुरुआत 11 जुलाई को जयपुर हेरिटेज महापौर कुसुम यादव द्वारा पूजन के साथ की गई थी। उन्होंने इसे केवल भोज नहीं, बल्कि राजस्थान सरकार की डेढ़ साल की उपलब्धियों का जनसंवाद और संस्कृति से जुड़ाव बताया। जयपुर में उमड़ा जनसैलाब, गोविंद भक्तों ने इसे भक्ति का उत्सव बताया। परंपरा और आस्था के इस महापर्व ने एक बार फिर साबित कर दिया कि जब शासन और समाज साथ खड़े हों, तो इतिहास फिर से वर्तमान बन सकता है।

मदरसों में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी जयपुर की पहल पर आओ पहचाने भारतीय संस्कृति को कार्यक्रम के द्वितीय चरण में गुरुवार को सभी मदरसों में गुरु पूर्णिमा उत्सव मनाया गया। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जैसे विद्यार्थियों के जीवन में गुरु के महत्व के बारे में बताया गया। विद्यार्थियों को गुरु दक्षिणा के महत्व के बारे में भी जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वक्ताओं ने बताया कि एक गुरु वह होता है जो धर्म, जाति, वर्ग आदि से ऊपर उठकर अपने विद्यार्थियों को शिक्षा देता है और उन्हें अंधकार से प्रकाश के मार्ग पर ले जाता है। इस प्रकार गुरु एकता एवं भाईचारे का संदेश देता है। व्यक्ति का जीवन संवारने के लिए गुरु का होना आवश्यक होता है। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी अभिषेक सिद्ध ने बताया कि जीवन के संस्कार और शिक्षा का मूल गुरु के होने से ही निर्धारित होता है। कोई भी व्यक्ति जीवन में गुरु की कृपा से ही उन्नति कर सकता है। स्वार्थी संसार में आज भी गुरु निस्वार्थ भाव से शिक्षा सभी को बांटते हैं। गुरु हमारे लिए अपना जीवन न्योछावर कर देता है, इसलिए हमारा कर्तव्य बनता है कि हम उनका सम्मान करें तथा उनका अनुसरण करें।

राजकीय अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास सफाई को तरसा, खिड़कियां टूटी हुई

जासिर पठान

जयपुर(रॉयल पत्रिका)। मानसरोवर स्थित अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास के हाल बेहाल। कई वर्षों से यह बालिका छात्रावास चल रहा है लेकिन मूलभूत सुविधाओं का यहाँ अभाव है। क़रीब 100 लड़कियां हर साल इस छात्रावास में रहती हैं लेकिन ना कोई ख़ास सफ़ाई व्यवस्था ना फ़िल्टर पानी।पूरे हॉस्टल में ना तो पानी फ़िल्टर ठीक से काम करता ना कोई ठंडे पानी की मशीन। फ़िल्टर पानी के लिए हॉस्टल की लड़कियों को भटकना पड़ रहा है। आसपास दूसरी बिल्डिंगों से लाती हैं पीने का फ़िल्टर पानी। वार्डन ने कई शिकायतों के बाद मटके रखवा दिए। अल्पसंख्यक छात्रावास की ये इमारत काफ़ी पुरानी हो चुकी है,जो अब मरम्मत माँग रही, खिड़कियां हैं टूटी हुई, हाथ धोने के लिए 100 छात्राओं के लिए एक वॉशबेसिन, गंदे बाथरूम और शोचालय, हर जगह सीलन आयी हुई। बारिश में हालात और ख़राब हो जाते हैं , सीलन की वजह से आये दिन पंखे लाइट खराब होते रहते हैं जिनको छात्राएं स्वयं अपने खर्चे से ठीक करवाती हैं , इसमें हॉस्टल प्रशासन का साफ़ इनकार रहता है। खाने की अगर बात करें तो यहाँ छात्राएँ हॉस्टल मै से ही खाना खाती हैं लेकिन हालत यह है कि कई मर्तबा खाने से लड़कियों को फूड पॉइज़निंग की शिकायत भी हुई है जिससे कई छात्राएँ कई दिनों तक अस्पताल में भर्ती रहकर आयीं हैं। मजबूरन छात्राओं को वही भोजन खाना पड़ रहा। छात्राओं द्वारा कई बार शिकायतें की गईं लेकिन कोई ख़ास सुधार प्रशासन द्वारा नहीं हो सका। हॉस्टल वार्डन द्वारा शिकायतकर्ता छात्राओं को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने की भी कई शिकायतें आई , वार्डन द्वारा धमकाया भी गया कि अगले साल एडमिशन नहीं मिलेगा। सूत्रो की माने तो वार्डन शबनम की अनुमति से करीब 2-3 लड़कियाँ अवैध बिना एडमिशन के भी हॉस्टल में रह रहीं हैं। वार्डन शबनम से जब भी छत्राओं द्वारा शिकायत की गई, भोजन और पेयजल व्यवस्था को लेकर सवाल किया उनका यही जवाब रहा के इतना ही मिलता है सरकार से इसी में गुज़ारा करो।जबकि सरकार की तरफ़ से हर सुविधा का सामान छात्राओं की संख्या के अनुसार पूरा आता है। सवाल यह है फिर भोजन की स्थिति इतनी ख़राब क्यों ? क्या कोई बड़ा घपला बीच में हो रहा है? अल्पसंख्यक विभाग जयपुर DMO जिनका ऑफिस इसी हॉस्टल के पीछे बना हुआ है जब DMO से इन सवालों को पूछा गया तो उनका कहना है कि मेरे पास कोई शिकायत छात्राओं की तरफ़ से नहीं आई।हम हर महीने इंस्पेक्शन भी करते हैं , छात्राओं से फीडबैक भी लेते हैं और वार्डन से भी पूछते रहते हैं हॉस्टल के बारे में। लेकिन क्या DMO साहब को अपने द्वारा संचालित हॉस्टल की इन तमाम असुविधाओं का पता नहीं ? या वह भी वार्डन की तरह अनजान बने हुए हैं ?

हालाकि DMO ने बताया के पानी की फ़िल्टर मशीन चल रही है लेकिन ठंडे पानी का कूलर नहीं हैं, इमारत की मरम्मत के लिए उन्होंने कोटेशन भी बना दिया और कई बार आगे पत्र भी लिखा लेकिन सरकार की तरफ़ से कोई ख़ास समाधान नहीं हो पाया। अब सवाल यह उठता है कि अल्पसंख्यक छात्रावास पर सरकार की इतनी बे-धियानी आखिर क्यों ? राजधानी में अल्पसंख्यक छात्राओं के लिए एक मात्र हॉस्टल जहाँ पूरे प्रदेश के अलग अलग ज़िलो से छात्राएँ आतीं हैं फिर उन्हें खाने, पानी और सफ़ाई जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं। इससे सरकार का रूख साफ़ नज़र अता है अल्पसंख्यक समाज के छात्रों को लेंकर।

सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश की जा रही है- मुस्लिम फोरम

-कन्हैया लाल हत्याकांड एक बार फिर सुर्खियों में
-उदयपुर फाइल्स फिल्म रिलीज़ को लेकर मुस्लिम फोरम ने जताई नाराजगी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। देश के सबसे चर्चित कन्हैयालाल हत्याकांड पर बनी मूवी 'उदयपुर फाइल्स' 11 जुलाई को रिलीज थी। इधर,रिलीज से पहले इस मूवी पर रोक लगाने को लेकर दिल्ली हाईकोर्ट में एक याचिका दायर की गई है। साथ ही सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई खारिज कर दी गई, वहीं जयपुर में फिल्म को लेकर मुस्लिम फोरम ने भी नाराजगी जताई, कहा देश का माहौल खराब करने की साजिश रची जा रही है। इस फिल्म का क्या औचित्य है, फिल्म के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बनाने के बजाय बिगाड़ने के प्रयास किए

जा रहे है। हत्याकांड के मुजरिम सलाखों के पीछे है, लेकिन विशेष समुदाय को फिल्म के माध्यम से निशाना बनाना गलत है। मुस्लिम फोरम की ओर से राज्यपाल को राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा, साथ ही राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को भी ज्ञापन दिया जाएगा। फिल्म पर रोक लगे,ताकि गंगा जमना तहज़ीब बनी रहे। हलाकि गुरुवार 10 जुलाई को दिल्ली हाईकोर्ट ने इस फिल्म की रिलीज पर रोक लगा दी है।

दिव्यांगजनों के लिए लगेगा नि:शुल्क सहायक उपकरण वितरण शिविर

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम (एलिम्को) की एडिप योजना के अंतर्गत जयपुर के रामगंज बाज़ार में दिव्यांगजनों के लिए शीघ्र एक शिविर का आयोजन किया जायेगा। जिसमें दिव्यांगजनों को नि:शुल्क सहायक उपकरण दिए जायेंगे । नि:शुल्क सहायक उपकरण प्राप्त करने के लिए दिव्यांगजनों के पास यूडीआईडी कार्ड, आधार कार्ड और आय प्रमाण पत्र/पेंशन प्रमाण पत्र होना आवश्यक है। रजिस्ट्रेशन एवं अधिक जानकारी के लिए दुकान नं. 279 रामगंज बाज़ार जयपुर पर सम्पर्क कर सकते हैं।

संपर्क: एस.पी. गुप्ता- 7891154127
मुबारक हुसैन- 7014252323

राजस्थान स्कूल शिक्षा विभाग का सबसे बड़ा दान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान के यशस्वी भामाशाह पूनमचन्द राठी, जयमलसर बीकानेर निवासी, कोलकाता प्रवासी ने अपने माँ पिताजी स्व रामीदेवी रामनारायण राठी की पुण्य स्मृति में राजकीय बालिका सैनिक विद्यालय जयमलसर के लिए एक सौ आठ करोड़(108) रूपये की संपत्ति (भूमि व भवन) शिक्षा विभाग राजस्थान को दान पत्र के माध्यम से दान किया है।

रामगंज थाना इलाके में आपसी कहासुनी ने लिया हिंसा का रूप

-सम्पूर्ण क्षेत्र में अब शांति, पुलिस का अतिरिक्त जाप्ता तैनात

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। जयपुर के रामगंज थाना इलाके में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब बाबू का टीबा मोहल्ले में एक धार्मिक कार्यक्रम के दौरान दो समुदायों के बीच कहासुनी ने उग्र रूप ले लिया ! कुछ ही मिनटों में हालात बिगड़े और दोनों पक्षों के बीच जमकर पथराव शुरू हो गया। अफरा-तफरी के माहौल में कई गाड़ियां बनी निशाना, वाहन क्षतिग्रस्त और हवा में तैरते पत्थर ! रामगंज थानाधिकारी सुभाष यादव ने जानकारी दी कि विवाद की शुरुआत एक मंदिर में चल रहे धार्मिक आयोजन के दौरान हुई। बातों-बातों में तकरार बढ़ी और फिर हिंसा में तब्दील हो गई। बस थोड़ी कहासुनी हो रही थी कि अचानक पत्थरबाजी शुरू हो गई, स्थिति पर काबू पाने के लिए पुलिस ने मौके पर मोर्चा संभाला और तुरंत कार्रवाई करते हुए करीब 8 उपद्रवियों को हिरासत में लिया। डीसीपी नॉर्थ राशि डोगरा ने कहा कि "हम CCTV फुटेज खंगाल रहे हैं, दोषी चाहे किसी भी समुदाय से हो... किसी को बख्शा नहीं जाएगा। माहौल खराब करने वाले असामाजिक तत्वों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।" फिलहाल इलाके में भारी पुलिस बल तैनात है, शांति बनी हुई है, लेकिन

प्रशासन की हर गतिविधि पर पैनी नजर है।

आगे क्या किया जाए

रामगंज क्षेत्र या कोई दूसरे क्षेत्र में किसी न किसी बात को लेकर टकराव देखने को मिल जाता है। जयपुर वैसे तो आपसी भाईचारे एवं सौहार्द के लिए पहचाना जाता है लेकिन फिर भी जयपुर में बदलाव देखा जा रहा है। इसका मुख्य कारण है कि समाज के जिम्मेदार, जिनमें समाजसेवी, व्यापारी, बुद्धिजीवी, पुलिस, पत्रकार एवं राजनेता अपनी भूमिका सही से नहीं निभा रहे हैं। पत्रकार एवं राजनेता तो ऐसी घटनाओं में अपनी जिम्मेदारी भूलकर जातिवाद और धर्म के ठेकेदार ज्यादा नजर आते हैं। पत्रकारों और मीडिया द्वारा घटना को बढ़ा चढ़ाकर बताया जाता है तो राजनीतिक मौके से कैसे फायदा उठाया जाए, को ध्यान में रखकर राजनीति करने की कोशिश करते हैं। पुलिस शांति की कोशिश करती है लेकिन सत्ता के दबाव में उसको भी एक पक्ष में झुकाव दिखाना पड़ता है। पुलिस के निष्पक्ष कार्यवाही के बाद फिर से लोगों को कानून हाथ में लेने की हिम्मत नहीं पड़ती है। ऐसी ही जयपुर के बाबू के टीबा क्षेत्र में शनिवार रात की घटना है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए क्षेत्रीय लोगों की टीमें बनाई जा सकती है। वर्तमान शांति समिति और सीएलजी की टीमों को बदलने की जरूरत है और वास्तविक लोग जो समाज में प्रभाव रखते हैं को जिम्मेदार बनाने की जरूरत है। यदि ऐसा किया गया तो भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होगी। लेकिन वास्तविक दोषियों को सजा जरुर मिलनी चाहिए जिनके कारण समाज के लोगों को अशांति रहती है।

सीएसटी टीम ने शेखर सांसी को किया गिरफ्तार

-शेखर सांसी से 53.92 ग्राम मात्रा की मादक पदार्थ स्मैक बरामद
-बरामद स्मैक की कीमत 12 लाख रुपए है

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। पुलिस आयुक्तालय की सीएसटी टीम ने पुलिस थाना मालपुरा गेट जयपुर (पूर्व) के साथ संयुक्त कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ तस्कर शेखर सांसी पुत्र राधे श्याम सांसी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 53.92 ग्राम स्मैक (थैली सहित) बरामद करने में सफलता पाई है। आरोपी मूलतः बारां जिले का निवासी है। आरोपी अवैध मादक पदार्थ स्मैक गांव लक्ष्मीपुरा खातौली से खरीद कर लाया था। आरोपी ने बताया कि वह अवैध मादक पदार्थ की एक-एक ग्राम की पुड़िया बनाकर सेक्टर 35, अक्सा मस्जिद द्रव्यवती नदी के पास बेचान करता था। आरोपी को पकड़ने में सीएसटी के कांस्टेबल आवेश दुबे व भंवरलाल की अहम भूमिका रही। बरामद की गई स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत 12 लाख रुपए आंकी जा रही है।

रामगढ़ मोड़ से गढ़ गणेश तक टूटी सड़कें, हादसों का इंतजार?

-विधायक यहां से गुजरे, लेकिन सुधार नही हुआ

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। "जयपुर का रामगढ़ मोड़... एक अहम पर्यटक और धार्मिक मार्ग... लेकिन आजकल ये रास्ता है हादसों और उपेक्षा का प्रतीक। टूटी सड़कों से परेशान आमजन सवाल कर रहे हैं – क्या अब किसी बड़े हादसे का इंतजार है?

रामगढ़ मोड़ से नहर के गणेश जी तक जाने वाले मुख्य मार्ग पर... ये रास्ता केवल आम राहगीरों का नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं और पर्यटकों का भी प्रिय मार्ग है... लेकिन पिछले 6 महीने से सड़क की हालत इतनी खराब है कि आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं... बताया जा रहा "अभी हाल ही में ई रिक्शा टूटी सड़क गड्ढे आ जाने से पलट गया था,जहां कई करीब 4 महिलाओं के चोट आ गई थी।

सड़क पर जगह-जगह गड्ढे, टूटी परतें, और बहता पानी... ये हाल है उस मार्ग का जो हर दिन हजारों लोगों को नहर के गणेश जी और गढ़ गणेश मंदिर तक लेकर जाता है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि उन्होंने कई बार शिकायत की, यहां तक कि विधायक बालमुकुंदाचार्य जी भी हाल ही में इसी मार्ग से गुज़रे, लेकिन सुधार की बजाय केवल आश्वाशन ही मिले। विधायक जी तो कल ही निकले थे यहां से... हमने खुद बताया कि सड़क का क्या हाल है... पर अभी तक कोई सुनवाई नहीं हुई। जिस रास्ते पर रोज श्रद्धालु आते हैं, वहां ये हालात सवाल खड़े करते हैं – क्या प्रशासन को किसी बड़े हादसे का इंतजार है?

'शराब हटाओ – समाज बचाओ' की गूंज

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजधानी जयपुर में छोटी चौपड़ एक बार फिर सुर्खियों में है। वजह है गोविंद राव के रास्ते पर स्थित शराब का ठेका। मंदिर के पास चल रहे इस ठेके को हटाने की मांग को लेकर स्थानीय लोग बीते दो महीने से लगातार प्रदर्शन कर रहे है। शराब ठेके के खिलाफ स्थानीय लोगों का यह आंदोलन अब दो महीने पार कर चुका है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि यह ठेका मंदिर के नजदीक स्थित है, और यहां से गुजरना खासतौर से महिलाओं के लिए मुश्किल हो गया है। शराब के नशे में धुत लोग सड़कों पर पड़े रहते हैं, जिससे श्रद्धालुओं को भारी परेशानी होती है। हमने कई बार शिकायत की, पर कोई सुनवाई नहीं हो रही। जब तक ठेका नहीं हटेगा, हमारा विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने आबकारी विभाग, प्रशासन और शासन को कई बार ज्ञापन दिए, लेकिन कार्रवाई शून्य रही। लोगों

की मांग है कि धार्मिक स्थलों के पास ऐसे ठेके बंद किए जाएं ताकि महिलाओं और श्रद्धालुओं को सम्मानजनक वातावरण मिल सके।

रॉयल पत्रिका को पेमेंट करने का तरीका

रॉयल पत्रिका में भुगतान नकद या चेक द्वारा रॉयल पत्रिका के पंजाब नेशनल बैंक, त्रिपोलिया बाजार, जयपुर के खाता संख्या 1939002100241695 में या पंजाब नेशनल बैंक की किसी भी नजदीकी शाखा में जमा करवा सकते हैं अथवा IFSC Code PUNB0193900 पर भी भुगतान नेट बैंकिंग के द्वारा कर सकते हैं। आपके सहयोग के लिए धन्यवाद।
-संपादक

Scan Here

रॉयल पत्रिका

संपादकीय...

क्या अमेरिका को पीछे छोड़ चुका है चीन ?

अमेरिका के दूसरी बार राष्ट्रपति बने डोनाल्ड ट्रंप कभी टेरिफ़ को लेकर, कभी परमाणु बम बनाने को लेकर तो कभी युद्ध रोकने को लेकर, विश्व के देशों को आए दिन धमकी देते रहते हैं, दूसरी तरफ अमेरिका पर कर्ज का बोझ बढ़ता जा रहा है। अमेरिका का व्यापार दिनों दिन घटता जा रहा है। अमेरिका की आमदनी का सबसे बड़ा कारोबार हथियार निर्यात तेजी से कम हो रहा है। रूस, चीन, भारत, फ्रांस, तुर्कीए एवं ईरान हथियार निर्यात दूसरे देशों को करके अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करने में लगे हैं। अमेरिका का निर्यात अब नाटो देशों ताइवान, सऊदी अरब, दक्षिण कोरिया एवं इसराइल तक सिमट गया है। इसराइल और यूक्रेन को बेचे गए हथियारों का खर्चा भी अमेरिका को उठाना पड़ रहा है, क्योंकि युद्ध के कारण इसराइल और यूक्रेन का दीवाला निकल चुका है। ऐसी स्थिति में इजरायल और यूक्रेन की जंग अमेरिका की गले की हड्डी बन गई है, जिसको चाहते हुए वह बंद भी नहीं कर सकता है और ना ही युद्ध में तेजी ला सकता है। जहां भी युद्ध दो देशों के बीच चल रहे हैं, वहां चीन अमेरिका के विरुद्ध देशों की सहायता कर रहा है। चीन ईरान और रूस की तिगड़ी अमेरिका के खिलाफ विश्व में अमेरिका के खिलाफ अभियान चला रहे हैं। नतीजन जहां भी युद्ध चल रहे हैं अमेरिका पक्ष की पराजय दिखाई दे रही है । हमेशा युद्ध और आक्रमण की धमकी देने वाला अमेरिका युद्ध और आक्रमण से पीछे हटता दिखाई दे रहा है। पहले अमेरिका पर कोई भी देश आक्रमण या बदले में आक्रमण की हिम्मत नहीं करता था। लेकिन ईरान ने अमेरिका का भ्रम तोड़कर अमेरिकी हमले के बदले पलटवार किया और अमेरिकी सैन्य अड्डों को मिसाइलो से उड़ा दिया। ईरानी पलटवार से अमेरिका में बड़ी घबराहट देखी गई और इजरायल ईरान युद्ध में इसराइल को धमका कर युद्ध बंद करवा दिया। जहां-जहां अमेरिका हस्तक्षेप करता है, वहीं चीन उसके विरुद्ध देश की सहायता करता है। रूस यूक्रेन युद्ध में भी अमेरिका को पराजय ही मिल रही है। चीन रूस की खुलकर सहायता कर रहा है । चीन ताइवान के मामले में भी अमेरिका के सामने झुकने के लिए तैयार नहीं है। दूसरी तरफ चीन अपनी नेवी, थल सेना और एयरफोर्स को तेजी से मजबूत कर रहा है। माना जाता है कि चीन ने सातवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान तैयार कर लिए हैं। यदि युद्ध हुआ तो चीन के इन विमानो का अमेरिका के पास कोई तोड़ नहीं है। चीन अपने परमाणु जखीरे को भी तेजी से बढ़ा रहा है। चीन का व्यापार भी अमेरिका की तुलना में तेजी से बढ़ रहा है। माना जा रहा है कि 2028-29 तक चीन आर्थिक शक्ति के मामले में अमेरिका से आगे होगा। अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भी चीन का दखल बढ़ रहा है, जबकि अमेरिका के राष्ट्रपति अपनी मनमानी पर उतर आए हैं। भारत जैसे मित्र देश जो अमेरिका के लिए काफी अहम है, अमेरिका के राष्ट्रपति बेइज्जत करने से बाज नहीं आते हैं। जबकि चीन अमेरिका को नुकसान पहुंचाने का कहीं भी अवसर नहीं छोड़ता है। फिर भी अमेरिका चीन से प्रत्यक्ष टकराव से बचता रहता है। विश्व में हर स्तर पर चीन अमेरिका से भारी पड़ता दिखाई दे रहा है। तकनीकी विकास एवं रिसर्च के मामले में भी चीन अमेरिका से आगे है, इसलिए कहा जा सकता है कि चीन वर्तमान में विश्व की सुपर पावर है और अमेरिका अब सुपर पावर के नाम से सिर्फ भ्रम है।

देश के विभिन्न शहरों में धार्मिक पलायन की समस्या

धार्मिक पलायन" का मतलब है, धार्मिक कारणों से किसी स्थान को छोड़ना या किसी दूसरी जगह पर जाकर बसना। यह तब होता है जब लोग किसी विशेष धर्म या धार्मिक प्रथाओं के कारण उत्पीड़न, भेदभाव या किसी अन्य प्रतिकूल परिस्थिति का सामना करते हैं, जिसके कारण उन्हें अपना घर छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ता है। लोकतंत्र में, क्षेत्र विशेष के राजनीतिक नेता वोटरों के ध्रुवीकरण की दृष्टि से पलायन का माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाते हैं। धार्मिक आधार पर यह समस्या धीरे-धीरे पूरे देश में कमोबेश फैल रही है। धार्मिक पलायन के पीछे बहुत से कारण हो सकते हैं। प्रमुख कारणों में -

धार्मिक उत्पीड़न: धार्मिक विश्वासों या प्रथाओं के कारण लोगों को प्रताड़ित किया जाता है, या उनके साथ भेदभाव किया जाता है।

धार्मिक असहिष्णुता: एक समुदाय या समाज में एक विशेष धर्म के प्रति असहिष्णुता का भाव होता है, जिससे उस धर्म के अनुयायियों के लिए जीवनयापन करना मुश्किल हो जाता है।

धार्मिक संघर्ष: विभिन्न धार्मिक समूहों के बीच संघर्ष या दंगों की स्थिति में, लोग पलायन करने को मजबूर हो सकते हैं।

रोजगार-आपदा: जब स्थानीय स्तर पर विशेष वर्ग के विरुद्ध आर्थिक बहिष्कार किया जाता है या प्राकृतिक अथवा अन्य कारणों से रोजगार के अवसर ना रहें तब रोजगार की तलाश में या प्राकृतिक विपदा की स्थिति में भी पलायन होता है, किन्तु यह धार्मिक पलायन नहीं कहलाता।

देश के विभिन्न क्षेत्रों में धार्मिक कारणों से पलायन की घटनाएं विगत वर्षों में तेजी से बढ़ी हैं, जिसके पीछे राजनीतिक कारणों से इन्कार नहीं किया जा सकता। इसी प्रकार राजस्थान भी, इस समस्या से अछूता नहीं रहा। राजस्थान में धर्म आधारित जनगणना वर्ष 2011 अनुसार कुल 6.85 करोड़ की जनसंख्या में से हिन्द धर्म को मानने वाले 88.49 प्रतिशत, इस्लाम धर्मावलंबी 9.07% सिख धर्म के अनुयाई 1.27% जैन धर्म को मानने वाले 0.91% ईसाई धर्म के लोग 0.14% बुद्ध धर्म के 0.02% और अन्य 0.01 प्रतिशत लोग थे। स्पष्ट है राज्य में अल्पसंख्यकों की जनसंख्या बहुत थोड़ी-सी है।

विगत वर्षों में एक राजनेता की बात करें तो उनके द्वारा जयपुर जैसे साम्प्रदायिक सौहार्द के शहर में माहौल को खराब करने की कई घटनाएं सामने आई हैं, उनके विरुद्ध कानूनी कार्रवाई भी हुई है किन्तु राजनैतिक संरक्षण और विधायिकी के कारण निरन्तर विरोध के बावजूद शहर के माहौल को बिगाड़ने का प्रयास किया गया है। शहर के साम्प्रदायिक माहौल जो सदियों से बना हुआ है और आपसी भाईचारे की मिसाल रहा है और आज भी है, इस सौहार्दपूर्ण वातावरण को दूषित करने के प्रयास शहर में होने लगे हैं। किन्तु स्थानीय लोगों की समझ, प्रशासन की सजगता से साम्प्रदायिक सौहार्द को कई मौकों पर बिगड़ने से बचाया जा सका है।

जयपुर शहर के कई क्षेत्रों में धार्मिक पलायन की घटनाएं हुई हैं, जिसके तहत मोहल्लेवासियों के मकानों पर इश्तहार लगाया गया, पुलिस कार्यवाही भी की गई। सबसे दुःखद बात यह हुई कि इन सब में साम्प्रदायिकता आ गई। यानि सम्पत्ति एक वर्ग विशेष को नहीं बेचने देंगे और कई संगठन खड़े हो गये कि वर्ग विशेष के लोगों को मकान नहीं बेचने देंगे और अल्पसंख्यकों को नहीं खरीदने देंगे। यूट्यूब पर कई वीडियो इस संबंध में देखे जा सकते हैं और समाचार-पत्रों में भी पलायन को लेकर बहुत कुछ लिखा गया। सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि इन सब में भी वर्ग विशेष ही को नाना प्रकार से दोषी करार दिया गया। जबकि प्रशासन ने सभी शिकायतों को निराधार बताया या जांच करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि शिकायतों में धर्म विशेष के लड़कों द्वारा लड़कियों से छेड़छाड़, गाड़ी-बाइक पार्किंग, शोर-शराबा जैसे आरोप प्रमुख रुप से लगाये जाते रहे हैं। एक ओर आरोप यह भी लगाया जाता रहा है कि वर्ग विशेष के लोगों की संख्या बढ़ जाने से उनका जीवन दूभर हो जाएगा, बकरी पालन के कारण परेशानियां होंगी आदि आदि। वस्तुत: जनसंख्या वृद्धि के कारण अल्पसंख्यक समुदाय के लोग बाजार भाव अनुसार या उच्च भावों पर मकान क्रय करने में रुचि रखते हैं और सम्पत्ति बेचने वाले अन्य धर्म के होने की स्थिति में राजनीतिक लाभ उठाने के लिए, वोटरों के ध्रुवीकरण करने के लिए पार्टी विशेष के राजनेता/संगठन द्वारा तनाव की स्थिति पैदा कर दी जाती है। एमएलए/पार्षद और राजनीतिक लोग इन मुद्दों को हवा देते हैं, घबराहट और असुरक्षा का माहौल बनता है। शहर की शांति प्रभावित होती है। जयपुर शहर के एक राजनेता एमएलए जब से एमएलए बने हैं, तभी से अपने पांच-दस लोगों को लेकर मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में निकल जाते हैं और लोगों की भीड़ इकट्ठी कर के धर्म विशेष के विरुद्ध माहौल बनाकर राजनीतिक लाभ उठाने का प्रयास करते हैं। उनके द्वारा अब तक कितने ही ऐसे काम किए गये, जो राष्ट्रीय स्तर पर भी समाचार-पत्रों, मीडिया में आ गए। उल्लेखनीय है कि जो काम प्रशासन का है वह स्वयं लोकसेवक को हाथ में नहीं लेना चाहिए और प्रशासन से करवाया जाना चाहिए। कोई काम गैर-कानूनी हो, लोगों की असुविधा का कारण हो, प्रशासनिक व्यवस्था का हो या अन्य जन हितकारी काम हो, जन प्रतिनिधियों को प्रशासन से करवाना चाहिए ना कि स्वयं मौके पर भीड़ जुटाकर माहौल बनाकर, धर्म विशेष के लोगों को प्रताड़ित, अपमानित किया जाना चाहिए। जन प्रतिनिधि सब जनता का होता है, एक एमएलए किसी क्षेत्र विशेष के सभी वर्गों का संवैधानिक रुप से जन प्रतिनिधि होता है, सभी धर्मों के लोगों का होता है, उसे सभी क्षेत्रवासियों की सुविधा देखनी चाहिए तभी सर्वाधिक विकास होता है और ऐसा राजनेता अत्यंत लोकप्रिय होता है।

विगत वर्षों में या यूं कहें कि वर्ष 2014 से देश की नई सरकार के गठन पश्चात भारतीय राजनीति में नये दौर का आगाज हुआ और धर्म की राजनीति का भी नया दौर शुरू हुआ। सभी जानते हैं कि धर्म विशेष के विरुद्ध बोलने से राजनीति में उच्च आयाम प्राप्त होते हैं, जिसके कई परिणाम सामने हैं। संभवतः इस बात को समझकर ही जयपुर और राज्य में कुछ लोगों द्वारा माहौल में साम्प्रदायिकता का ज़हर घोलने वाली साजिश का प्रयास समय-समय पर चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए किया जाता है। यह समाज और राष्ट्र के हित में नहीं है। अपने राज्य के शहर के क्षेत्र के सभी पार्टियों के राजनेताओं से अपील करते हैं कि बच्चों के स्कूलों में उनकी पढ़ाई पर ध्यान देवें, टूटी-फूटी सड़कें ठीक करावें, नवयुवकों के लिए रोजगार की व्यवस्था करावें। आम जन के लिए अच्छी गुणवत्ता पूर्ण स्वास्थ, चिकित्सा की आवश्यकता पूर्ति करावें। सुदृढ़ राष्ट्र निर्माण करावें। राज्य साम्प्रदायिकता की दृष्टि से शान्त और सौहार्द के वातावरण का बना रहे इस दिशा में कार्य करें। एमएलए को यह समझना चाहिए और राजनीतिक रुप से सौहार्दपूर्ण वातावरण बनाना चाहिए, जयपुर टूरिस्ट स्पॉट है और विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त है। यदि जयपुर में साम्प्रदायिकता बढ़ती है तो पर्यटन पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। जिससे यहां के घरेलू उद्योगों पर भी प्रतिकूल प्रभाव होगा और बेरोज़गारी बढ़ेगी।

-फ़ज़लुर्रहमान

पुण्यतिथि पर विशेष....

बैगम अनीस किदवई जिनकी देशभक्ति के महात्मा गांधी भी मुरीद थे

बैगम अनीस किदवई का जन्म 1906 में बाराबंकी, संयुक्त प्रांत आगरा और अवध के एक देशभक्त और रूढ़िवादी परिवार में हुआ था, जिसे किदवई परिवार के नाम से जाना जाता था। उनके पिता, विलायत अली एक प्रमुख वकील थे, जो स्थानीय अखबारों में हास्य स्तंभ लिखते थे। अनीस एक स्व-शिक्षित छात्रा थीं। अपने भाइयों को पढ़ाने वाले ट्यूटर्स से सुनकर वह उर्दू और अंग्रेजी साहित्य में पारंगत हो गईं। अपने पिता की मृत्यु के बाद, उन्हें पर्दे के पीछे जीवन जीने के लिए विवश होना पड़ा , जब भारत के स्वतंत्रता संग्राम में अंतिम प्रयासों ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में अधिक भागीदारी का अवसर दिया।

अनीस ने 1920 में शफी अहमद किदवई से शादी की और उनके साथ पहले इलाहाबाद में और फिर दूसरे शहरों में रहीं, जहाँ भी उनके पति की नौकरी उन्हें ले गई। उनके पति के भाई रफी अहमद किदवई एक बड़े स्वतंत्रता सेनानी थे और अपनी सक्रियता के लिए उन्हें अक्सर जेल जाना पड़ता था, और शफी और अनीस सहित उनके परिवार को इसके लिए नियमित रूप से राजनीतिक उत्पीड़न का सामना करना पड़ता था। अपने आधिकारिक राजनीतिक जीवन की शुरुआत से पहले, अनीस ने 1921 से 1923 तक महिला कांग्रेस समिति की सचिव के रूप में कार्य किया।

अक्टूबर 1947 में, एक क्रूर सांप्रदायिक हमले में उनके पति की हत्या कर दी गई, और इसने अनीस को एक कार्यकर्ता और लेखिका के रूप में स्थापित कर दिया। उन्होंने बुर्का पहनना छोड़ दिया और गांधी और उनके आंदोलन को अपना समर्थन देने के लिए दिल्ली आ गईं। दिल्ली आने के बाद ही गांधी ने उन्हें दूसरों की मदद पर ध्यान केंद्रित करने का सुझाव दिया। कुछ ही महीनों में, सुभद्रा जोशी के साथ मिलकर, अनीस ने आज़ादी के बाद हुए सांप्रदायिक नरसंहार के पीड़ितों की मदद की, और मृदुला साराभाई के साथ मिलकर उन्होंने अपहृत महिलाओं की बरामदगी में मदद की।

अनीस किदवई का राजनीतिक जीवन आंशिक रूप से उनके बहनोई रफ़ी की 24 अक्टूबर 1954 को मृत्यु के कारण शुरू हुआ। उनकी मृत्यु के कुछ समय बाद, कांग्रेस ने 'परिवार' को राज्यसभा की एक सीट देने की पेशकश की। हालाँकि रफ़ी और शफ़ी के छोटे भाई महफ़ूज़ इस पद को संभाल सकते थे, लेकिन उन्होंने अनीस को उम्मीदवार बनाने का अनुरोध किया। अनीस किदवई ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की ओर से बिहार से राज्यसभा के लिए दो कार्यकाल, 1956 से 1962 तक और फिर 1962 से 1968 तक, संसद सदस्य के रूप में कार्य किया। वे 2 अप्रैल 1968 को सेवानिवृत्त हुईं।

अपने कार्यकाल के दौरान,

उन्होंने सावित्री देवी निगम, डॉ. सीता परमानंद और सुभद्रा जोशी जैसी अन्य महिला सांसदों के साथ कार्यवाही में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने सावित्री देवी द्वारा प्रस्तुत महिला उत्पीड़न दंड विधेयक, 1958 के पक्ष में बात की, जो अंततः निरस्त हो गया और फिर कभी नहीं लिया गया।

1961 में, वह जवाहरलाल नेहरू द्वारा मुस्लिम पर्सनल लॉ में संभावित सुधारों पर विचार करने के लिए गठित छह सदस्यीय संसदीय समिति की एकमात्र महिला सदस्य थीं , जिसे लगभग तुरंत ही भंग कर दिया गया था, क्योंकि इसकी पहली ही बैठक में मुस्लिम सांसदों और मंत्रियों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया था।

1973 में, उनकी बेटी की कई वर्षों तक रुमेटिक हृदय रोग से जूझने के बाद मृत्यु हो गई।

अनीस किदवई का 16 जुलाई 1982 को निधन हो गया, वे अपने पीछे एक बेटी और दो बेटे - सीमा, परवेज़ और कमाल की छोड़ गई।

इमाम हुसैन शहीदे कर्बला का पैगाम !

इमाम हुसैन रसूले पाक के नवासे और सय्येदना अली और सय्येदा फातिमा बिन्ते रसूलुल्लाह के दूसरे साहिबजादे हैं। आपका बचपन रसूले खुदा की गोद में परवान चढ़ा और रसूले खुदा ने अपनी गोद में बिठा कर इस्लाम की पाकीजा तालीम आपको बक्शी, इमाम हुसैन ने अपने नाना जान की पैगम्बरना तालीम से अपने आप को मुकम्मल सवारा जब इमाम की उमर 8, 9. साल थी, तब पैगम्बरे खुदा ने पर्दा फरमा दिया। बाकी आपकी पूरी तालीम व तरबियत हज़रते अली शेरे खुदा की निगरानी में हुई। सन, 60 हि, में अमीरे मुआविया सहाबीये रसूल का अचानक इन्तकाल हो गया। बाज मुनाफिक यहूदियों ने साजिश करके यज़ीद पलीद को खलीफा बना दिया। जो अमीरे मुआविया का बदनसीब और नालायक बेटा था। ये पहला शख्स था जिसने नमाजों को तरक किया, और शराब नोशी व बदकारी और नाच गाना आम कर दिया। ये वो बुरे काम हैं जो इस्लाम में सख्त हराम हैं। इमाम हुसैन पाक ने यज़ीद को खलीफा मानने से इन्कार किया और फरमाया कि जो शख्स शराबी कबाबी बद किरदार हो वो इस्लाम का रहबर बनने का हकदार नहीं। इमाम हुसैन अपने घर वालों को लेकर कूफियों की दावत पर शहरे कूफा गए। ताकि यज़ीद से बातचीत करके उसको सीधे रास्ता पर लाया जाए। मगर यजीद के नापाक मुशिरों ने यजीद को जंग पर आमादा किया। यजीद ने 22 हजार का लश्कर इमाम साहिब के मुकाबला में कूफा रवाना किया। इमाम हुसैन का जंग का कतई इरादा नहीं था। बल्कि यज़ीद पलीद को सीधे रास्ते पर लाना मकसद था। ताकि वो शराब व कबाब से तौबा करके सीधी राह पर आ जाए। मगर वो बद नसीब शख्स इमाम हुसैन पाक का फरमान सुनने के लिये तैयार नहीं हुआ और जंग पर आमादा हो गया। इमाम हुसैन ने दुनिया को इस जंग में ये पैगाम दिया कि जालिम हाकिम और बद किरदार शख्स हुकमरानी का अहल नहीं। इंसान अपनी जान कुर्बान कर दे । मगर जालिम व जाबिर के आगे हरगिज़ ना झुके, वर्ना इंसानियत व शराफत तबाह हो जाएगी। ये पैगामे जिदगी देकर इमाम हुसैन नवासए रसूल ने 10, मोहर्रम 61, हिजरी को कर्बला में अपना घराना कुर्बान करवा दिया। सच्चाई और हक की खातिर जीना इस्लाम का पैगाम है। और यही मेअराजे जिदंगी है।

मुफ्ती शेर मो. खान
(मुफ्ती-ए-राजस्थान)

मुसलमानों के लिए सफाई क्यूँ ज़रूरी है

हम ये सब जानते हैं कि बहैसियत मुसलमान अल्लाह तआला ने हम सबको अपनी इबादत के लिए पैदा किया है, जैसा कि अल्लाह तआला क़ुरआन में भी फ़रमाता है:

"और मैंने जिन्नों और इंसानों को सिर्फ़ अपनी इबादत के लिए पैदा किया है।"

अब यहां सवाल ये उठता है कि अगर मुसलमान हर वक़्त इबादत में मसरूफ़ रहेंगे तो दुनियावी ऐतबार से पीछे रह जाएंगे, और पीछे रहना तो छोड़िए, वो खुद अपनी ज़ाती ज़िंदगी में भी बहुत से कामों में पीछे रह जाएंगे।

लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है।

क्योंकि इबादत कहते हैं अपनी ज़िंदगी को अल्लाह सुब्हानहु तआला के बताए हुए अहकामात पर गुज़ारना — इसी को इबादत कहते हैं।

और इबादत में सबसे पहले जो ज़रूरी है और फ़र्ज़ है — वो है पाकी (साफ़-सुथराई)।

इसमें सबसे पहले है — अपना ईमान पाक हो।

वो कैसे पाक होगा?

वो तब होगा जब इस दिल में अल्लाह पर ईमान, उसका डर, और उसके आख़िरी पैगम्बर की मोहब्बत होगी।

उसके बाद आता है — जिस्म का पाक होना, जिसमें हमें ग़ुस्ल सिखाया गया है।

नहाते तो सब हैं, लेकिन इस्लाम ने हमें ग़ुस्ल का भी तरीक़ा सिखाया है।

कपड़ों का पाक रहना, घर को साफ़ रखना — ये सब भी हमें सिखाया गया है।

और हम ये सब करते भी हैं — अल्हम्दुलिल्लाह।

लेकिन एक ऐसी ग़लती है जो हम में से अक्सर लोग करते हैं —

वो कौन सी?

वो है अपने घर के सामने, अपनी गली और मोहल्लों को साफ़ न रखना।

जैसे कि आख़िरी पैगम्बर की हदीस है: "ईमान का सबसे नीचला दर्जा यह है कि रास्ते से तकलीफ़ देने वाली चीज़ को हटा दिया जाए।" (सहीह मुस्लिम 35)

अब मुझे आप बताइये, अगर हम अपने घर के बाहर साफ़-सफ़ाई नहीं रखते, अपने मोहल्लों को साफ़ नहीं रखते — तो वो कचरा, हमारे मोहल्ले या गली से गुज़रने वालों के लिए तकलीफ़ का सबब बनेगा।

बहैसियत मुसलमान —

हम ना तो किसी इंसान की तकलीफ़ का सबब बन सकते हैं, बल्कि हमें तो उसकी तकलीफ़ भी दूर करनी चाहिए।

ये बहुत छोटी-छोटी बातें हैं जिन पर हम ग़ौर नहीं करते।

आज मुसलमानों के मोहल्लों का हाल हम सब जानते हैं।

लोगों से सुनने को मिलता है —

और अपने ही लोगों के मुँह से सुनने को मिलता है कि:

"अगर सबसे ज़्यादा कहीं गंदगी रहती है, तो वो मुसलमानों का मोहल्ला है।"

होना तो ये चाहिए कि

हम जिस तरह से अपने घर को, अपने जिस्म को,

अपने ईमान को साफ़ रखते हैं —

ठीक उसी तरह हम अपने मोहल्लों को भी साफ़ रखें।

और जब कोई भी हमारा ग़ैर-मुस्लिम भाई हमारी गली या मोहल्ले से गुज़रे —

तो उसको एक बेहतरीन पैग़ाम जाए इस्लाम का और यहां के मुसलमानों का।

अल्लाह तआला हम सबको अपने हिफ़्ज़ व ईमान में रखे। (आमीन)

मोहम्मद सोहेल

रोज़ी की चिंता: एक सोचने वाला पैग़ाम

आज हर इंसान को एक बात बेहद परेशान करती है — और वो है रोज़ी की चिंता। चाहे कोई अमीर हो या ग़रीब, हर कोई या तो कमी से डरता है या फिर अपने पास मौजूद माल के खो जाने से। लेकिन क़ुरआन और हदीस की रौशनी में जब हम इसे समझते हैं, तो हमें मालूम होता है कि असल में चिंता का नहीं, तवक़्कुल (भरोसे) का रास्ता अपनाना चाहिए।

क़ुरआन में अल्लाह तआला इरशाद फ़रमाता है (सूरह अज़-ज़ुख़रुफ़ 43:33-35) कि अगर यह डर न होता कि लोग काफ़िर बन जाएँगे, तो अल्लाह कुफ़्र करने वालों के लिए उनके घरों की छतें, सीढ़ियाँ और ज़ेवर सोने-चाँदी के बना देता। लेकिन यह सब दुनिया का फ़ानी सामान है — असल इनाम तो आख़िरत में है, जो अल्लाह से डरने वालों के लिए है।

आज हम यह नहीं सोचते कि जो कुछ हमारे पास है, वो भी अल्लाह की नेमत है। जब हम अपनी सेहत और वक़्त को बर्बाद करते हैं, तो एक बड़ी दौलत खो देते हैं — जैसा कि आया है:

"दो नेमतें ऐसी हैं जिन्हें लोग अक्सर ज़ाया कर देते हैं — एक सेहत और दूसरी वक़्त।"

दुनिया की चमक दमक के पीछे भागते हुए हम यह भूल जाते हैं कि असली मक़सद आख़िरत की तैयारी है। आख़िरी पैग़म्बर का वाक्या है की वो एक मर्तबा अपने साथियों के साथ गुजर रहे थे तभी उनकी नज़र मरे हुए बकरी के बच्चे नज़र पड़ी तो उन्होंने इस की मिसाल दी और फ़रमाया कि दुनिया की हैसियत अल्लाह के नज़दीक इससे भी कमतर है।

हमेशा यह बात याद रखिए:

"मोमिन के लिए दुनिया एक क़ैद है और काफ़िर के लिए जन्नत।"

जो तकलीफ़ें रास्ते में आती हैं, वो इस बात का सबूत हैं कि आप जन्नत की तरफ़ बढ़ रहे हैं। अल्लाह ने जन्नत को मुसीबतों से और जहन्नम को ख्वाहिशों से ढक रखा है। यानी जिस राह में सब कुछ आसान हो, वो जरूरी नहीं कि सही हो।

क़ुरआन हमें चेतावनी देता है (सूरह आला 87:16-17):

"बल्कि तुम दुनिया को तरजीह देते हो, जब कि आख़िरत बेहतर और हमेशा रहने वाली है।"

क़यामत के दिन एक झलक जहन्नम की — सारी दुनिया की लज़्ज़तें भुला देगी, और एक झलक जन्नत की — सारी तकलीफ़ें भुला देगी । यही हमारे ग़म और खुशी की असल हैसियत है।

रोज़ी की फिक्र छोड़ो, मेहनत और हलाल का रास्ता अपनाओ। तवक़्कुल रखो, आख़िरत की तैयारी करो, और अल्लाह पर यक़ीन रखो — क्योंकि रोज़ी देने वाला वही है, और कामयाबी भी उसी के पास है।

जन्मदिन पर विशेष.....

भारत रत्न: अरुणा आसफ अली, आजादी के आंदोलन की प्रमुख सेनानी

अरुणा आसफ अली एक प्रमुख भारतीय स्वतंत्रता सेनानी थीं जिन्होंने देश की आजादी के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनका जन्म 16 जुलाई 1909 को पंजाब के कालका में हुआ था, और उनके बचपन का नाम अरुणा गांगुली था। उनके पिता उपेंद्रनाथ गांगुली एक रेस्टोरेंट के मालिक थे, और उनकी माता अम्बालिका देवी त्रिलोकनाथ सान्याल की बेटी थीं।

शिक्षा और करियर

अरुणा आसफ अली ने अपनी शिक्षा लाहौर के सेक्रेड हार्ट कान्वेंट और नैनीताल के ऑल सेंट्स कॉलेज से प्राप्त की। ग्रेजुएशन के बाद, उन्होंने कलकत्ता के गोखले मेमोरियल स्कूल में पढ़ाना शुरू किया, जहां उनकी मुलाकात आसफ अली से हुई, जो बाद में उनके पति बने ।

स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान:

अरुणा आसफ अली ने महात्मा गांधी के नमक सत्याग्रह में सक्रिय रूप से भाग लिया और कई बार जेल गईं। 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में, उन्होंने मुंबई के गोवालीया टैंक मैदान में तिरंगा झंडा फहराकर अंग्रेजों को देश छोड़ने की चुनौती दी। वह लगभग तीन वर्ष तक भूमिगत रहीं और ब्रिटिश हुकूमत के खिलाफ स्वतंत्रता आंदोलन जारी रखा ।

पुरस्कार और सम्मान

अरुणा आसफ अली को उनके योगदान के लिए कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, जिनमें 1964 में अंतरराष्ट्रीय लेनिन पुरस्कार, 1991 के जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार, 1992 के पद्म विभूषण ओर मरणोपरांत 1997 में भारत रत्न से नवाजा गया।

अरुणा आसफ अली का निधन 29

जुलाई 1996 को नई दिल्ली में 87 वर्ष की आयु में हुआ था। उनके योगदान और कार्यों के लिए उन्हें स्वतंत्रता संग्राम की 'ग्रैंड ओल्ड लेडी' के रूप में याद किया जाता है।

पुण्यतिथि पर विशेष....

बेगम जीनत महल-एक बहादुर, निडर और देशभक्त मुगल रानी

जीनत महल का जन्म 1823 ईस्वी में हुआ था। वह मुगल सम्राट बहादुर शाह जफर द्वितीय की बेगम थी वह एक बहादुर व देशभक्त महिला थी। उन्होंने दिल्ली और आसपास के क्षेत्रों के भारत की स्वतंत्रता के लिए समर्पित योद्धाओं को अंग्रेजी हुकूमत के विरुद्ध संगठित कर अपने देश प्रेम का बहुत परिचय दिया था। सन 1857 की क्रांति के समय बेगम जीनत महल ने बहादुर शाह जफर को प्रोत्साहित करते हुए कहा था कि यह समय गजलें कहकर दिल बहलाने का नहीं है बल्कि देशभक्त सैनिकों को साथ देने वह बढ़ावा देने का समय है, सारे हिंदुस्तान की नजरें दिल्ली और बादशाह की ओर लगी है यदि खानदान-ए-मुगलिया का खून हिंद को गुलाम होने देगा तो इतिहास में कभी हमे माफ नहीं करेगा। इससे उनकी देशप्रेम वह देशभक्ति के जुनून का पता चलता है। बहादुर शाह जफर द्वितीय के शासन काल के समय उन्हें राज्य संरक्षक भी कहा जाता है। अंततः जब अंग्रेजों ने 1858 ईस्वी में बहादुर शाह जफर द्वितीय की बादशाहत खत्म की तो बेगम जीनत महल भी उनके साथ निर्वासित जीवन जीने के लिए रंगून

(बर्मा) चली गई जहां 17 जुलाई 1886 को उनका इंतकाल हो गया रंगून में आज भी बादशाह बहादुर शाह जफर व बेगम जीनत महल की दरगाह मौजूद है।

मुस्लिम रिश्ते

रॉयल पत्रिका साप्ताहिक में मुस्लिम रिश्तों में विज्ञापन देने हेतु संपर्क करें -

मोबाइल: 9772552446, 9799559096

मुस्लिम पठान खूबसूरत लड़की 33/154 सेमी./एम.ए. (इंग्लिश लिटरेचर)/ प्राइवेट कम्पनी में कार्यरत/ दीनी तालीम याफ़्ता, घर के कामों में दक्ष। वालिद प्राइवेट कम्पनी से रिटायर्ड, जयपुर की प्रतिष्ठित फैमिली। सुयोग्य पढ़ा-लिखा, सर्विस क्लास/ बिजनेसमेन लड़का चाहिए। इच्छुक संपर्क करें- 9672079550

Sunni Muslim Girl 32/5.3"/B. Tech in Electronics & Communications/Working in Semi Govt. Deptt./Deeni Taleem yafta/Homely girl. Father retd. from Indian Railway. Well educated and reputed family of Jaipur. Need religious, well educated and settled boy from well reputed family. Contact: 9828453954

Muslim Qureshi Caste Girl 34/5.6"/ Ph.D (Business Management)/MBA (HR & Marketing)/At present an Assistant Professor/Namazi and well versed in Quran. Jaipur based reputed family. Father Businessman. Seeking an educated Sunni Muslim religious boy from reputed family. Interested person contact: 9314966151

चूरू (राजस्थान) निवासी सुन्नी मुस्लिम पठान खान, दीनी तालीम याफ़्ता लड़की 24/5.2"/ एम एस सी (फिजिक्स)/ रंग फेयर, बैंक एग्जाम की तैयारी कर रही है, हेतु सुयोग्य पढ़े - लिखे, सेटल्ड मुस्लिम युवक को प्राथमिकता । इच्छुक व्यक्ति संपर्क करे - मोबाइल: 97851 62654

30/5.3"/ पोस्ट ग्रेजुएट व 27/5.3"/ ग्रेजुएट / दीनी तालीम याफ़्ता, नमाज़ी/ जयपुर निवासी रेप्यूटेड फैमिली। दोनों बैंक में कार्यरत मुस्लिम सैयद युवकों के लिए खूबसूरत, ग्रेजुएट , घर के काम में दक्ष अच्छे घराने की लड़कियां चाहिए। इच्छुक व्यक्ति लड़कियों का बायो डाटा व्हाट्सएप्प करें - 97995 59096

सैयद मुस्लिम युवती 23/5.5"/ बी ए/खूबसूरत, गृह कार्य में दक्ष व दीनी तालीम याफ़्ता सवाई माधोपुर की प्रतिष्ठित फैमिली हेतु खूबसूरत, दीनदार, नौकरीपेशा/बिजनेसमैन प्रतिष्ठित फैमिली के युवक की आवश्यकता है । संपर्क करें - +91 96369 22143

29 Years Old MBBA Doctor, Working in Dehli ,

Kota Based Family,Needs MBBS Girls. Contact - 9829068455

Kota Based, 31/5.3/B.tech, PG Diploma in Banking, MBA in Finance, BSTC, Experience 3 years in ICICI Bank [Special Officar], Sunni Muslim Rangrez Girl. Father - Princeipal, Mother- House Wife, One Younger brothers. Required Educated, Honest life Partner Contact – 9829068455

राजस्थान उच्च न्यायालय कार्यालय चपरासी भर्ती- 2025 ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान उच्च न्यायालय भर्ती 2025 में कार्यालय चपरासी के 5670 पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 10वीं पास उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 27-06-2025 को शुरू होगा और 26-07-2025 को बंद होगा। उम्मीदवार राजस्थान उच्च न्यायालय की वेबसाइट hcraj.nic.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आयु सीमा :
(01.01.2026 को 18 से 40 वर्ष) [आरक्षित उम्मीदवारों के लिए छूट लागू है]: 02.01.1986 से पहले और 01.01.2008 के बाद न जन्मे हों (दोनों तिथियां सम्मिलित हैं)

योग्यता:
मैट्रिकुलेशन (10वीं) उत्तीर्ण + राजस्थानी संस्कृति का ज्ञान।

फीस:
सामान्य उम्मीदवारों के लिए 650/- रुपये, ओबीसी (नॉन क्रीमी लेयर)/ईडब्ल्यूएस उम्मीदवारों के लिए 550/- रुपये और एससी/एसटी/पीडब्ल्यूडी उम्मीदवारों के लिए 450/- रुपये। फीस का भुगतान डेबिट कार्ड/क्रेडिट कार्ड/नेट बैंकिंग/यूपीआई के माध्यम से ऑनलाइन किया जाना चाहिए।

चयन प्रक्रिया:
राजस्थान उच्च न्यायालय (HCRAJ) भर्ती 2025 में चपरासी के पदों के लिए चयन नीचे दिए गए आधार पर किया जाएगा:
लिखित परीक्षा
साक्षात्कार
दस्तावेज़ सत्यापन
चिकित्सा परीक्षण
वेतनमान: रु. 17700 – रु. 56200/-

महत्वपूर्ण तिथियां:
प्रारंभ तिथि: 27.06.2025
समापन तिथि: 26.07.2025 (अपराह्न 05:00 बजे तक)
भुगतान की अंतिम तिथि: 27.07.2025

आवेदन कैसे करें:
योग्य/इच्छुक उम्मीदवार 27.06.2025 से 26.07.2025 तक - 05:00 बजे तक नीचे दिए गए लिंक का उपयोग करके आवेदन कर सकते हैं।

डीएलजे डीआरडीओ पेड इंटर्नशिप भर्ती 2025 - 20 पदों के लिए ऑफलाइन आवेदन करें

रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (DLJ DRDO) ने पेड इंटर्नशिप के 20 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। बी.टेक/बीई, एम.एससी, एमई/एम.टेक डिग्री धारक उम्मीदवार ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑफलाइन आवेदन 09-07-2025 से शुरू होकर 21-07-2025 तक चलेगा। उम्मीदवार DLJ DRDO की वेबसाइट drdo.gov.in के माध्यम से ऑफलाइन आवेदन कर सकते हैं।

पद का नाम :
डीएलजे डीआरडीओ पेड इंटर्नशिप ऑफलाइन फॉर्म 2025
कुल रिक्ति : 20
आवेदन शुल्क
उल्लेख नहीं है

महत्वपूर्ण तिथियां
आवेदन करने की प्रारंभिक तिथि: 09-07-2025
आवेदन करने की अंतिम तिथि: 21-07-2025

आयु सीमा
अधिकतम आयु सीमा: 28 वर्ष से कम
आयु में छूट नियमानुसार लागू होगी।

योग्यता
किसी मान्यता प्राप्त भारतीय विश्वविद्यालय/संस्थान से संबंधित विषय में इंजीनियरिंग और विज्ञान में स्नातक/स्नातकोत्तर, पूर्णकालिक पाठ्यक्रम (केवल अंतिम वर्ष के छात्र)।

वेतन
मासिक वजीफा (रु. में): 5,000/- प्रति माह

संक्षिप्त जानकारी:
रक्षा प्रयोगशाला जोधपुर (DLJ DRDO) ने सशुल्क इंटर्नशिप रिक्तियों की भर्ती के लिए एक अधिसूचना जारी की है। योग्य उम्मीदवार जो रिक्तियों के विवरण में रुचि रखते हैं और सभी पात्रता मानदंडों को पूरा करते हैं, वे अधिसूचना पढ़कर आवेदन कर सकते हैं।

RSSB लैब अटेंडेंट भर्ती 2025 - 54 पदों के लिए ऑनलाइन आवेदन करें

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड (RSSB) ने लैब अटेंडेंट के 54 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। अन्य योग्यता वाले उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। ऑनलाइन आवेदन 11-07-2025 से शुरू होकर 09-08-2025 तक चलेगा। उम्मीदवार RSSB की वेबसाइट rssb.rajasthan.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 09 अगस्त 2025 तक

योग्यता
लैब अटेंडेंट की इस नई भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से सैकेण्डरी (10वीं) या इसके समकक्ष परीक्षा में पास होना चाहिए। इसके अलावा उम्मीदवारों को देवनागरी लिपि में लिखी हिंदी में कार्य करने का ज्ञान एंव राजस्थान की संस्कृति की नॉलेज होनी भी जरूरी है। अन्य योग्यताओं में अभ्यर्थी को अच्छे मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य का होना चाहिए।

एज लिमिट
आयुसीमा-1 जनवरी 2026 को अभ्यर्थियों की न्यूनतम उम्र 18 वर्ष पूरी होनी चाहिए। वहीं अधिकतम उम्र 40 वर्ष पूरी नहीं की हो। आरक्षित वर्ग के उम्मीदवारों को नियमानुसार ऊपरी उम्र में छूट मिलेगी।

सैलरी-
लैब अटेंडेंट के पद पर चयनित अभ्यर्थियों को राज्य सरकार द्वारा सातवें वेतनमान के अनुसार पे मैट्रिक्स लेवल-1 के मुताबिक सैलरी दी जाएगी। परिवीक्षा काल में मासिक नियत पारिश्रामिक राज्य सरकार के आदेशानुसार देय होगा।

चयन प्रक्रिया-
लिखित परीक्षा, डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन, मेडिकल आदि चरणों के जरिए अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा।

आवेदन शुल्क-
इस भर्ती का फॉर्म भरने के लिए उम्मीदवारों को सामान्य वर्ग व क्रीमीलेयर के अन्य पिछड़ा वर्ग/अति पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों को 600 रुपये आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं ओबीसी/अति पिछड़ा वर्ग और ईडब्ल्यूएस अभ्यर्थियों को 400 रुपये एप्लीकेशन फीस देनी होगी। सभी दिव्यांगजन अभ्यर्थियों को 400 रुपये का भुगतान करना होगा।
आवेदन समाप्त होने के बाद बोर्ड द्वारा इन पदों पर लिखित परीक्षा की तारीखें घोषित की जाएगी। राजस्थान की इस भर्ती से जुड़ी अन्य किसी भी जानकारी के लिए अभ्यर्थी राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट विजिट कर सकते हैं।

बैंक ऑफ बड़ौदा में 2500 पदों पर भर्ती

बैंक ऑफ बड़ौदा ने लोकल बैंक ऑफिसर के 2500 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार बैंक की ऑफिशियल वेबसाइट www.bankofbaroda.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।
सिलेक्ट किए गए उम्मीदवारों को नियुक्ति के बाद न्यूनतम 3 वर्षों की सेवा देना जरूरी होगा। इसके लिए उन्हें पांच लाख रुपए का एक बॉन्ड भरना होगा।
यदि कोई उम्मीदवार इस निर्धारित सेवा अवधि से पहले इस्तीफा देता है या अनुबंध की शर्तों का पालन नहीं करता है तो उसे यह राशि बैंक को चुकानी होगी।
यह शर्त बैंक द्वारा दी जाने वाली ट्रेनिंग, संसाधनों और भर्ती प्रक्रिया की लागत को ध्यान में रखते हुए लागू की गई है।

आवेदन शुरू :
04 जुलाई से 24 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
ग्रेजुएशन की डिग्री
एक साल का अनुभव
स्थानीय भाषा की जानकारी

एज लिमिट :
न्यूनतम : 21 साल
अधिकतम : 30 साल
एससी, एसटी : अधिकतम उम्र में 5 साल की छूट
ओबीसी : 3 साल की छूट

सैलरी :
48,480 से 85,920 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस :
ऑनलाइन परीक्षा
साइकोमेट्रिक टेस्ट
लैंग्वेज प्रोफिशिएंसी टेस्ट
ग्रुप डिस्कशन या इंटरव्यू

फीस :
सामान्य, ईडब्ल्यूएस, ओबीसी : 850 रुपए
एससी, एसटी, दिव्यांग : 175 रुपए

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट bankofbaroda.in पर जाएं।

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती का नोटिफिकेशन जारी

इंडियन एयरफोर्स में अग्निवीर वायु भर्ती के लिए नोटिफिकेशन जारी किया है। इस भर्ती के लिए आवेदन की शुरुआत 11 जुलाई से होगी। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाकर आवेदन कर सकेंगे। इस भर्ती के लिए परीक्षा की तारीख 25 सितंबर 2025 तय की गई है। अग्निवीर वायु का कार्यकाल 4 साल है। इस भर्ती में सेवा निधि योजना के अनुसार लगभग 10.08 लाख मिलेंगे। यह भर्ती अविवाहित महिला और पुरुषों के लिए होगी।

आवेदन शुरू :
11 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
इंटरमीडिएट (12वीं) गणित, भौतिकी और अंग्रेजी में मिनिमम 50% नंबरों के साथ
या मिनिमम 50% अंकों के साथ मैकेनिकल / इलेक्ट्रिकल / इलेक्ट्रॉनिक्स / ऑटोमोबाइल / कंप्यूटर साइंस / इंस्ट्रूमेंटेशन टेक्नोलॉजी /आईटी में **इंजीनियरिंग का 3 वर्षीय डिप्लोमा**
या किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड से भौतिकी और गणित के साथ 2 साल का वोकेशनल कोर्स जिसमें कुल 50% अंक और अंग्रेजी में 50% अंक हों।

एज लिमिट :
17.5-21 साल
आयु 1 जनवरी 2005 से 1 जनवरी 2008 के बीच होनी चाहिए।
आयु में छूट इंडियन एयरफोर्स अग्निवीर वायु इंटेक 1/2026 के नियमानुसार दी जाएगी।

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट agnipathvayu.cdac.in पर जाएं।
न्यू रजिस्ट्रेशन लिंक पर क्लिक करें।

खान साहब के यहां पर डीप फ्रीजर और रेफ्रिजरेटर के टेक्नीशियन स्टाफ की जरूरत है
जिनका काम आता है उनको प्राथमिकता दी जाएगी
सैलरी : 15 से ₹25000 तक
जॉब लोकेशन : जयपुर
कॉल करें @ इरफ़ान अख्तर 9828733222
यह जॉब निशुल्क है अगर आप में से कोई भी शख्स इस जॉब के लिए कोई स्टाफ रेफर करते हैं तो आपको लिमरा फाउंडेशन की तरफ से तोहफा अदा किया जाएगा

PGIMER चंडीगढ़ ने 114 पदों पर निकाली भर्ती; एज लिमिट 35 साल

PGIMER चंडीगढ़ ने ग्रुप बी और सी के 100 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। इस भर्ती के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

आवेदन शुरू:
04 जुलाई से 04 अगस्त 2025 तक

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
पद के अनुसार 12वीं पास, बीएससी नर्सिंग की डिग्री, 1 साल का अनुभव, एलएलबी के साथ 3 साल का अनुभव, ग्रेजुएशन की डिग्री

एज लिमिट :
न्यूनतम : 18 साल
अधिकतम : 35 साल

सिलेक्शन प्रोसेस :
रिटन एग्जाम
इंटरव्यू
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन

सैलरी :
35,400 - 1,42,400 रुपए प्रतिमाह

फीस :
जनरल, ओबीसी, ईडब्ल्यूएस : 1500 रुपए
एससी, एसटी : 800 रुपए
दिव्यांग : नि:शुल्क

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट cdn.digialm.com पर जाएं।
होम पेज पर अप्लाई ऑनलाइन लिंक पर क्लिक करें।
जरूरी डिटेल्स दर्ज करें।
मांगे गए डॉक्यूमेंट्स अपलोड करें।
फॉर्म सब्मिट करके फीस जमा करें।
इसका प्रिंटआउट लेकर रखें।

प्रशासनिक सेवाओं की तैयारी कैसे करें?

(पिछले अंक से जारी....)
oनकारात्मक अंकन से बचने के लिए सटीकता पर ध्यान दें (कम से कम 70-80% सटीकता का लक्ष्य रखें)।
टिप: टेस्ट के बाद गलत प्रश्नों के लिए अलग नोट्स बनाएँ और संबंधित विषय दोहराएँ।
8. हिंदी माध्यम के लिए विशेष रणनीति
•भाषा और शब्दावली:
oयूपीएससी प्रश्नपत्रों की हिंदी सरल और स्पष्ट होती है, लेकिन तकनीकी शब्दावली (जैसे, संविधान, नीति, जैव-विविधता) सीखें।
oसामान्य अध्ययन की शब्दावली के लिए ग्लॉसरी बनाएँ (जैसे, मौलिक अधिकार = Fundamental Rights, सतत विकास = Sustainable Development)।
•संसाधन:
oहिंदी में विश्वसनीय स्रोतों पर ध्यान दें: दृष्टि आईएएस, विजन आईएएस, योजन पत्रिका।
oऑनलाइन संसाधन: दृष्टि आईएएस यूट्यूब, Unacademy हिंदी, StudyIQ हिंदी।
•प्रश्नों का अभ्यास:
oहिंदी में प्रश्नपत्रों का अभ्यास करें ताकि प्रश्नों की भाषा और प्रारूप से परिचित हों।
oअनुवाद गलतियों से बचने के लिए प्रश्नों को ध्यान से पढ़ें।
9. समय प्रबंधन और अनुशासन
•रणनीति:
oरोज़ाना 6-8 घंटे पढ़ाई करें; शुरुआती 2 घंटे समसामयिक घटनाओं और संशोधन के लिए रखें।
oप्रत्येक विषय को सप्ताह में कम से कम एक बार कवर करें।
oछोटे-छोटे लक्ष्य बनाएँ (जैसे, प्रति सप्ताह 2 अध्याय, 1 टेस्ट)।
oविचलन से बचने के लिए सोशल मीडिया और अनावश्यक गतिविधियों को सीमित करें।
टिप: एक डायरी बनाएँ और दैनिक प्रगति नोट करें।
10. स्वास्थ्य और मानसिक संतुलन
•महत्व: लंबी और कठिन तैयारी के लिए शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आवश्यक है।
•रणनीति:
oरोज़ाना 15-30 मिनट व्यायाम, योग, या ध्यान करें।
o7-8 घंटे की नींद लें।
oतनाव प्रबंधन के लिए प्रेरक कहानियाँ (जैसे, यूपीएससी टॉपर्स के साक्षात्कार) पढ़ें/देखें।
oसप्ताह में एक दिन हल्की गतिविधियों (जैसे, दोस्तों से बात, फिल्म) के लिए रखें।
टिप: दृष्टि आईएएस या अन्य यूट्यूब चैनलों पर हिंदी में टॉपर्स के अनुभव देखें।
11. ऑनलाइन और ऑफलाइन संसाधन
•ऑनलाइन:
oदृष्टि आईएएस: हिंदी में नोट्स, वीडियो, और टेस्ट सीरीज़।
oविजन आईएएस: मासिक समसामयिक पत्रिका और टेस्ट।
oPIB और संसद टीवी: सरकारी योजनाओं और नीतियों के लिए।
oयूट्यूब चैनल: StudyIQ, Unacademy, Drishti IAS (हिंदी में व्याख्यान)।
•ऑफलाइन:
oकोचिंग संस्थान: दृष्टि आईएएस, चाणक्य IAS (हिंदी माध्यम में उपलब्ध)।
oपुस्तकालय: एनसीईआरटी और मानक पुस्तकों के लिए।
टिप: मुफ्त संसाधनों का अधिकतम उपयोग करें, लेकिन विश्वसनीयता की जाँच करें।
12. अंतिम 2 महीनों की रणनीति
•संशोधन:
oनोट्स और फ्लैशकार्ड का 3-4 बार संशोधन करें।
oप्रत्येक विषय के लिए महत्वपूर्ण तथ्य (जैसे, अनुच्छेद, योजनाएँ, तारीखें) याद करें।
•मॉक टेस्ट:
oप्रति सप्ताह 2-3 पूर्ण मॉक टेस्ट दें।
oसमय प्रबंधन का अभ्यास करें (2 घंटे में 100 प्रश्न)।
oसटीकता बढ़ाने के लिए केवल सुनिश्चित उत्तरों का चयन करें।
•समसामयिक घटनाएँ:
oपिछले 12 महीनों की समसामयिक घटनाओं पर ध्यान दें।
oयोजन और कुरुक्षेत्र की विशेष संस्करण पढ़ें।
टिप: परीक्षा से 1 सप्ताह पहले केवल संशोधन और हल्का अभ्यास करें।
नमूना साप्ताहिक योजना (पहले 3 महीने)
दिन सुबह (6:00-9:00 AM)
दोपहर (10:00 AM-1:00 PM)
शाम (2:00-5:00 PM)रात (8:00-10:00 PM)
सोमवार समाचार पत्र, नोट्स इतिहास (एनसीईआरटी) राजव्यवस्था (लक्ष्मीकांत) संशोधन, नोट्स
मंगलवार समाचार पत्र, नोट्स भूगोल (एनसीईआरटी) अर्थशास्त्र (रमेश सिंह) मॉक टेस्ट (इतिहास)
बुधवार समाचार पत्र, नोट्स इतिहास (बिपिन चंद्र) पर्यावरण (शंकर IAS) संशोधन, नोट्स
गुरुवार समाचार पत्र, नोट्स भूगोल (माजिद हुसैन) राजव्यवस्था (लक्ष्मीकांत) मॉक टेस्ट (भूगोल)
शुक्रवार समाचार पत्र, नोट्स अर्थशास्त्र (एनसीईआरटी) विज्ञान (एनसीईआरटी) संशोधन, नोट्स
शनिवार समाचार पत्र, नोट्स पर्यावरण (शंकर IAS) समसामयिक घटनाएँ मॉक टेस्ट (पूर्ण)
रविवार संशोधन (पिछला सप्ताह) मॉक टेस्ट विश्लेषण कमजोर विषयों पर काम हल्का संशोधन, विश्राम
अंतिम सलाह
•नियमितता: रोज़ाना पढ़ाई करें, भले ही कम समय हो।
•आत्मविश्वास: छोटे लक्ष्यों से शुरू करें और धीरे-धीरे प्रगति करें।
•संसाधनों का चयन: बहुत सारी पुस्तकों से बचें; एक पुस्तक को बार-बार दोहराएँ।
•आधिकारिक स्रोत: नवीनतम अधिसूचना और सिलेबस के लिए upsc.gov.in की जाँच करें।
•प्रेरणा: यूपीएससी टॉपर्स के हिंदी साक्षात्कार (दृष्टि आईएएस यूट्यूब) देखें।
•सटीकता: नकारात्मक अंकन से बचने के लिए सुनिश्चित उत्तरों पर ध्यान दें।
अनुशासित और समर्पित तैयारी के साथ, प्रीलिम्स में सफलता प्राप्त कर सकते हैं।

डॉ. एम . ए. खान
प्रोफेसर (भूगोल)

मानसून में इम्युनिटी बढ़ाने के लिए हल्दी का पानी बेहतर या अदरक का पानी

-जानें किसे पीने से मिलेगा ज्यादा फायदा

बारिश का मौसम आते ही वातावरण में नमी बढ़ जाती है, जिससे बैक्टीरिया और वायरस पनपने लगते हैं। इस वजह से सर्दी-जुकाम, बुखार, पेट में इन्फेक्शन, खांसी जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं। ऐसे में शरीर की इम्युनिटी मजबूत रखना बहुत जरूरी हो जाता है ताकि शरीर इन मौसमी बीमारियों से बच सके। भारत में घर-घर में दादी-नानी के नुस्खों में हल्दी का पानी और अदरक का पानी बेहद प्रचलित हैं। दोनों ही चीजें अपनी औषधीय गुणों के कारण जानी जाती हैं, लेकिन अक्सर लोगों के मन में सवाल होता है कि मानसून में किसका पानी पीना ज्यादा फायदेमंद रहेगा?
आइए दोनों के फायदों और सावधानियों पर विस्तार से जानते हैं:

हल्दी का पानी पीने के फायदे
इम्युनिटी बूस्टर:
हल्दी में करक्यूमिन नाम का कंपाउंड होता है जो शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाता है। यह वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करता है और मानसून में होने वाले सर्दी-जुकाम और फ्लू से बचाता है।
एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण:
हल्दी प्राकृतिक एंटी-इंफ्लेमेटरी है, जो शरीर में किसी भी प्रकार की सूजन को कम करने में मदद करती है। बारिश में जोड़ों के दर्द और सूजन की समस्या होने पर हल्दी का पानी फायदेमंद होता है।
पाचन शक्ति को बढ़ाना:
मानसून में पाचन से जुड़ी समस्याएं आम रहती हैं। हल्दी का पानी पीने से पाचन में सुधार होता है और पेट साफ रहने में मदद मिलती है।
एंटीऑक्सीडेंट का खजाना:
हल्दी में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट शरीर में फ्री रेडिकल्स को कम करने में मदद करते हैं, जिससे स्किन और बाल भी हेल्दी रहते हैं।
अदरक का पानी पीने के फायदे
सर्दी-जुकाम में असरदार:
अदरक का पानी गले में जमा बलगम को साफ करता है और खांसी, गले में खराश और सर्दी में राहत दिलाता है। मानसून में अक्सर गले में खराश की समस्या रहती है, ऐसे में अदरक का पानी राहत देता है।
इम्युनिटी मजबूत बनाता है:
अदरक में एंटीवायरल और एंटीबैक्टीरियल गुण होते हैं, जो मानसून में वायरल इंफेक्शन से बचाने में मदद करते हैं।
पाचन में मददगार:
मानसून में पाचन कमजोर हो जाता है, अदरक का पानी पाचन एंजाइम को एक्टिव कर पेट की गैस, अपच और कब्ज की समस्या को दूर करने में मदद करता है।
सूजन को कम करता है:
अदरक में जिंजेरॉल नाम का कंपाउंड होता है जो शरीर की सूजन को कम करने में मदद करता है और मांसपेशियों के दर्द में राहत दिलाता है।

किसे पीने से ज्यादा फायदा मिलेगा?
इम्युनिटी के लिए:
हल्दी का पानी इम्युनिटी मजबूत करने में लंबी अवधि में ज्यादा असरदार है। अगर आप रोज सुबह हल्दी का पानी पीने की आदत बना लेते हैं, तो मानसून में शरीर में वायरस और बैक्टीरिया से लड़ने की ताकत बढ़ जाती है।
गले और सर्दी-जुकाम में राहत के लिए:
अदरक का पानी ज्यादा असरदार रहेगा। अगर आपको खांसी या गले में खराश है, तो अदरक का गर्म पानी पीने से तुरंत राहत मिलेगी।
पाचन और पेट की समस्या में:
अदरक का पानी पेट की समस्याओं में ज्यादा प्रभावी साबित होता है, जबकि हल्दी का पानी भी हल्की गैस और अपच में मदद करता है।
दर्द और सूजन में:
दोनों ही पानी फायदेमंद हैं, लेकिन हल्दी का पानी जोड़ों के दर्द में ज्यादा राहत देता है, जबकि अदरक का पानी मांसपेशियों की ऐंठन और दर्द में राहत देता है।

कैसे बनाएं हल्दी और अदरक का पानी?
हल्दी का पानी:
एक गिलास गर्म पानी में आधा चम्मच हल्दी पाउडर डालें। चाहें तो आधा चम्मच शहद और एक चुटकी काली मिर्च भी मिला सकते हैं। इसे सुबह खाली पेट या रात को सोने से पहले पी सकते हैं।
अदरक का पानी:
एक गिलास पानी में 1 इंच अदरक कद्दकस करके उबालें। 5-7 मिनट उबालने के बाद गुनगुना करके इसमें शहद मिला लें। इसे सुबह या शाम के समय पी सकते हैं।
कौन नहीं पिए?
हल्दी का पानी: पित्त की पथरी या ब्लीडिंग डिसऑर्डर वालों को डॉक्टर की सलाह लेकर ही पीना चाहिए।
ज्यादा मात्रा में पीने से पेट में जलन हो सकती है।
अदरक का पानी:
ब्लड प्रेशर की दवा लेने वालों को सावधानी से लेना चाहिए।
पेट में एसिडिटी होने पर ज्यादा मात्रा में अदरक का पानी लेने से जलन बढ़ सकती है।

आवश्यकता

हेल्पर स्टाफ की जरूरत है जिन्हें लोहे का काम आता हो या पावर प्रेस का काम आता हो कांटेक्ट करें: +919001876353 सैलरी काम देखने के बाद में डिसाइड की जाएगी ! इदरीश अहमद साहब ईदगाह दिल्ली रोड जयपुर

वॉटर R O और एयर कंडीशनर इंस्टॉलेशन / के लिए स्टाफ की जरूरत है जिस स्टाफ को काम आता है वहीं स्टाफ अप्लाई करें जॉब लोकेशन : सोडाला, सी स्कीम जयपुर सैलरी : 16 से ₹25,000 तक कॉल @ HR इरफान अख्तर 9828 733 222

हैंडीक्राफ्ट फैक्ट्री के लिए हैंडीक्राफ्ट कर्मी (हैंडीक्राफ्ट आर्टिस्ट) की जरूरत है जिनको हैंडीक्राफ्ट का पूरा काम आता हो! सैलरी : ₹ 20K से ₹30,000 तक @ HR इरफान अख्तर 9828733222

ज्वेलरी केड डिजाइनर डिजाइनर टीचर की जरूरत है : स्टाफ चाहे तो पार्ट टाइम या फुल टाइम दोनों ही कर सकते हैं जॉब लोकेशन : चार दरवाजा & आदर्श नगर Call at HR 98287-33222

Need A Digital Marketing Expert Staff (SEO + Google + Meta Ads + Shopify + Wordpress) Salary 35K to 50K At Tonk Road - Jaipur HR @ 98287-33222 Limra Foundation

राजा पार्क में Alibaba.com Executive और फोटोग्राफर की जरूरत है ! जॉब लोकेशन : राजा पार्क कांटेक्ट करें! 9828733222

कोई मुस्लिम बहन जो कि बीमार है जिन्हें पैरालिसिस है , उनकी देखभाल में खिदमत करने के लिए समझदार बहन की जरूरत है सैलरी : 5K से ₹ 8,000 तक दिन के महज़ 4 से 5 घंटे निकालने हैं जॉब लोकेशन हांडी पुरा मोहल्ला, आमेर जयपुर कॉल करे - इरफ़ान अख्तर 98287 - 33222

रेलवे में अप्रेंटिस के 374 पदों पर निकली भर्ती; 10वीं पास को मौका

भारतीय रेलवे ने बनारस लोकोमोटिव वर्क्स के लिए 374 पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

आवेदन शुरू :
05 जुलाई से 05 अगस्त 2025 तक

वैकेंसी डिटेल्स :
बनारस लोको मोटिव वर्क्स आईटीआई : 300
बनारस लोको मोटिव वर्क्स नॉन आईटीआई : 74
कुल पदों की संख्या : 374

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन :
आईटीआई : 10वीं पास, संबंधित ट्रेड में ITI सर्टिफिकेट प्राप्त
नॉन आईटीआई : न्यूनतम 50% अंकों के साथ 10वीं पास

एज लिमिट :
नॉन आईटीआई : अधिकतम 22 साल
आईटीआई : अधिकतम 24 साल

फीस :
एससी, एसटी, पीएच, महिला : नि:शुल्क
अन्य : 100 रुपए
स्टाइपेंड : रेलवे बोर्ड/लेबर मिनिस्ट्री इंस्ट्रक्शन के अनुसार

सिलेक्शन प्रोसेस :
मेरिट बेसिस पर
डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन
मेडिकल टेस्ट

ऐसे करें आवेदन :
ऑफिशियल वेबसाइट apprenticeblw.in पर जाएं।

बारां के लईक व आरज़ू की खिदमत का जज्बा वाकई काबिल-ए-तारीफ

बारां, (रॉयल पत्रिका)। हज खिदमतगार के रूप में पिछले पांच सालों से जयपुर व नई दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हाजियों की हज पर जाने वाली फ्लाइट और हज का सफर मुकम्मल करके वापस लौटने वाली सभी फ्लाइट्स के हाजियों को रिसीव करने बारां के मियां-बीवी लईक अहमद अंसारी और आरज़ू अंसारी एयरपोर्ट पर मौजूद रहते हैं। हज के फार्म भरने से लेकर हज टीकाकरण, हाजियों के लिए तरबियती कैंप सहित विभिन्न आयोजनों में स्टेट हज कमेटी के पूर्व सदस्य प्रमुख समाजसेवी हाजी मोहम्मद अशफाक के साथ हमेशा उपस्थित रहकर खिदमत को अंजाम देते हैं। बारां जिले सहित विभिन्न जिलों के हाजियों के जयपुर हज हाउस में पहुंचने से लेकर हज कमेटी द्वारा बसों के माध्यम से जयपुर इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पहुंचने पर हाजियों के बेग उठाना, हाजियों को डॉक्यूमेंट की पूरी जानकारी देना, मक्का और मदीना में काम आने वाले कागजों को सही से बतलाना सहित विभिन्न कामों को अंजाम देते है। जब तक हाजियों की आखिरी फ्लाईट रवाना न हो जाए तब तक वहीं रहते हैं। इनके कार्य की सराहना करते हुए स्टेट हज कमेटी राजस्थान के पूर्व सदस्य हाजी मोहम्मद अशफाक ने कहा कि इन मियां-बीवी की खिदमत का जज्बा वाकई काबिल-ए-तारीफ है।

एसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स (चेएर कोटा) की गतिविधियों की जानकारी व सिलाई मशीन वितरण

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। ऐसोसिएशन ऑफ मुस्लिम प्रोफेशनल्स चेप्टर कोटा की जानिब से रविवार को सुबह 10:30 बजे विज्ञान नगर कोटा स्थित एक निजी संस्थान में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसकी अध्यक्षता रिज़वान ज़ेड, डायरेक्टर आदर्श प्रापर्टी एण्ड कोलोनाइज़र ने की। शहर क़ाज़ी कोटा जनाब ज़ुबैर अहमद साहब कार्यक्रम के मुख्य अतिथि थे। अन्य अतिथियों ने लियाकत हुसैन अंसारी अध्यक्ष पंचायत अंसारियान समिति कोटा, हकीम बख्श अध्यक्ष डॉ. ज़ाकिर हुसैन एजूकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी, शाहिद मुल्तानी, चेयरमैन मदरसा बोर्ड कोटा, इंजीनियर सलामत अली ने भी शिरकत की।

संस्था के मीडिया प्रभारी रिज़वानुद्दीन अंसारी के अनुसार एएमपी कोटा संभाग के क्लस्टर हेड इंजीनियर सिराज अहमद अंसारी ने एएमपी संस्था द्वारा चलाई जा रही योजनाओं और गतिविधियों की जानकारी दी ।

AMP ज़क़ात फंड के ज़रिए कोटा शहर से चुनी गई 4 ज़रुरतमंद महिलाओं को शहर क़ाज़ी जुबेर अहमद के हाथों से सिलाई मशीन सुपुर्द की गई और क़ाज़ी-ए-शहर कोटा ने AMP द्वारा चलाई जा रही योजनाओं को समाज के लिए बेहतर बताया और AMP के ज़क़ात के transparent (पारदर्शी) सिस्टम की तारीफ की ।

AMP कोटा चैप्टर के ज़रिए अभी तक तकरीबन ढाई लाख रुपए की मदद जरूरतमंदों को की जा चुकी है ।

AMP की वेबसाइट और एंड्रॉयड APP के ज़रिए कोई भी जरूरतमंद अपनी एप्लिकेशन लगा सकता है, और पढ़ाई, रोज़गार और गंभीर बीमारी के लिए मदद ले सकता है।

रविवार को आयोजित हुए इस प्रोग्राम को कामयाबी के साथ अंजाम देने के लिए AMP टीम के अब्दुल मजीद अंसारी, अनवार अहमद, अशफाक अहमद, मास्टर अब्दुल करीम, मेहमूद अली ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रोग्राम के अन्त में AMP कोटा के चेप्टर हेड क़मरूज़्ज़मां खान ने आभार व्यक्त किया।

उमराह के मुकद्दस सफर पर जाने वाले लोगों का प्रशिक्षण शिविर संपन्न

बारां,(रॉयल पत्रिका)। उमराह के पाक व मुकद्दस सफर पर मक्का-मदीना जाने वाले लोगों के लिए शहर के अंजुमन चौराहे पर स्थित अंजुमन मैरिज हॉल में प्रशिक्षण कैंप लगाया गया। टूर पर ले जाने वाले हाफिज मोहम्मद आरिफ ने बताया कि उमराह के सभी अरकान की मुकम्मल जानकारी देने के लिए ये कैंप रखा गया ताकि हाजी साहिबान उमराह के दौरान सभी अरकान मुकम्मल तौर पर अदा कर सके। प्रशिक्षण देने के लिए अताऊर्रहमान, मौलाना सलमान, मास्टर अख्तर हुसैन बपावर और हाफिज मोहम्मद आरिफ ने उमराह के अरकान को बारीकी से समझाया। इसके बाद उमराह पर जाने वाले लोगों का माला पहनाकर मुंह मीठा करवाकर इस्तकबाल किया गया। प्रोग्राम में वक्फ कमेटी बारां के चेयरमैन इरफान अंसारी, पार्षद अब्दुल अजीज अज्जू, पार्षद जाकिर खान, अता उर रहमान सहित अन्य लोग मौजूद रहे। अंत में दुआ के साथ प्रोग्राम का समापन हुआ।

मोइज उद्दीन गुडडू के जन्मदिन पर बधाई देने वालों का लगा तांता

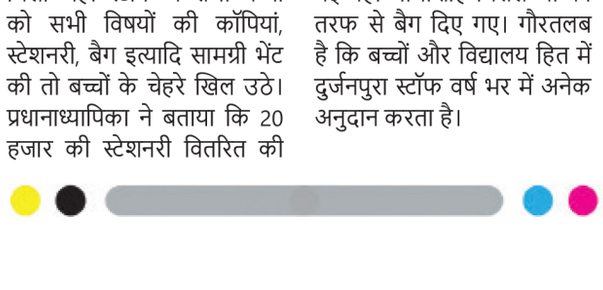

कोटा.(रॉयल पत्रिका) । युवा कांग्रेस कोटा शहर के जिलाध्यक्ष व बनियानी के सरपंच मोईज उद्दीन गुडडू का जन्मदिन शनिवार को शहर भर के प्रबुद्धजनों, कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं, युवाओं और उनके कार्यकर्ताओं द्वारा धूमधाम से मनाया गया। प्रातः काल से ही सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई देने तथा निजी आवास पर पहुंचने वालों का सिलसिला शुरू हो गया था जो देर रात तक चला। इस दौरान देशराज मीणा प्रदेश कांग्रेस कमेटी महासचिव, कोटा शहर व देहात कांग्रेस प्रभारी प्रदेश महासचिव अनूप ठाकुर, यूथ कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सुधीन्द्र मुंड, महिला कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राखी गौतम, प्रदेश उपाध्यक्ष अरबाब खान पार्षद लेखराज योगी पार्षद, पार्षद सोनू अब्बासी, बबलू कसाना पार्षद, सपना बुर्ट पार्षद, किशन पिंकी प्रजापति, पार्षद व महिला कांग्रेस ज़िला अध्यक्ष शालिनी गौतम, एडवोकेट गर्वित धारीवाल, पूर्व विधायक डग स्नेहलता आर्य, प्रदेश महासचिव मंज़ूर तंवर व जनप्रनिधियों ने बड़ी संख्या में शहर के युवाओं ने कई वरिष्ठ कांग्रेसजनो, प्रशासनिक अधिकारीयों, समाजसेवी, सामाजिक संघटनो, धर्मगुरुओं व मित्रगणों ने सोशल मीडिया फोन के माध्यम से व व्यक्तिगत भेंट कर बधाई प्रेषित की शुभकामनायें दी।

पत्रकार पर हमले के विरोध में आईएफडब्ल्यूजे ने सौंपा ज्ञापन, आरोपियों की बर्खास्तगी की मांग

-मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन संभागीय आयुक्त व अतिरिक्त जिला कलेक्टर को सौंपा

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। सिरोही के माउंट आबू में पत्रकार हरिपाल सिंह पर नगर परिषद के निलंबित कर्मचारियों द्वारा किये प्राणघातक हमले के विरोध में पत्रकार संघ आईएफडब्ल्यूजे राजपूत करणी सेना, सर्व समाज के प्रतिनिधियों ने मुख्यमंत्री के नाम का ज्ञापन संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़, अतिरिक्त जिला कलेक्टर गजेन्द्र सिंह राठौड़ सौंपा। राजपूत करणी सेना पूर्व प्रदेश महासचिव व अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा प्रदेश संगठन मंत्री दशरथ सिंह सकराय ने सम्बोधित करते हुए कहा कि निलंबित कर्मचारी द्वारा पत्रकार हरिपाल सिंह के साथ मारपीट घोर निंदनीय है पत्रकार पर हुए हमले ने देश चौथे स्तंभ को झकझोर दिया है, लोकतांत्रिक मूल्यों और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सीधा आघात है।पत्रकार समुदाय के हितों की रक्षा में आमजन को आगे आकर लडाई लड़नी होगी।

आईएफडब्लूजे के जिलाध्यक्ष आनंद शर्मा ने बताया कि संवाददाता हरिपाल सिंह उखरडा नगरपालिका अधिकारी का पक्ष जानने के उद्देश्य से माउंट आबू नगरपालिका कार्यालय पहुंचे थे। निलंबित सफाई निरीक्षक श्याम जणवा,सफाई निरीक्षक प्रवीण राजपुरोहित ,सफाईकर्मी विक्रम चौहान ने एक राय होकर संवाददाता पर जानलेवा हमला किया।

पत्रकार समुदाय सहित आमजन में इस घटना को लेकर बड़ा आक्रोश है।

ज्ञापन में बताया गया कि हरिपाल सिंह द्वारा पूर्व में तीनों कार्मिकों की कार्यशैली में लापरवाही तथा सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को लेकर प्रकाशित खबरों के बाद ही विभागीय जांच में तीनों को निलंबित किया गया था।

इस घटना की पूर्व नियोजित प्रतिशोधात्मक कार्रवाई है। पत्रकार हितों में तीनों आरोपी कार्मिकों को बर्खास्त कर तत्काल गिरफ्तार किया जाए। बिना सक्षम स्वीकृति के मुख्यालय छोड़कर माउंट आबू आकर घटना कारित करने वाले कर्मचारियों को सरकारी सेवा से बर्खास्त किया जाए।

प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए ऐसे मामलों में शून्य सहनशीलता नीति अपनाई जाने की मांग की गई है।

ज्ञापन मे चेताया गया कि आरोपियों के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो आईएफडब्ल्यूजे राजस्थान पूरे प्रदेश में चरणबद्ध आंदोलन, विरोध प्रदर्शन और विधानसभा घेराव करने के लिए बाध्य होगा।

ज्ञापन देने वालो में आंनद शर्मा, अशोक भाटी,चंद्रशेखर शर्मा नवाब हिदायतउल्ला, शुभम जैन,विकास टांक, संदीप टांक, अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा जिलाध्यक्ष बहादुर सिंह पीपरोली, राजपूत करणी सेना जिलाध्यक्ष यज्ञ प्रताप सिंह राठौड़, राजपूत स्टूडेंट यूथ ऑर्गेनाइजेशन आरएसओ प्रवक्ता गजेंद्र सिंह रामपूरा, विक्रम सिंह राठौड, डॉ. कुलदीप सिंह शेखावत, अंगद सिंह चौहान, जितेंद्र सिंह खंगारोत, भवानी सिंह, लोकेंद्र सिंह, देवेंद्र प्रताप सिंह, सुरेंद्र सिंह कंवलाई, कपिल व्यास, मोहन सिंह रावत, बहादुर सिंह सनोद आदि उपस्थित रहे।

इनरव्हील क्लब ने गरीब छात्र की शिक्षा का जिम्मा उठाया

- छात्र के जीवन को संवारने की अनूठी पहल की

बारां,(रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां द्वारा एक सराहनीय सेवा कार्य करते हुए एक जरूरतमंद छात्र की शिक्षा का संपूर्ण जिम्मा उठाया गया। क्लब की अध्यक्षा नीतु गुप्ता ने बताया कि इस छात्र को ना केवल पढ़ाई का सहयोग दिया जा रहा है, बल्कि उसकी सभी मूलभूत आवश्यकताओं का भी ध्यान रखा जा रहा है।

क्लब द्वारा छात्र को दो जोड़ी यूनिफॉर्म, किताबें, नोटबुक, टिफिन बॉक्स, पानी की बोतल, स्कूल बैग, जूते और मौजे भी प्रदान किए गए ताकि वह सम्मानपूर्वक और पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी शिक्षा जारी रख सके।

इस पुनीत कार्य में क्लब की सचिव सीमा सिंह की विशेष भूमिका रही, जिन्होंने बताया कि छात्र पढ़ने में रुचि रखता है लेकिन परिवार की आर्थिक स्थिति सही नहीं होने के कारण परिवार जन पढ़ाने में असमर्थ थे जैसे ही इनर व्हील क्लब को पता चला सभी क्लब मेंबर ने इसका बेड़ा अपने ऊपर ले लिया जब तक बच्चा पढ़ाई करेगा उसकी स्कूल फीस भी माफ करवा दी इस सेवा कार्य को साकार करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

इनरव्हील क्लब का यह प्रयास समाज के लिए एक प्रेरणा स्त्रोत है, जो हमें यह सिखाता है कि छोटी-छोटी मदद भी किसी के भविष्य को उज्जवल बना सकती है। इस अवसर पर मंजू बंसल, शिल्पा गर्ग, नेहा गुप्ता, सुलेखा जैन, विनीता विजय, मृदुला मारू उपस्थित रही।

धारीवाल ने उपराष्ट्रपति पर साधा निशाना, बोले- भाजपा कोचिंग में लगवाना चाहती है ताले

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। कोटा पूर्व मंत्री और कोटा उत्तर विधायक शांति धारीवाल कोटा कोचिंग के समर्थन में उतर गए हैं। ट्रिपल आईटी के दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कोचिंग संस्थानों को पोचिंग सेंटर बता दिया था। यहां तक कि देश के लिए खतरनाक और शिक्षा नीति के विपरीत बताया था। इस बयान को शांति धारीवाल ने गैर जिम्मेदाराना बताया है। साथ ही कहा है कि उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को मैं व्यक्तिगत रूप से भी जानता हूं। उनकी हमेशा उल्टे सीधे बयान देने की आदत है। दुख की बात यह है कि कोटा में कोचिंग पर उलूल-जलूल बोलते रहे और राजस्थान सरकार के कोटा से दो मंत्री और विधायक सामने बैठे कोटा कोचिंग के बारे में सुनते रहे। जब से भाजपा की सरकार बनी है, कोटा की कोचिंग संस्थानों में बच्चों की संख्या में गिरावट आई है।

भाजपा के मंत्री और नेता हमेशा कोचिंग के खिलाफ रहे हैं। इसका सबूत भी समय-समय पर सामने आया है। जबकि कोटा की कोचिंग ने देश को लाखों डॉक्टर और इंजीनियर दिए हैं। यही नहीं, दुनिया के बेहतरीन संस्थानों मे कोटा में कोचिंग करके गए निर्धन वर्ग के कई छात्र प्रतिनिधित्व कर रहे हैं, लेकिन उपराष्ट्रपति धनखड़ के दीक्षांत समारोह के दौरान कोचिंग पर दिए गए बयानों से लगता है कि वह कोटा कोचिंग पर ताले लगवाना चाह रहे हैं। केंद्र में बीते 11 साल से भाजपा शासन में है। कई केंद्रीय शिक्षा मंत्री से लेकर अन्य बच्चों में जाकर संवाद कर उनके साथ उत्साह वर्धन कर चुके हैं। कोचिंग संस्थानों में कोई कमी या सुधार की गुंजाइश है तो उसको दुरुस्त किया जाना चाहिए।

सरकार क्यों पढ़वा रही है फ्री में बच्चों को ?

शांति धारीवाल ने कहा कि एक तरफ तो सरकार बच्चों को कोचिंग संस्थानों में फ्री कोर्सेज करवाने की घोषणा करती है, जहां पर बच्चों का एडमिशन करवाया जाता है और सरकार उनका खर्चा वहन कर रही है। कोटा की कोचिंग संस्थानों में छोटे-छोटे गांव और निर्धन परिवार की प्रतिभाएं आकर पढ़ीं। आईआईटी और एम्स जैसे संस्थानों में एडमिशन ले चुकी हैं। मजदूर का बेटा भी कोटा में पड़कर अच्छी रैंक लाया और बीटेक किया। इसके बाद गूगल में जॉब की, कुली का बेटा माइक्रोसॉफ्ट तक पहुंच गया। शहीद परिवारों के बच्चे निशुल्क पढ़ रहे हैं। दूसरी तरफ कोचिंग को लेकर ऐसे बयान देना सरकार के असली रंग को दर्शाता है। एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कोटा को शिक्षा की काशी कहते हैं। वहीं, प्रदेश के शिक्षा मंत्री मदन दिलावर की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति धनखड़ पोचिंग सेंटर बता रहे हैं।

स्कूल में सभी बच्चों को स्टेशनरी बैग कॉपियां नि:शुल्क वितरण

रामगंजमंडी, (रॉयल पत्रिका) । रामगंजमंडी के समीप गांव दुर्जनपुरा जहां एक तरफ निजी स्कूलों में स्टेशनरी, पुस्तक, कॉपियों के नाम भरपूर लूटपाट करते हैं वहीं सरकारी स्कूलों में पुस्तकें तो सरकार की तरफ से नि:शुल्क मिलती है लेकिन बच्चों और अभिभावकों के हित में सोचने वाले भामाशाह अध्यापक बाकी सभी शिक्षण सामग्री भी अपने अनुदान से देते हैं। ऐसा एक उदाहरण राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय दुर्जनपुरा में देखने को मिला जहां स्टॉफ ने सभी बच्चों को सभी विषयों की कॉपियां, स्टेशनरी, बैग इत्यादि सामग्री भेंट की तो बच्चों के चेहरे खिल उठे। प्रधानाध्यापिका ने बताया कि 20 हजार की स्टेशनरी वितरित की गई वहीं भामाशाह मित्तल जी की तरफ से बैग दिए गए। गौरतलब है कि बच्चों और विद्यालय हित में दुर्जनपुरा स्टॉफ वर्ष भर में अनेक अनुदान करता है।

कई दिनों से लटक रहे तार और टूटे पोल को हटाया

-जनहानि की सम्भावना हुई समाप्त

डॉक्टर तोहिद

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। नगर पालिका मंडी के पालिका अध्यक्ष अखिलेश मेडतवाल ने शुक्रवार को वार्ड नंबर 35 का दौरा किया। वहां पर वार्ड वासी भेरूलाल पारेता, सुरेंद्र सिंह सिसोदिया व पंकज पारेता सहित कई लोगों ने एक टूटे पोल व लटके तारों की समस्याएं बताई और कहा कि यह पोल कई सालों से लटक रहा है, किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। टूटे पोल और लटके तार की वजह से आए दिन जन हानि होने की संभावनाएं बनी रहती है। नगर पालिका अध्यक्ष अकलेश मेडतवाल ने समस्या सुन तुरंत ही बिजली बोर्ड के अधिकारियों को अवगत कराया और मौके पर टूटा पोल और केबल को हटाया। केबल और बिजली का पोल हटाने से जनहानि की जो सम्भावना हमेशा बनी रहती थी वह समस्या अब समाप्त हो जाएगी। सभी वार्डवासियों ने इस सराहनीय कार्य के लिए नगर पालिका अध्यक्ष का आभार व्यक्त किया।

सेवा आयुर्वेदा हॉस्पिटल का निशुल्क चिकित्सा शिविर सम्पन्न

शब्बीर हुसैन

कोटा, (रॉयल पत्रिका)। सेवा आयुर्वेदा हॉस्पिटल एवं अंजुमन मोईनिया सोसाइटी अमृत नगर के संयुक्त तत्वाधान में निशुल्क चिकित्सा केम्प का आयोजन हॉस्पिटल परिसर मेन बोरखेड़ा केनाल रोड सोनू विहार पर आयोजित किया गया।

शिविर में 100 रोगियों की मुफ्त जाँच और विधः कर्म, अग्नि कर्म के माध्यम से साइटिका, घुटनो का दर्द, फ्रोजन शोल्डर, शरीर की जलन, रीढ़ की हड्डी का दर्द एवं अन्य सभी प्रकार की बीमारियों का इलाज किया गया।

हॉस्पिटल निदेशक डॉक्टर अवान खान दर्द रोग विशेषज्ञ द्वारा अपनी सेवाएं दी गई

शिविर में सभी जांचे और दवाइयां मुफ्त दी गई।

डॉक्टर अवान खान ने बताया की वो आयुर्वेद की दुर्लभ पेथी से इलाज करते है जिससे रोगी बिना किसी चीर फाड़ और दवाइयों के साइड इफेक्ट से बचता है और तुरंत ही दर्द मे राहत मिलती है।

शिविर में रॉयल पत्रिका संवाददाता ने कई रोगियों से फीड बेक भी लिया, रोगियों ने बताया की एक चमत्कारिक रूप से दर्द में तुरंत ही राहत मिली है। निःशुल्क चिकित्सा शिविर में इलाज करवाने के बाद मरीजों और उपस्थित सभी अतिथियों ने डॉक्टर अवान खान को दुआओं से नवाज़ा। डॉक्टर अवान खान से बातचीत करने पर उन्होंने बताया कि मानव सेवा का ये जज्बा उन्हें अपने वालिद डॉक्टर अशफाक खान, लेखाधिकारी एनटीपीसी अंता से मिला हैं। जो हमेशा बिना किसी भेदभाव, जाती, धर्म के इस बंधन से दूर रहकर सभी धर्म और सम्प्रदाय के लोगों के लिए सदैव तत्पर रहते है। शिविर में मरीजों के अलावा भी कई गणमान्य लोगों ने शिरकत की।

ग्राम पंचायत आमेटा पर लगे भ्रष्टाचार के आरोप

-शमशान की दीवार घटिया निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त हो गई

फिरोज खांन वारसी

झालावाड़, (रॉयल पत्रिका)। जिले की ग्राम पंचायत आमेटा में शमशान की दीवार घटिया निर्माण के कारण क्षतिग्रस्त हो गई, कोमल मीणा ने सरपंच व सचिव पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाते हुए जांच की मांग की है। झालावाड़ जिले की ग्राम पंचायत आमेटा के गांव बोरखेड़ी मालियां माधोपुर में ग्राम पंचायत की और से शमशान भूमि पर बाउंड्रीवाल का निर्माण किया था। लेकिन निर्माण के कुछ दिनों बाद ही वह क्षतिग्रस्त हो गई। ऐसे में क्षेत्र के नेता कोमल मीणा ने सरपंच तथा सचिव पर मिली भगत का आरोप लगाया है। ग्राम वासियों का कहना है कि दीवार निर्माण में घटिया सामग्री का उपयोग किया गया है। ऐसे में शमशान में बनाई दीवार कुछ दिनों बाद ही क्षतिग्रस्त हो गई। इस मामले में जिला प्रशासन को भी कार्यवाई करनी चाहिए, इससे की आगे घटिया निर्माण नही हो सके। ग्रामीण इलाकों में अधिकांश मूलभूत सुविधाओं के कार्य ग्राम पंचायत की ओर से कराए जाते हैं। लेकिन सरकारी धन का दुरुपयोग ग्रामीण इलाकों में आम बात हो गई है।

14 साल से फरार इनामी वारंटी गिरफ्तार, नाम बदलकर रावतभाटा में रह रहा था

सुकेत, (रॉयल पत्रिका)। कस्बा सुकेत में पुराने लूट के मामले में वांछित 5 हजार के इनामी स्थायी वारंटी कैलाशनाथ उर्फ भूरानाथ कालबेलिया को रावतभाटा से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी फरारी के दौरान नाम और पता बदलकर रह रहा था और मजदूरी कर जीवन यापन कर रहा था। कोटा ग्रामीण एसपी सुजीत शंकर ने बताया कि चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत थाना सुकेत पुलिस टीम ने यह कार्रवाई की है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राम कल्याण, डीएसपी रामगंजमंडी घनश्याम मीणा तथा थानाधिकारी छोटू लाल के निर्देशन में गठित टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया। उन्होंने सुकेत में रिपोर्ट दी थी कि वह पत्नी के साथ कार से जा रहा था, तभी रात करीब 9 बजे अंतरालिया जीएसएस के पास अज्ञात बदमाशों ने उनकी गाड़ी रोककर जेवर व नकदी लूट ली। जिस पर मामला दर्ज हुआ था। मामले में आरोपी के अन्य साथी पहले ही गिरफ्तार हो चुके हैं, जबकि मुख्य आरोपी कैलाशनाथ उर्फ भूरानाथ तब से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी की जानकारी जुटाई कि आरोपी नाम बदलकर रावतभाटा में मजदूरी कर रहा है। सूचना पर टीम रावतभाटा पहुंची और पुलिस टीम आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन की जिला कार्यकारिणी की घोषणा

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान अधिकारी कर्मचारी माइनॉरिटी एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष हाजी अतीक अहमद के दिशा निर्देशन में चूरू जिला रकमा के सदस्यों में से निम्नलिखित जिला कार्यकारिणी में निम्न पदों पर मनोनीत किया गया है। जिसमें संरक्षक डॉ. कादिर हुसैन यूनानी चिकित्सा अधिकारी, डॉ. एम एम शेख प्रोफेसर, डॉ. शमशाद अली सहायक प्रोफेसर, डॉ. शौकत अली कृषि वैज्ञानिक, रमजान खान रिटा. एपभो एवं सलाहकार डॉ. जावेद खान सहायक प्रोफेसर, डॉ. साजिद चौहान चिकित्सा अधिकारी, सलीम एडिपी, डॉ. अहसान गौरी एसीएमओ, डॉ. इदरीस खान उप अधीक्षक, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ. अरसद हुसैन सहायक प्रोफेसर तारानगर, अयुब खान सिनियर ला ऑफिसर एवं उपाध्यक्ष आमीन खान रिटा सहायक स्टेशन मास्टर, इमरान खान पीएचईडी, आसीफ अंसारी जेटीए पंचायत समिति, डॉ. इरफान सैयद चिकित्सा अधिकारी, इफ्तेखार चायल एएओ और महासचिव जाकिर हुसैन एएओ, कयुम खान लेक्चरार और प्रवक्ता मोहसिन खान टेक्नीशियन विद्त वितरण निगम एवं कोषाध्यक्ष मोहम्मद वसीम अली वरिष्ठ अध्यापक व संयुक्त सचिव जमील अहमद वरिष्ठ अध्यापक, सीकंदर बी खान अध्यापक, युनुस विद्त वितरण निगम, मोहम्मद आबिद मंसूर प्रबोधक, जुलकर सांख्यिकी विभाग, आबिद मोयल कार्यालय सहायक और संगठन सचिव बिलाल अध्यापक, इमरान गौरी, शमशेर खान, इस्माइल खानी, इमरान मौलानी रफीक खान अध्यापक, आफताब अहमद कनिष्ठ सहायक एवं महिला प्रतिनिधि डॉ. समर भाटी कार्यालय सचिव, अब्दुल दाऊद अली एल डी सी और सदस्य डॉ. आरिफ मलिक होम्योपैथी चिकित्सा अधिकारी, गुलाम मोहिउद्दीदन रिटा लेक्चरार, खादिम अली अध्यापक, नियाज मोहम्मद अध्यापक, हारुन तेली मनोनीत सदस्य एवं पदाधिकारी बनाए गए।

इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी आयोजित करेगी सम्मान समारोह

मोहम्मद अली पठान

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर मौलाना अबुल कलाम आजाद एजुकेशन इंस्टिट्यूट उस्मानाबाद कॉलोनी में इंटेलेक्चुअल मुस्लिम सोसाइटी की आम बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता भँवर खान रिटायर्ड जिला शिक्षा अधिकारी ने की बैठक में कौम से जुड़े हुए अहम मसलों पर सार्थक चर्चा की गई। इसके अलावा, मुख्य एजेंडा होनहार बच्चों 10वीं और 12वीं के स्टूडेंट्स 2025 के लिए आयोजित किए जाने वाले प्रतिभा सम्मान समारोह पर, विस्तृत विचार विमर्श किया गया। उक्त समारोह 27 जुलाई 2025, रविवार को आयोजित किया जाने का सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया। सम्मानित होने वाले बच्चों के लिए Crieteria तय करने का निर्णय, इस हेतु गठित कमेटी और अयूब खान आर पी एस द्वारा लिया जाएगा। बैठक में निम्न सदस्य सामील हुए और अपने अपने विचार रखे। शौकत अली खान

झारिया पूर्व एडिशनल कमिश्नर सेल्स टैक्स, डॉक्टर एफ एच गोरी वरिष्ठ फिजिशियन, नूर मोहम्मद खान रिटायर्ड एडिशनल कमिश्नर आबकारी, मोहम्मद अयूब खान रिटायर्ड एडिशनल एसपी, मोहम्मद आरिफ खान प्रिन्सिपल, मेनूदिन खान चीफ वेलफेयर इंस्पेक्टर रेलवे, हबीब खान, रशीद खान शिक्षा विद, सलीम खान दिलावर खानी, अध्यापक आरिफ खान, अनीस खान, मोहम्मद सदिक खान अध्यापक, रमजान मोहम्मद खान अध्यापक, सलीम खान, मोहसिन खान, मोहम्मद वसीम अली अध्यापक और आसिफ़ खान उपस्थिति हुए। बैठक सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। आगामी मीटिंग 20 जुलाई 2025 को आयोजित किए जाने की सहमति हुई। डॉक्टर एफ एच गोरी ने सभी का आभार व्यक्त किया। सफल संचालन मोहम्मद आरिफ खान प्रिन्सिपल द्वारा किया गया।

राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की बैठक आयोजित हुई

रतनगढ़, (रॉयल पत्रिका)। जिला कांग्रेस कार्यालय रतनगढ़ में राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन इंद्रराज खीचड़ कांग्रेस जिला अध्यक्ष चूरू की अध्यक्षता में और विजयपाल मिल प्रदेश महासचिव राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के मुख्य आतिथ्य में आयोजित की गई। यह इस प्रकोष्ठ की जिला कार्यकारिणी के गठन के बाद प्रथम संगठनात्मक और आमुखीकरण बैठक थी। राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विक्रम पाल थालौड़ ने सभी आगंतुकों का स्वागत किया और प्रकोष्ठ गठन के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। प्रदेश महासचिव विजयपाल मील ने बताया कि इस प्रकोष्ठ का उद्देश्य कांग्रेस पार्टी को मजबूत करना है और गरीब मजदूर किसान की समस्याओं को प्राथमिकता से उठाना और उनके समाधान हेतु प्रयास करना है। जिला अध्यक्ष इंद्राज खीचड़ ने बताया कि राजीव गांधी पंचायती राज प्रकोष्ठ के माध्यम से कांग्रेस से कार्यकर्ता मतदाताओं से सीधे जुड़ पाएंगे और उनसे संवाद कर उन्हें कांग्रेस पार्टी की विचारधारा

और आदर्शों के बारे में जानकारी देंगे। कांग्रेस शैक्षिक प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष मुकंदराम नेहरा ने बताया कि इस प्रकोष्ठ के माध्यम से कांग्रेस का जनता से सीधा जुड़ाव होगा और उनकी समस्याओं से रूबरू होने का मौका मिलेगा। कार्यक्रम को महबूब अली खान चुरु , फकीरचंद दानोदिया, सत्यनारायण शर्मा सरदार शहर, इनायत खान सहजूसर वेद प्रकाश पंवार, राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग के जिला अध्यक्ष मोहनलाल सैनी और मानसिंह रेबारी राजगढ़ में भी संबोधित किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान से किया गया। इस अवसर पर पूर्णाराम सारण, इस्लाम उल हक, विद्याधर बेरवाल, देवीलाल सांखला, जान मोहम्मद, रोहित दास मीणा, कुतुबुद्दीन पठान, रामकरण खीचड़, महिपाल धनखड़, जाकिर खान, विजयपाल सारण, राकेश कुमार पंवार, नवीन नोनिया, किशनाराम कालेर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद अनवर कुरैशी ने किया ।

कायमखानी छात्रावास में पौधारोपण कार्यक्रम किया गया

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर स्थित कायमखानी हॉस्टल में पौधारोपण कार्यक्रम अभियान की शुरुआत की गई। जिसमें हॉस्टल कमेटी के अध्यक्ष जब्बार खान ने कहा पर्यावरण को बचाना है तो हरियाली बहुत ही आवश्यक है। इसलिए हम हॉस्टल में पौधे लगाकर हरियाला राजस्थान संदेश के तहत भागीदारी निभा रहे हैं। पेड़-पौधे लगाएंगे तभी पर्यावरण को बचाया जा सकता है। इस दौरान

जाकिर खान के के, महबूब खान नसवान, गफ्फार खान, सिकंदर खान, इकबाल खान, पप्पू खां आदि ने पेड़-पौधे लगाकर पौधों को पेड़ बनाने की व रख रखाव की जिम्मेदारी ली।

शौकत खान चायल बने राजस्थान के राशन डीलर एसोसिएशन के उपाध्यक्ष

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर हेमराज मीणा, प्रदेश अध्यक्ष राशन डीलर एसोसिएशन राजस्थान प्रदेश ने अपने संगठन का विस्तार करते हुए शौकत अली खान चायल निवासी चूरू को प्रदेश उपाध्यक्ष पर नियुक्ति प्रदान की और निर्देशित किया कि वह अपने पद को स्वीकार करते हुए पद की गरिमा अनुसार राशन डीलर हित में कार्य प्रारंभ करें। में संघठन की और से आपके इस नवीन दायित्व की मंगलमय कामना करता हूं साथ ही आग्रह करता हूं कि संघठन के दायरे में रहकर कार्य करेंगे। शौकत खान चायल ने प्रदेश अध्यक्ष का आभार व्यक्त करते हुए निष्ठा और ईमानदारी के साथ कार्य करने का विश्वास दिलाया शौकत खान चायल सामाजिक और समाजसेवी व्यक्तित्व के धनी हैं।

आपको राजस्थान कार्यकारिणी में प्रदेश उपाध्यक्ष बनने पर चूरू जिला राशन डीलर एसोसिएशन द्वारा बधाई दी गई जिसमें आशीष माटोलिया, ओमप्रकाश मोटेका, मोहसिन काजी, संतोष महनसरिया, मुरारीलाल, मुस्तफा खान, बाबूलाल, लीलू खां चौहान, मुस्लिम भिस्ती, सलीम डीलर तेली आदि ने आपका फूल मालाओं से स्वागत किया एवं उज्जवल भविष्य की कामना की शोकत खान चायल ने सभी का आभार व्यक्त किया।

नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान वेलिम सम्मानित

पाली, (रॉयल पत्रिका)। नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान वेलिम निवासी चाणोद को खिदमत-ए-ख़ल्क ट्रेवल्स फाउंडेशन के तत्वावधान में मेडिकल कॉलेज ऑडिटोरियम जोधपुर में भव्य सम्मान समारोह में सम्मानित किया गया। वेलीम को सम्मान स्वरूप सम्मान पत्र, मोमेंटो और ओपरणा पहनाकर सम्मानित किया गया। समारोह में करीब 450 मेधावी छात्र-छात्राओं और समाज की विभिन्न प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। नर्सिंग ऑफिसर शहजाद खान वेलिम ने कोविड काल में कोरोना वॉरियर्स के रूप में एक बेस्ट लीडर बनकर अपनी जान हथेली पर लेकर

सबसे बेस्ट काम करके पूरे पाली एवं जोधपुर संभाग का नाम रोशन किया। यहां तक कि अनगिनत क्रिटिकल कैस में कई क्रिटिकल डिलीवरी एवं एक्सीडेंट केसों में बेहतरीन सेवा देकर लोगों की जान बचाई। वेलीम के सम्मान पर परिजन, दोस्तों और नर्सिंग स्टाफ ने बधाई और शुभकामनाएं दी है।

मुस्लिम वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन समिति ने अपनी वेबसाइट शुरू की

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। मुस्लिम वेलफेयर एण्ड एज्यूकेशन समिति ने रविवार को हुई बैठक में अपनी वेबसाइट का शुभारंभ किया है। जिससे समिति द्वारा आयोजित प्रतिभावान बच्चों को सम्मान समारोह के लिए ऑनलाइन आवेदन करने में सहूलियत होगी। समिति के उमर दराज खान ने बताया कि जिले के मुस्लिम प्रतिभावान बच्चों को सम्मानित करने का कार्यक्रम आयोजित

किया जा रहा है। इसको मद्देनज़र रखते हुए समिति की वेबसाइट का शुभारंभ इंसाफ अली, आरपीएससी के पूर्व उप सचिव सैयद गयासुद्दीन चिश्ती, कांग्रेस प्रदेश अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश महासचिव एस.एम. अकबर व ग्राम पंचायत गगवानों के सरपंच असलम खान द्वारा किया गया। खान ने बताया कि वेबसाइट से प्रतिभा सम्मान में शामिल होने के लिए बच्चों को ऑनलाइन आवेदन करने में सुविधा रहेगी। समिति की बैठक में सैयद रब नवाज जाफरी, एस.एम. फारुकी, अकरम सिद्दीकी, अब्दुल सलाम, मोहसिन खान, यासीन सिलावट, नजाकत खान व नावेद चिश्ती आदि कई लोग उपस्थित थे।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा 4 लाख से अधिक घरों को बिजली देने के बराबर जीएजी उत्सर्जन की बचत

उदयपुर, (रॉयल पत्रिका)। ग्लोबल एनर्जी इंडिपेंडेंस डे पर, भारत की एकमात्र और दुनिया की सबसे बड़ी एकीकृत जिंक उत्पादक कंपनी, हिन्दस्तान जिंक लिमिटेड ने जलवायु कार्रवाई के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता दोहराई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2025 में 6.7 लाख टन कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की बचत की है, जो उसके सस्टेनेबल डवलपमेंट गोल 2025 के 5 लाख टन कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य से कहीं अधिक है। रिन्यूएबल एनर्जी के कारण जितनी ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आई है, वह एक साल तक 4 लाख से अधिक भारतीय घरों को बिजली देने के बराबर है। कंपनी क्लीन एनर्जी की ओर बदलाव लाने और परिचालन दक्षता सुधारने पर स्पष्ट रूप से ध्यान केंद्रित कर रही है और अपने कार्यों के मूल में सस्टेनेबिलिटी को लगातार शामिल कर रही है।

क्लीन एनर्जी और लो कार्बन एमिशन

मिनिस्ट्री ऑफ पावर के आंकड़ों के अनुसार एक भारतीय घर में औसतन सालाना करीब 1,538 किलोवाट प्रति घंटा बिजली की खपत होती है। इस अनुसार वित्त वर्ष 25 में हिन्दस्तान जिंक ने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में जितनी कमी की है, वह 4 लाख से अधिक भारतीय घरों की साल भर की बिजली की जरूरत पूरी करने के बराबर है। वित्तीय वर्ष 2025 में, हिन्दस्तान जिंक ने 63.6 करोड़ यूनिट रिन्यूएबल एनर्जी का उपयोग किया जो कि स्वयं ने उप्पादित की और बाहर से भी ली। यह आंकड़ा इस बात को मजबूती देता है कि कार्बन उत्सर्जन घटाने में हिन्दस्तान जिंक अग्रणी कंपनी है। यह स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने में उनके महत्वपूर्ण योगदान को दर्शाता है।

सतत विकास लक्ष्यों की ओर अग्रसर

एसएंडपी ग्लोबल कॉरपोरेट सस्टेनेबिलिटी असेसमेंट 2024 द्वारा मेटल और माइनिंग क्षेत्र में दुनिया की सबसे सस्टेनेबल कंपनी के रूप में मान्यता प्राप्त, कंपनी ने हाल ही में अपने महत्वाकांक्षी 2030 सतत विकास लक्ष्यों, एसडीजी की घोषणा की है। इन लक्ष्यों में जलवायु परिवर्तन, जल प्रबंधन, जैव विविधता संरक्षण, जिम्मेदार सोर्सिंग, सर्कुलर अर्थव्यवस्था, सुरक्षा और हित, कार्यबल विविधता और सामाजिक प्रभाव जैसे विभिन्न विषयों को शामिल किया गया है। कंपनी ने 2020 के बेसलाइन से स्कोप 1 और 2 उत्सर्जन में 50 प्रतिशत और स्कोप 3 उत्सर्जन में 25 प्रतिशत की कमी लाने का संकल्प लिया है। जिम्मेदार और सस्टेनेबल विनिर्माण के दृष्टिकोण को आगे बढ़ाते हुए, हिन्दस्तान जिंक ने वित्त वर्ष 2025 में अपनी कुल बिजली खपत का लगभग 13 प्रतिशत रिन्यूएबल स्रोतों से प्राप्त कर महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है, जिसका लक्ष्य वित्त वर्ष 2028 तक 70 प्रतिशत तक पहुंचना है। उल्लेखनीय रूप से, कंपनी ने

530 मेगावाट तक की चैबीसों घंटे रिन्यूएबल एनर्जी के लिए बिजली वितरण एमओयू पर भी हस्ताक्षर किए हैं। यह 2050 तक या उससे पहले नेट जीरो प्राप्त करने की कंपनी की दीर्घकालिक दृष्टि में एक महत्वपूर्ण कदम है। कंपनी अपने कैप्टिव बिजली संयंत्रों में सभी टर्बाइनों का नवीनीकरण, सेलहाउस दक्षता में सुधार, संचालन में वेरिएबल फ्रीक्वेंसी ड्राइव की स्थापना, वैकल्पिक ईंधन स्रोतों पर स्विच करने जैसी नवीन ऊर्जा-दक्षता परियोजनाओं में भी निवेश करना जारी रखे हुए है, जिसके परिणामस्वरूप ऊर्जा की बचत होती है और उसकी पूरी मूल्य श्रृंखला में कार्बन उत्सर्जन कम होता है। गत वर्ष, हिन्दस्तान जिंक ने एशिया के पहले कम कार्बन वाले ग्रीन जिंक - इकोजेन का उत्पादन शुरू किया है जिसे रिन्यूएबल एनर्जी के उपयोग से उत्पादित किया जा रहा है। कंपनी के लिए पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों पर निर्भरता कम करना एक रणनीतिक आवश्यकता है, जिससे हर प्रक्रिया चरण में कार्बन उत्सर्जन कम हो सके। इसके परिणामस्वरूप, हिन्दस्तान जिंक ने 2020 के बेसलाइन से वित्त वर्ष 2025 में अपने ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की तीव्रता में 15 प्रतिशत की कमी की है, जबकि उत्पादन की मात्रा में वृद्धि हुई है। उल्लेखनीय है कि हिन्दस्तान जिंक मेटल और माइनिंग क्षेत्र में पहली भारतीय कंपनी है जिसने महत्वाकांक्षी 1.5 डिग्री सेंटिग्रेट ग्लोबल वार्मिंग सीमा के साथ संरेखित, साइंस बेस्ड टारगेट्स इनिशिएटिव लक्ष्यों को हासिल किया। सस्टेनेबिलिटी के प्रति अपनी मजबूत प्रतिबद्धता को और स्थापित करते हुए, जिंक उत्पाद पोर्टफोलियो पर्यावरण उत्पाद घोषणा ईपीडी से सत्यापित है, इस प्रकार उत्पाद के पर्यावरणीय फुटप्रिंट पर तुलनात्मक डेटा प्रदान करता है।

हजयात्रा 2026 के लिए ऑनलाइन आवेदन शुरू

चूरू, (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर सेंट्रल हज कमेटी ऑफ इंडिया द्वारा हज 2026 के लिए इस बार जुलाई से ही आनलाईन आवेदन शुरू कर दिए है। आवेदन की अंतिम तारीख 31 जुलाई तक है। राजस्थान स्टेट हज कमेटी के स्टेज हज इंस्पेक्टर इमरान सरकेल ने बताया कि इस बार कम वक्त का भी हज का विकल्प उपलब्ध है। कम समय में हज 20 दिनों का होगा, जिसमें मदीना शरीफ में 2-3 दिन की रिहाईश शामिल होगी कम समय हज के लिए अलग से कुरा ड्रा होगा। इस बार हज्जाज-ए-इकराम को नई सुविधा दी जाएगी जिसमें हज कमेटी द्वारा केटेगिरी सेवा ऑप्शनल होगी, जिसके लिए अतिरिक्त शुल्क लगेगा। एक कवर में 1 से 5 यात्री आवेदन कर सकते है। रिजर्व कैटेगरी 65+ के लिए 2 या 4 आवेदन कर सकते है। इमरान सरकेल ने बताया इसके लिए जल्द ही चूरू में निःशुल्क परामर्श शिविर लगाया जायेगा। जिसमें हज यात्रीयों के निःशुल्क ऑनलाइन आवेदन भरे जायेगें।

ख़िदमत-ए-ख़ल्क ट्रेवल्स फाउंडेशन की ओर से समारोह में मुस्लिम प्रतिभाओं का हुआ सम्मान

-ख़िदमत-ए-ख़ल्क समारोह में अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षाविद्, जनप्रतिनिधि, समाजसेवी सहित कई प्रबुद्धजनों ने की शिरकत

जोधपुर, (रॉयल पत्रिका)। ख़िदमत-ए-ख़ल्क ट्रेवल्स फाउंडेशन की ओर से शास्त्री नगर स्थित डॉ. एस. एन. मेडिकल कॉलेज के ऑडिटोरियम में रविवार को विशाल 5वें "मुस्लिम प्रतिभा सम्मान समारोह" का आयोजन किया गया।

फाउंडेशन अध्यक्ष अब्दुल वहीद गजधर ने बताया कि कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला रसद अधिकारी प्रथम, अंजुम ताहिर सम्मा एवं बतौर विशिष्ट अतिथि पूर्व मुख्य वन संरक्षक इस्हाक अहमद मुगल, पूर्व कर्नल इदरीस खान, वरिष्ठ पत्रकार डॉ. अखलाक उस्मानी, राजस्थान सहकारिता विभाग जोधपुर के डिप्टी रजिस्ट्रार मोहम्मद हारून बैलिम, पूर्व आरएएस निसार खान, पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी मोहम्मद रफीक, शिक्षाविद मोहम्मद सद्दीक मियां पठान, अल्पसंख्यक अधिकारी कर्मचारी महासंघ अध्यक्ष मोहम्मद इकबाल अली रंगरेज, यूनाइटेड उम्माह वेलफेयर सोसायटी सचिव अब्दुल रशीद अंसारी, शिक्षाविद सफीकुर्रहमान ने शिरकत की।

फाउंडेशन सचिव अब्दुल रहीम मोदी ने कहा कि मुस्लिम समाज के इस साल 10वीं, 12वीं में 80 प्रतिशत एवं इससे अधिक अंक अर्जित करने वाले, उच्च शिक्षा, खेल व अन्य क्षेत्रों में श्रेष्ठ प्रदर्शन, नीट, जेईई, सरकारी सेवाओं में चयनित छात्र-छात्राओं तथा सराहनीय कार्य करने वाले समाजसेवियों सहित कुल 450 मुस्लिम प्रतिभाओं को प्रशस्ति पत्र, मोमेंटो देकर, तिरंगा पट्टी व स्टॉल प्रदान कर सम्मानित किया गया।

फाउंडेशन कोषाध्यक्ष अय्यूब सिलावट ने बताया कि लोगों को लागत शुल्क एवं कम से कम खर्च पर उमराह मक्का-मदीना की धार्मिक यात्रा कराने के मक़सद से खिदमत-ए-ख़ल्क ट्रेवल्स फाउंडेशन की स्थापना की गई है ताकि गरीब एवं कमजोर वर्ग के लोग भी उमराह धार्मिक यात्रा कर सकें।

फाउंडेशन उपाध्यक्ष अब्दुल मजीद मेटल ने बताया कि अतिथियों ने बच्चे-बच्चियों को उनकी रूचि के अनुसार उच्च शिक्षा में करियर चुनने व सरकारी योजनाओं का लाभ लेने की बात कहीं तथा बेहतर भविष्य के लिए विद्यार्थियों एवं इनके अभिभावकों को मार्गदर्शित किया।

आदर्श मुस्लिम सम्पादक सलीम खिलजी ने ख़िदमत-ए-ट्रेवल्स फाउंडेशन की जानकारी देते हुए पूर्व महाराजा गजसिंह द्वारा फाउंडेशन के इस सम्मान समारोह की सफलता के लिए अग्रिम शुभकामनाओं का पत्र पढकर सुनाया।

लंदन के इम्पीरियल कॉलेज में पढने वाली जोधपुर की बेटी इंजल सय्यद ने समारोह ने आने वाली प्रतिभाओं को मोटिवेट तथा विदेश शिक्षा में आवेदन करने के लिए लंदन से वीडियो बनाकर भेजा। जिसे समारोह में दिखाया गया। इसी तरह जेईई एडवांस में ओबीसी की 2460 रेंक हासिल कर, आईआईटी गुवाहाटी में चयनित होने वाली नबा अहमद का प्रेरणादायी वीडियो भी दिखाया गया। फाउंडेशन सदस्य मोहम्मद शाकिर ने कहा कि समारोह में पार्षद निसार कुरैशी, हकीम मारवाड़, जाकिर मारवाड़, इसरान जागीरदार, अब्बास वेलफेयर सोसायटी अध्यक्ष अब्दुल रूआब चिश्ती, ईद मिलादुन्नबी समिति

अध्यक्ष हमीम बक्ष, अंसारी समाज अध्यक्ष इकबाल खान, बंदूकिया लौहार समाज प्रदेशाध्यक्ष इमामद्दीन, कौम तेलियान पूर्व अध्यक्ष निसार अहमद खिलजी, कुरैशी समाज निसार गेंद, खलील भाटी, अब्दुल्लाह खालिद कुरैशी, कौम अब्बासियान पूर्व सचिव फिरोज खान अब्बासी, कौम कांटे वाले लौहार अध्यक्ष मोहम्मद इशाक, आबिद हुसैन, कौमी मीर अध्यक्ष नवाब खान, पिंजारा कौम के असलम मंसूरी, खैरादी समाज अध्यक्ष अब्दुल रऊफ, चुंदड़ीगर समाज अध्यक्ष मोहम्मद असद चुंदड़ीगर, जाकिर चुंदडीगर, जागरूक मंच घोसी समाज सेवा संस्थान जोधपुर अध्यक्ष नदीम इकबाल मोयल, सचिव रशीद भाटी, जर्नलिस्ट अताउलहक, जनप्रतिनिधि फरजाना चौहान, अमीना बानो सहित कई मुस्लिम बिरादरीयों से जुड़े शिक्षाविद, समाजसेवी, जनप्रतिनिधि, व्यवसायी, बुजुर्ग एवं युवा आमजन सहित बड़ी संख्या में कई स्टूडेन्टस व पैरेंट्स मौजूद रहें।

समाजसेवी इकबाल कैफ़, रफीक खोखर, इकबाल सैयद, निसार बैलिम डांगियास, शफीक गौरी, अब्दुल हमीद मदावत, साकिर सलाम सिलावट, पत्रकार डॉ. सय्यद मोईनुल हक, रिजवान राजा, वसीम अकरम, फिरोज खान, इमरान कुरैशी, आकिल, अब्दुल वहीद पलासनी, निसार नीलघर, सूलेमान सर, बिलाल खिलजी, ताहिर कैफ, ओसामा खिलजी एवं अन्य सदस्यों का समारोह की सफलता में खास सहयोग रहा।

पूर्व में तिलावते कुरान हम्माद उस्मानी ने किया। साफे व तिरंगी पट्टी से अतिथियों का स्वागत किया गया। संचालन प्रवक्ता सैयद वसीम अख्तर ने किया।

हिजामा शिविर में नि:शुल्क उपचार का आयोजन किया

पाली, (रॉयल पत्रिका)। खिदमत-ए-खल्क व मुस्लिम मुसाफिर खाना के संयुक्त तत्वावधान में एक निःशुल्क हिजामा शिविर का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय शिविर में हिजामा पद्धति के माध्यम से कई बीमारियों का इलाज किया गया।

जोधपुर से आए डॉक्टर अरबाज़ खान की टीम ने अपनी उत्कृष्ट सेवाएँ प्रदान कीं। हिजामा एक प्राचीन और इस्लामिक उपचार पद्धति है, जिसके तहत रक्तमोक्षण (ब्लड कपिंग) के ज़रिए शरीर से अशुद्ध रक्त को निकालकर विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं जैसे सर दर्द, घुटनों का दर्द, ब्लडप्रेशर, लकवा, शुगर में आदि का इलाज किया जाता है।

दैनिक भास्कर के पत्रकार ओम टेलर ने भी इस पद्धति का अनुभव किया और कुछ समस्याओं से लाभ प्राप्त किया। इस कार्यक्रम में 90 लोगों ने हिजामा पद्धति का उपयोग करते हुए इलाज लिया।

कार्यक्रम की सफलता में योगदान

इस सफल आयोजन में खिदमत-ए-खल्क की टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा, जिसमें मुर्तजा हसन, वसीम खोखर,

आसिफ जॉय, मोहम्मद सालिक, अख्तर, एम. यासीन रॉयल, जाहिद गौरी, फरहान शेख, अनवर आलम और अमीन गौरी, अमजद जोय शामिल थे। इन सभी के प्रयासों से पाली के निवासियों को निःशुल्क और प्रभावी उपचार का अवसर मिल सका।

आवश्यकता

जयपुर से प्रकाशित होने वाले अख़बार "रॉयल पत्रिका" को सीकर, झुंझुनूं के लिए रिपोर्टर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करें - 8058969180/992844315

भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार के सारे इंजन फैल

-शहर के दोनों विधायक जनता से मांगे माफी और अजमेर को बनाए विकास का मॉडल
-बदले की राजनीति करने के बजाय एलिवेटेड रोड के भ्रष्टाचार की कराए ज्यूडिशियल इंक्वायरी और दोषियों को भेजे जेल
-शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए पुरजोर तरीके से करेगी संघर्ष
-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने शहर की बदहाली को लेकर भाजपा नेताओं और जनप्रतिनिधियों पर किया तीखा प्रहार और खड़े किए सवाल

अजमेर/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। तोपदड़ा क्षेत्र स्थित गढ़वाल पैलेस में शनिवार को नारी न्याय सम्मेलन एवं शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल के पदभार ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस महिला न्याय सम्मेलन व नव नियुक्त शहर महिला कांग्रेस अध्यक्ष लक्ष्मी बुंदेल के पदभार ग्रहण समारोह में महिला कांग्रेस व कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने अपनी निभाई। समारोह में राजस्थान महिला कांग्रेस की प्रदेश अध्यक्ष सारिका सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ कांग्रेस नेता व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़, नगर निगम नेता प्रतिपक्ष और दक्षिण विधानसभा से कांग्रेस प्रत्याशी द्रौपदी कोली, लोकसभा अजमेर से कांग्रेस प्रत्याशी रामचंद्र चौधरी, किशनगढ़ विधायक विकास चौधरी, अजमेर उत्तर से कांग्रेस प्रत्याशी रहे महेंद्र सिंह रलावता, प्रदेश सचिव कैलाश झालीवाल सहित वरिष्ठ पदाधिकारी एवं सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए भाजपा की ट्रिपल इंजन सरकार, केंद्र, राज्य और नगर निगम पर तीखा हमला किया।

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने अजमेर एलिवेटेड रोड (रामसेतु) सहित शहर के ज्वलंत मुद्दों को लेकर ट्रिपल इंजन की सरकार पर जमकर निशाना साधते कहा कि एलिवेटेड रोड (रामसेतु) केंद्र सरकार की स्मार्ट सिटी योजना में करीब 250 करोड़ रुपए की लागत से बनी है, उस समय जो नक्शा बनाया गया था, तब उस पर अजमेर उतर से विधायक वासुदेव देवनानी व अजमेर दक्षिण की विधायक अनीता भदेल के हस्ताक्षर है । नगर निगम भाजपा की देखरेख में निर्माण हुआ, जो अब बेतुकी बयान बाजी कर जनता को गुमराह कर पल्ला झाड़ रहे है। उनको अब बिना संकोच के अजमेर की जनता से माफी मांगकर आगे अजमेर के विकास का मॉडल बनाकर दिखाना चाहिए। ऐसा नहीं चलेगा कि मीठा मीठा गप्प और कड़वा कड़वा थू। आप इतने बड़े पद पर अजमेर की जनता के आशीर्वाद से पहुंचे हो तो अब बदले की राजनीति करना बंद कीजिए , विधानसभा अध्यक्ष की गरिमा के अनुकूल आचरण कीजिए। अगर कांग्रेस पार्टी एलिवेटेड पुलिया ,सेवन वंडर या फिर किसी भी कार्य में दोषी है तो बेफिक्र होकर जांच कीजिए। भ्रष्टाचारियों को जेल की सलाखों में डालिए कौन रोक रहा है । हमारा तो स्पष्ट कहना है कि इन सब प्रकरणों में ज्यूडिशियल इंक्वायरी करवाइए ताकि दूध का दूध पानी का पानी हो सके । अब एक दूसरे पर छींटाकशी दोषारोपण बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता ने तीनों स्तरों पर भाजपा को मौका दिया, लेकिन बदले में मिला सिर्फ बदहाली, टूटी सड़कें, गंदगी और बेरोजगारी। शहर की बुनियादी सुविधाएँ दिन-ब-दिन बदतर होती जा रही हैं। सीवरेज और ड्रेनेज व्यवस्था की हालत यह है कि हर वर्ष बारिश में शहर जलमग्न हो जाता है। वर्षों से अधूरे ड्रेनेज प्रोजेक्ट्स या तो बंद पड़े हैं, या फिर बेहद धीमी गति से आगे बढ़ रहे हैं। टूटी-फूटी सड़कों और ट्रैफिक जाम से आम आदमी त्रस्त है। स्वच्छता सर्वेक्षण में लगातार गिरती रैंकिंग अजमेर की स्थिति को उजागर करती है।

राठौड़ ने स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि जेएलएन अस्पताल जैसे प्रमुख सरकारी संस्थान में न तो पर्याप्त स्टाफ है और न ही आवश्यक उपकरण ठीक स्थिति में हैं। मरीजों को घंटों लाइन में खड़ा रहना पड़ता है। मुख्यमंत्री चिरंजीवी योजना, उज्ज्वला योजना जैसी जनकल्याणकारी योजनाएँ जमीनी स्तर पर बेहद कमजोर क्रियान्वयन के कारण जनता तक प्रभावी रूप से नहीं पहुंच पा रही हैं। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर भी स्थिति चिंताजनक है। इसी प्रकार सामाजिक न्याय के मोर्चे पर भी स्थिति संतोषजनक नहीं है। दलित, पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक समुदायों के साथ हो रहे भेदभाव और अन्याय की घटनाएँ चिंताजनक हैं और सरकार इन पर चुप्पी साधे हुए है। उन्होंने कहा कि अजमेर एक ऐतिहासिक और धार्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण पर्यटन शहर है, लेकिन इसके मुख्य पर्यटन स्थल आनासागर झील और ख्वाजा साहब दरगाह क्षेत्र उपेक्षा का शिकार हैं। दरगाह क्षेत्र में ट्रैफिक, भीड़ और गंदगी की समस्याएँ श्रद्धालुओं को प्रतिदिन झेलनी पड़ती हैं, जिससे अजमेर की छवि पर नकारात्मक असर पड़ रहा है। राठौड़ ने युवाओं के हित का मुद्दा उठाते हुए कहा कि रोजगार के अवसरों की बात करें तो अजमेर में न तो कोई मज़बूत औद्योगिक क्षेत्र है और न ही कोई स्टार्टअप इकोसिस्टम विकसित हो पाया है। हज़ारों युवाओं को दूसरे शहरों का रुख करना पड़ रहा है, जिससे यहां की स्थानीय प्रतिभा का नुकसान हो रहा है। पूर्व आरटीडीसी धर्मेन्द्र राठौड़ ने इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी से सीधा सवाल किया कि जब पिछले 22 वर्षों से वे अजमेर से विधायक रहे हैं, मंत्री पद भी संभाला है और वर्तमान में राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष हैं, तो शहर की दुर्दशा के लिए जिम्मेदार कौन है? उन्होंने कहा कि अब बहानेबाज़ी और दोषारोपण की राजनीति नहीं चलेगी। यदि कांग्रेस शासन में कोई भ्रष्टाचार हुआ है तो ज्यूडिशियल इंक्वायरी करवाई जाए और दोषियों को जेल भेजा जाए, लेकिन जनता को गुमराह करना बंद किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता ने डबल इंजन नहीं, ट्रिपल इंजन की सरकार बनाकर देखा, लेकिन सभी इंजन फेल हो गए हैं। आज जनता में भारी निराशा और आक्रोश है, जिसका जवाब वे आने वाले नगर निगम और पंचायत चुनावों में अवश्य देंगे। राठौड़ ने अजमेर पदभार ग्रहण समारोह के दौरान शहर महिला कांग्रेस की नव-नियुक्त अध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी बुन्देल को बधाई दी और कहा कि पार्टी ने ईमानदार छवि की महिला अध्यक्ष बनाया। लक्ष्मी बुंदेल निश्चित तौर पर महिलाओं के अत्याचार के मुद्दे उठाकर उनको न्याय दिलाने और उनके अधिकारों की रक्षा और सुरक्षा के लिए पुरजोर से संघर्ष करेगी। महिला न्याय सम्मेलन व पदभार ग्रहण समारोह में महिला कांग्रेस की प्रदेश उपाध्यक्ष प्रियंका चौधरी, महिला कांग्रेस प्रदेश सचिव मधु चौहान, ब्यावर महिला कांग्रेस अध्यक्ष ईशिका जैन, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, वाहिद मोहम्मद, लक्ष्मी धौलखड़िया, ममता चौहान, शहनाज आलम, इंद्रा सुनिया, रजनी कहार, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक व हेमंत जोधा, एडवोकेट विश्राम चौधरी, सम्राट ऊंटडा, मंडल अध्यक्ष गणेश चौहान राजा झांझरी, मनीष सेन, विजय नागौरा, दिनेश के शर्मा, दिलीप गढ़वाल, सुमित मित्तल, सोना धनवानी, हरिप्रसाद जाटव, प्रेम सिंह गौड़, आरिफ खान व विकास चौहान सहित अनेक वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का 82 वर्ष की उम्र में निधन, प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक

एजेंसी। नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी का रविवार को 82 वर्ष की उम्र में लंदन में इलाज के दौरान निधन हो गया। उनके निधन पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित दुनिया भर के नेताओं ने गहरा दुख व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर अपनी संवेदना प्रकट करते हुए लिखा, "नाइजीरिया के पूर्व राष्ट्रपति मुहम्मदू बुहारी के निधन से अत्यंत दुखी हूं। मुझे विभिन्न अवसरों पर हुई हमारी मुलाकातें और बातचीत याद आती हैं। उनकी बुद्धिमत्ता, गर्मजोशी और भारत-नाइजीरिया मैत्री के प्रति अटूट प्रतिबद्धता थी। मैं भारत के 1.4 अरब लोगों के साथ उनके परिवार, नाइजीरिया की जनता और सरकार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं।"

वहीं नाइजीरिया के वर्तमान राष्ट्रपति बोला अहमद टीनुबू ने पूर्व राष्ट्रपति के निधन पर गहरा दुख जताया है और उपराष्ट्रपति काशिम शेट्टिमा को लंदन भेजा है ताकि बुहारी के पार्थिव शरीर को नाइजीरिया लाया जा सके। साथ ही, उनके सम्मान में राष्ट्रीय झंडे को आधा झुकाने का आदेश दिया गया है। मुहम्मदू बुहारी का जन्म 17 दिसंबर 1942 को हुआ था। उन्होंने नाइजीरिया की सेना में एक लंबा समय बिताया और बाद में राजनीति में सक्रिय भूमिका निभाई। वे 1983 से 1985 तक एक सैन्य शासक के रूप में सत्ता में रहे और फिर वर्ष 2015 में लोकतांत्रिक रूप से निर्वाचित राष्ट्रपति बने। वे नाइजीरिया के इतिहास में पहले ऐसे विपक्षी उम्मीदवार थे जिन्होंने किसी सत्ताधारी राष्ट्रपति को हराकर चुनाव जीता।

2019 में वे दोबारा राष्ट्रपति चुने गए और 29 मई 2023 को बोला टीनुबू को सत्ता सौंपकर दो कार्यकाल पूरे किए। अपने शासनकाल के दौरान बुहारी ने तीन प्रमुख क्षेत्रों- सुरक्षा, भ्रष्टाचार पर नियंत्रण और अर्थव्यवस्था के विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने पूर्वोत्तर क्षेत्र में बोको हराम आतंकियों के खिलाफ सख्त अभियान चलाया और देश से लूटे गए धन की वापसी के लिए कड़े कदम उठाए। उनके कार्यकाल में कृषि और बुनियादी ढांचे के विकास को भी बढ़ावा मिला, हालांकि वे दो बार की आर्थिक मंदी और बढ़ती असुरक्षा की चुनौतियों का भी सामना करते रहे। पूर्व राष्ट्रपति बुहारी को एक अनुशासित, ईमानदार और राष्ट्रहित में फैसले लेने वाले नेता के रूप में याद किया जा रहा है। उनके निधन से नाइजीरिया ही नहीं, बल्कि अफ्रीकी और वैश्विक राजनीति को भी एक बड़ा नुकसान हुआ है।

भारत-सऊदी अरब के बीच उर्वरक, स्वास्थ्य सहयोग पर समझौते, जे.पी. नड्डा की यात्रा से संबंधों को मजबूती

रियाद, (एजेंसी)। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा रसायन एवं उर्वरक मंत्री जे.पी. नड्डा ने 11 से 13 जुलाई 2025 तक सऊदी अरब के दम्माम और रियाद का दौरा किया। इस दौरे का मुख्य उद्देश्य भारत और सऊदी अरब के बीच उर्वरक, फार्मा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा देना था। यात्रा के दौरान केंद्रीय मंत्री के साथ उर्वरक विभाग और विदेश मंत्रालय के सचिव समेत वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल रहे। रियाद में, जे.पी. नड्डा ने सऊदी अरब के उद्योग एवं खनिज संसाधन मंत्री बंदार बिन इब्राहिम अल खोरेयफ से मुलाकात कर उर्वरकों, पेट्रोकेमिकल्स और फार्मा क्षेत्रों में सहयोग पर चर्चा की। इस दौरान भारतीय कंपनियों IPL, KRIBHCO और CIL के साथ Maaden कंपनी के बीच लंबे समय के लिए समझौते हुए। इन समझौतों के तहत वित्त वर्ष 2025-26 से प्रतिवर्ष 3.1 मिलियन मीट्रिक टन डाएमोनियम फॉस्फेट (DAP) उर्वरक की आपूर्ति होगी, जो पांच वर्षों तक चलेगी और आपसी सहमति से पांच और वर्षों के लिए बढ़ाई जा सकती है। दोनों पक्षों ने DAP के साथ-साथ यूरिया जैसे अन्य प्रमुख उर्वरकों पर भी दीर्घकालिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई, जिससे भारत की उर्वरक सुरक्षा और कृषि उत्पादकता को मजबूती मिलेगी। इसके अलावा, भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों को सऊदी अरब में निवेश के अवसरों और सऊदी निवेशकों को भारत में अवसर देने पर भी चर्चा हुई। साथ ही, भारत-विशिष्ट वैकल्पिक और अनुकूलित उर्वरकों पर संयुक्त शोध को लेकर सहमति बनी। इस दिशा में, भारत की ओर से उर्वरक सचिव और सऊदी अरब की ओर से खनन मामलों के उपमंत्री के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम का गठन भी किया गया है, जो दीर्घकालिक साझेदारी के रास्ते तलाशेगी। इसके अलावा, नड्डा ने सऊदी अरब के ऊर्जा मंत्री और भारत-सऊदी रणनीतिक साझेदारी परिषद की इकोनॉमी एंड इन्वेस्टमेंट कमेटी के सह-अध्यक्ष, प्रिंस अब्दुलअजीज बिन सलमान अल सऊद से मुलाकात कर आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने नड्डा के सम्मान में भोज भी आयोजित किया। स्वास्थ्य क्षेत्र में भी उल्लेखनीय प्रगति हुई, जब नड्डा ने सऊदी अरब के उप स्वास्थ्य मंत्री अब्दुलअजीज अल-रुमैह से मुलाकात कर मेडिकल सेवाओं, दवाओं, डिजिटल हेल्थ और ज्ञान-विनिमय पर सहयोग बढ़ाने के विषयों पर बातचीत की। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया सऊदी यात्रा के दौरान हस्ताक्षरित द्विपक्षीय स्वास्थ्य MoU की उपयोगिता को उजागर किया। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत ने सऊदी अरब से 1.9 मिलियन मीट्रिक टन DAP उर्वरक आयात किया, जो 2023-24 के 1.6 मिलियन टन की तुलना में लगभग 17% अधिक है। अब इन दीर्घकालिक समझौतों के बाद यह आपूर्ति 2025-26 से बढ़कर 3.1 मिलियन मीट्रिक टन प्रतिवर्ष हो जाएगी। यह यात्रा भारत की उर्वरक सुरक्षा को दीर्घकालिक रूप से सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और भारत-सऊदी संबंधों को और अधिक मजबूती प्रदान करेगी।

भारत के 'गौरव' शुभांशु शुक्ला की अंतरिक्ष से वापसी तय

दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला की धरती पर वापसी तय हो गई है। केंद्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को बताया कि शुभांशु शुक्ला 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे (भारतीय समयानुसार) पृथ्वी पर वापस लौटेंगे। वह एक्सिओम-4 मिशन के तहत तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (ISS) गए थे और अब उनका 14 दिन का अंतरिक्ष मिशन पूरा हो चुका है।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि अंतरिक्ष यान का ISS से अलग होने की प्रक्रिया (अनडॉकिंग) 14 जुलाई को शाम 4:30 बजे तय की गई है। इसके बाद स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान 15 जुलाई को दोपहर 3 बजे के आसपास प्रशांत महासागर में कैलिफोर्निया तट के पास स्प्लैशडाउन करेगा। उन्होंने यह भी बताया कि समय में लगभग एक घंटे का लचीलापन रखा गया है और किसी बदलाव की स्थिति में जानकारी समय रहते साझा की जाएगी।

वहीं नासा ने बताया कि मिशन को हरी झंडी दी जा चुकी है और सभी आवश्यक वैज्ञानिक कार्य पूरे कर लिए गए हैं। इस मिशन का नेतृत्व प्रसिद्ध अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री कमांडर पेगी व्हिटसन कर रही हैं, जबकि शुभांशु शुक्ला पायलट की भूमिका में हैं। उनके साथ स्लावोस उजनान्स्की-विस्निव्स्की और टिबोर कापू मिशन स्पेशलिस्ट के रूप में शामिल हैं। पिछले दो हफ्तों में इस टीम ने अंतरिक्ष में कई महत्वपूर्ण वैज्ञानिक प्रयोग किए। इनमें जैव-चिकित्सकीय शोध, रक्त नमूनों का विश्लेषण, माइक्रोएल्गी का अध्ययन (जो भविष्य में अंतरिक्ष में भोजन और जीवन समर्थन प्रणाली के लिए उपयोगी हो सकता है), और नैनोमटेरियल्स पर शोध शामिल हैं, जिससे पहनने योग्य उपकरणों का विकास संभव होगा जो अंतरिक्ष यात्रियों की सेहत की निगरानी कर सकें।

केंद्रीय मंत्री ने 18 से 20 जुलाई तक वाराणसी में 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' की घोषणा की

दिल्ली। केंद्रीय युवा मामले एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने नई दिल्ली में 'विकसित भारत के लिए नशामुक्त युवा' विषय पर 'युवा आध्यात्मिक शिखर सम्मेलन' के आयोजन की घोषणा की। यह एक परिवर्तनकारी पहल है जिसका उद्देश्य भारत की युवा शक्ति को सशक्त बनाना और नशामुक्त समाज को बढ़ावा देना है। केंद्रीय मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए कहा, "युवा अमृत काल के पथप्रदर्शक हैं - विकसित भारत का मार्ग।" उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत की 65 प्रतिशत से अधिक आबादी 35 वर्ष से कम आयु की है, जिनकी औसत आयु मात्र 28 वर्ष है, जिससे हमारे युवा राष्ट्रीय विकास की प्रेरक शक्ति बन जाते हैं। डॉ. मांडविया ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक विकसित भारत के दूरदर्शी आह्वान पर ज़ोर देते हुए कहा, "हमारी युवा पीढ़ी को न केवल लाभार्थियों के रूप में बल्कि भारत को आकार देने वाले परिवर्तनकर्ताओं के रूप में भी आगे बढ़कर नेतृत्व करना होगा। लेकिन मादक द्रव्यों का सेवन हमारे युवाओं के सामने सबसे गंभीर खतरों में से एक बना हुआ है, जो उन्हें जीवन के एक महत्वपूर्ण पड़ाव पर फँसा रहा है और राष्ट्रीय प्रगति के लिए एक चुनौती पेश कर रहा है।" इस गंभीर चिंता को देखते हुए भारत सरकार स्वयं सेवी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और आध्यात्मिक संगठनों के साथ मिलकर एक समग्र, समावेशी और भविष्योन्मुखी नशा-विरोधी अभियान शुरू कर रही है। इस प्रयास का केंद्रबिंदु गंगा नदी के पवित्र घाटों पर आयोजित तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन है, जहां 100 आध्यात्मिक संगठनों की युवा शाखाओं से आए 500 युवा प्रतिनिधि आत्मचिंतन, विचार-विमर्श और नशा उन्मूलन के लिए कार्यान्वयन योग्य रणनीतियां बनाने हेतु एकत्रित होंगे। डॉ. मांडविया ने कहा, "यह शिखर सम्मेलन एक व्यापक जन आंदोलन – जन आंदोलन – का मार्ग प्रशस्त करेगा ताकि नशे के स्रोतों की पहचान की जा सके, उन्हें जड़ से खत्म किया जा सके और एक नशामुक्त भारत का निर्माण किया जा सके।" उन्होंने घोषणा की कि शिखर सम्मेलन के समापन पर ऐतिहासिक काशी घोषणापत्र का अनावरण किया जाएगा, जिसमें सामूहिक संकल्प को समाहित किया जाएगा और नशामुक्त समाज के निर्माण हेतु एक राष्ट्रीय रोडमैप प्रस्तुत किया जाएगा। शिखर सम्मेलन के चार पूर्ण सत्रों में निम्नलिखित विषयों पर चर्चा होगी: नशे की लत को समझना और युवाओं पर इसका प्रभाव; नशा तस्करों के नेटवर्क और व्यावसायिक हितों को ध्वस्त करना; प्रभावी अभियान और पहुंच; तथा 2047 तक नशामुक्त भारत के लिए एक व्यापक प्रतिबद्धता तैयार करना। विशेषज्ञों के मुख्य भाषण, संचालित पैनल चर्चाएं और खुले व्हाइटबोर्ड मंच यह सुनिश्चित करेंगे कि प्रत्येक प्रतिनिधि इस राष्ट्रीय रणनीति को आकार देने में योगदान दे। माई भारत के स्वयंसेवकों की अटूट भावना को आगे बढ़ाते हुए, जिन्होंने हर राष्ट्रीय अवसर को माई भारत के स्वयंसेवकों के नेतृत्व में पदयात्राओं के माध्यम से विकसित भारत के विजन से जोड़ा है, केंद्रीय मंत्री ने विजय दिवस के उपलक्ष्य में 26 जुलाई को कारगिल में एक विशेष पदयात्रा की भी घोषणा की। स्थानीय युवाओं, माई भारत के युवा क्लबों और सेना के प्रतिनिधियों की भागीदारी वाली यह पदयात्रा, फिट इंडिया अभियान को बढ़ावा देते हुए हमारे शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करेगी।

असीम कुमार घोष होंगे हरियाणा के नए राज्यपाल

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दो राज्यों के राज्यपाल और एक केंद्र शासित प्रदेश के उपराज्यपाल की नियुक्ति कर दी है। प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा का नया राज्यपाल नियुक्त किया गया है। असीम कुमार घोष बने हरियाणा के राज्यपाल : प्रोफेसर असीम कुमार घोष को हरियाणा के नए राज्यपाल की जिम्मेदारी दी गई है। वे हरियाणा के मौजूदा राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय की जगह लेंगे। प्रोफेसर असीम कुमार घोष हरियाणा के 19वें राज्यपाल होंगे। वे साल 1999 से 2002 तक पश्चिम बंगाल बीजेपी के अध्यक्ष भी रह चुके हैं। प्रोफेसर असीम कुमार घोष पश्चिम बंगाल के हावड़ा के रहने वाले हैं। असीम कुमार घोष साल 2023 में हावड़ा लोकसभा सीट से बीजेपी के टिकट पर उपचुनाव भी लड़ चुके हैं। हालांकि उन्हें इस उपचुनाव में जीत हासिल नहीं हुई थी।पश्चिम बंगाल में संघ और बीजेपी की जड़ों को मज़बूत करने में असीम कुमार घोष की अहम भूमिका बताई जाती है। वे अभी पश्चिम बंगाल में पार्टी के मार्गदर्शक मंडल में थे।

अमरनाथ यात्रा: 11 दिन में 2 लाख श्रद्धालुओं ने किए दर्शन

जम्मू। अमरनाथ यात्रा के पहले 11 दिनों में 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन कर चुके हैं। रविवार को 20,000 तीर्थयात्री दर्शन के लिए पहुंचे। यात्रा 3 जुलाई से शुरू हुई थी और लगातार श्रद्धालुओं का आना जारी है।

इधर सोमवार को 6,100 यात्रियों का 13वां जत्था जम्मू से गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप के लिए रवाना हुआ। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं और हर जत्थे को सुरक्षा बलों की निगरानी में रवाना किया जा रहा है।

गांदरबल जिले के जेड-मोड़ टनल के पास सोमवार को तीर्थयात्रियों के काफिले का वाहन पलट गया, जिसमें CRPF के 3 जवान घायल हो गए। सभी को पास के अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इससे पहले रविवार को कुलगाम में तीन बसों की आपस में टक्कर हो गई थी, जिसमें 10 यात्री घायल हुए थे।

अब तक 4 लाख से ज्यादा श्रद्धालु अमरनाथ यात्रा के लिए रजिस्ट्रेशन करवा चुके हैं। इस बार यात्रा 38 दिनों तक चलेगी और इसका समापन 9 अगस्त को रक्षाबंधन के दिन होगा। यात्रा पहलगाम और बालटाल दोनों रूट्स से जारी है। पिछले साल यात्रा 52 दिनों तक चली थी और करीब 5 लाख श्रद्धालुओं ने पवित्र गुफा में हिम शिवलिंग के दर्शन किए थे।

नीति आयोग ने नई दिल्ली में "ट्रेड वॉच क्वार्टरली" का तीसरा संस्करण लॉन्च किया

दिल्ली। नीति आयोग के सदस्य डॉ. अरविंद विरमानी ने 14 जुलाई, 2025 को नई दिल्ली में वित्तीय वर्ष 2025 (अक्टूबर से दिसंबर) की तीसरी तिमाही के लिए "ट्रेड वॉच क्वार्टरली" पुस्तिका के तीसरे संस्करण का विमोचन किया। इस तिमाही के लिए भारत की व्यापार स्थिति का व्यापक विश्लेषण प्रस्तुत करने के अतिरिक्तप, इस संस्करण का विषयगत खंड अमेरिकी टैरिफ संरचनाओं में हाल के बदलावों पर केंद्रित है, जो अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के पुनर्गठन और भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर इसके निहितार्थों के बारे में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर 2024) में भारत के व्यापार निष्पा।दन ने भू-राजनीतिक अस्थिरता के बीच सतर्क गतिशीलता प्रदर्शित की। वित्त वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही में व्यापारिक निर्यात 3 प्रतिशत (108.7 बिलियन डॉलर तक) बढ़ा, जबकि आयात में 6.5 प्रतिशत (187.5 बिलियन डॉलर तक) की वृद्धि हुई। सेवा निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि से प्रेरित 52.3 बिलियन डॉलर के सेवा अधिशेष ने घाटे के अंतर को कम करने में मदद की, जिसने वैश्विक सेवा अर्थव्यवस्था में भारत की बढ़ती शक्ति को रेखांकित किया। निर्यात संरचना स्थिर बनी हुई है और कुछ उत्पाद जैसे विमान, अंतरिक्ष यान और पुर्जे 200 प्रतिशत से अधिक की वर्ष-दर-वर्ष वृद्धि के साथ शीर्ष दस निर्यातों में शामिल हो गए हैं। इसके अतिरिक्त, भारत वर्ष 2024 में 269 बिलियन डॉलर के डिजिटल तरीके से डिलीवर की गई सेवाओं (डीडीएस) के निर्यात के साथ विश्व के पांचवें सबसे बड़े निर्यातक के रूप में स्थान पर रहा। इस तिमाही के संस्करण का विषयगत केंद्रबिंदु उभरती अमेरिकी व्यापार और टैरिफ संरचनाएं तथा भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता पर उनके प्रभाव हैं। प्रमुख प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत का सापेक्ष टैरिफ लाभ अमेरिकी बाज़ार में विशेष रूप से फार्मास्यूटिकल्स, कपड़ा और विद्त मशीनरी जैसे क्षेत्रों में बाज़ार हिस्सेदारी बढ़ाने का एक कार्यनीतिक अवसर प्रदान करता है। उभरते वैश्विक व्यापार परिवेश में नए व्यापार संयोजनों का लाभ उठाने के लिए बेहतर नीति-निर्माण की आवश्यकता है। इस अवसर पर डॉ. विरमानी ने नवीनतम व्यापार गतिशीलता को गहन विश्लेषणात्मक गहराई के साथ प्रस्तुत करने वाले एक व्यापक व्यापार प्रकाशन के लिए पूरी टीम को बधाई दी। उन्होंने कहा कि भारत की उभरती हुई व्यापार भागीदारी, बढ़ती प्रतिस्पर्धा, नवोन्मेकषण और अमेरिका जैसे प्रमुख बाजारों में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के रणनीतिक प्रयासों द्वारा संचालित अर्थव्यवस्था की गहन प्रगति को दर्शाती है, जो अमेरिकी व्यापार नीति में हाल के बदलावों के अनुरूप है। डॉ. विरमानी ने यह भी रेखांकित किया कि ऐसे समय में जब भू-राजनीतिक बदलावों, प्रौद्योगिकीय बदलावों और नीतिगत अनिश्चितता के कारण वैश्विक व्यापार का स्वरूप बदल रहा है, यह संस्करण नीति निर्माताओं, उद्योग और शिक्षा जगत के लिए एक मूल्यवान संसाधन के रूप में कार्य करता है। यह समग्र व्यापार सुगमता को बढ़ाने और वैश्विक बाजारों में मज़बूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए दूरदर्शी सुझाव प्रदान करता है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,